राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

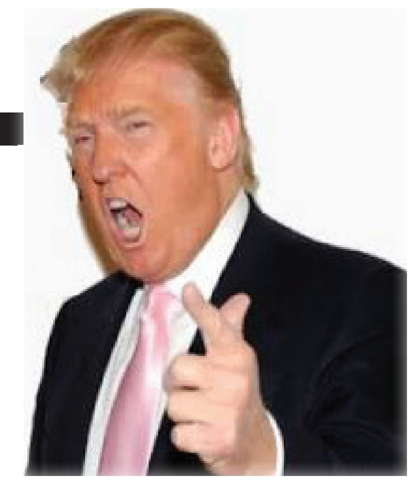

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 जल्द ही मोबाइल पर दिखेगी खरीफ फसलों की स्थिति : विजय

एपल मैप्स पर दिखेगा लेक अमेरिका नाम: ट्रंप ने कंपनी को दिए निर्देश 12

वर्ष : 14 | अंक : 144 | पटना,बुधवार,02 सितंबर, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

आतंकवाद को खत्म करने के लिए एकजुट होकर करना होगा काम: मोदी

■ प्रधानमंत्री ने बिश्केक में एससीओ के वार्षिक शिखर सम्मेलन को किया संबोधित

प्रात : किरण

बिश्केक /एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने और उसे मिलने वाली वित्तीय मदद रोकने के लिए एकजुट होकर काम करना होगा तथा आतंकवाद से निपटने में दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में एससीओ के वार्षिक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि युद्ध के मैदान में किसी समस्या का समाधान नहीं निकल सकता तथा दुनिया के सभी युद्ध एवं संघर्ष का हल संवाद एवं कूटनीति के जरिये निकाला जाना चाहिए। मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि संपर्क बढ़ाने वाली परियोजनाओं में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। उनकी इस टिप्पणी को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव की ओर परोक्ष संकेत के रूप में देखा जा रहा है। आतंकवाद से निपटने की जरूरत पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी ऐसे समय में विशेष महत्व रखती है जब भारत सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान को अलग-थलग करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। मोदी ने कहा, हमें आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने के साथ-साथ उसे मिलने वाली वित्तीय मदद को भी रोकना होगा। उन्होंने कहा, हमें एक स्वर में कहना होगा कि आतंकवाद से

निपटने में दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। प्रधानमंत्री ने कहा कि युद्ध एवं संघर्षों का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं निकल सकता और इन्हें संवाद एवं कूटनीति के जरिये सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत बाजारों को जोड़ने, व्यापार को सुगम बनाने और विकास के नए रास्ते खोलने वाले सभी प्रयासों का समर्थन करता है।

मोदी ने साथ ही कहा कि संपर्क बढ़ाने के प्रयासों में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत के लिए एससीओ महान सभ्यताओं, संस्कृतियों और विचारों का संगम है। मोदी ने कहा कि एससीओ को लेकर भारत की सोच के तीन मुख्य स्तंभ झ सुरक्षा, संपर्क और अवसर हैं।पीएम मोदी ने नशीले पदार्थों की तस्करी को भी रोकने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, ड्रग ट्रैफिकिंग केवल एक अपराध नहीं है बल्कि हमारी युवा पीढ़ी और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। एससीओ के अंतर्गत सिक्योरिटी थ्रेट्स, ऑगेनाईज्ड क्राइम, इन्फोर्मेशन सिक्योरिटी और नार्कोटिक्स जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए स्थापित किए जा रहे सेन्टर्स एक सकारात्मक कदम है। हमें व्यावहारिक समन्वय और समय पर कार्रवाई कर इन्हें प्रभावी माध्यम बनाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने एससीओ नेताओं के साथ खिंचवाई ग्रुप फोटो

बिश्केक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिश्केक में आयोजित 26वें शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में अन्य देशों के नेताओं के साथ समूह फोटो खिंचवाई। इस दौरान वह क्षेत्रीय संगठन की महत्वपूर्ण बैठकों और चचाओं में हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल पर पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी का सम्मेलन स्थल पर पहुंचना ऐसे समय में हुआ, जब एक दिन पहले उन्होंने एससीओ शिखर सम्मेलन के इतर किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सादिर झापारोव से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने भारत-किर्गिस्तान संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पीएम मोदी आज जल सुरक्षा शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जल सुरक्षा पर आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में शामिल होंगे। यह सम्मेलन नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में 1-2 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। पीएम मोदी शाम लगभग 4:30 बजे समापन सत्र में पहुंचेंगे और सभा को संबोधित करेंगे। सरकार द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य टीम इंडिया की भावना को मजबूत करना और सहकारी संघवाद को और गहरा करना है। इसके जरिए केंद्र और राज्यों के बीच करीबी सहयोग से राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर सामूहिक स्वामित्व को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल महत्वपूर्ण क्षेत्रीय प्राथमिकताओं पर संयुक्त रूप से विचार-विमर्श करने और उनके कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए एक व्यवस्थित मंच प्रदान करेगी। शिखर सम्मेलन में केंद्र और राज्य सरकारों के राजनीतिक नेतृत्व और वरिष्ठ अधिकारी एक साथ आएंगे।

संक्षिप्त खबरें

बिहार विधानसभा के नए प्रभारी सचिव के रूप में संजय कुमार सिंह ने संभाला पदभार

पटना।बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने विधानसभा सचिवालय में प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए संजय कुमार सिंह को प्रभारी सचिव के रूप में कार्य करने हेतु प्राधिकृत किया है। यह निर्णय पूर्व निदेशक-सह-प्रभारी सचिव पूनम सिन्हा की सेवानिवृत्ति के पश्चात लिया गया है। संजय कुमार सिंह ने 1 सितंबर 2026 के पूर्वाह्न से आधिकारिक तौर पर अपना नया कार्यभार संभाल लिया है। नवनियुक्त प्रभारी सचिव संजय कुमार सिंह वर्तमान में बिहार विधानसभा सचिवालय में वरिष्ठतम पदाधिकारी हैं। उन्होंने वर्ष 1993 में जनसंपर्क पदाधिकारी (राजपत्रित पदाधिकारी) के रूप में विधानसभा सचिवालय में अपनी सेवाएं शुरू की थीं। इसके बाद उन्होंने संयुक्त निदेशक सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए अपने लंबे प्रशासनिक अनुभव से सचिवालय को योगदान दिया।

अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार द्वारा सबसे वरिष्ठ अधिकारी पर भरोसा जताए जाने से विधानसभा के प्रशासनिक कार्यों में निरंतरता और दक्षता बनी रहेगी। श्री सिंह के वृहद अनुभव का लाभ सचिवालयीय प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने तथा आगामी सत्रों के संचालन को व्यवस्थित रूप देने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

शिव गोपाल मिश्रा ने बिहार विधान परिषद् के सचिव के रूप में पदभार किया ग्रहण

पटना। बिहार विधान परिषद् के नव नियुक्त सचिव शिव गोपाल मिश्रा ने बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह से शिष्टाचार भेंट की जहाँ सभापति ने पुष्पगुच्छ से उनका स्वागत किया। भेंट के उपरांत मिश्रा ने बिहार विधान परिषद् के सचिव के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। श्री मिश्रा इससे पहले पश्चिमी चंपारण ज़िले के ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश थे। इस अवसर पर सभापति अवधेश नारायण सिंह ने शिव गोपाल मिश्रा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव एवं प्रशासनिक दक्षता से परिषद् के कार्यों को और अधिक प्रभावी एवं सुचारू बनाने में सहायता मिलेगी। श्री मिश्रा ने भी अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने बापूधाम महोत्सव का किया शुभारंभ, पूर्वी चम्पारण को दी 285 करोड़ की योजनाओं की सौगात

सौगात: मोतिहारी में बंद चीनी मिल और हेलीकॉप्टर सेवा जल्द होगी शुरू : सम्राट

■ मरीन ड्राइव और अटल कला भवन शुरू करने पर होगा काम

■ प्रात : किरण

मोतिहारी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को मोतिहारी स्थित गांधी मैदान में आयोजित बापूधाम महोत्सव का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कई बड़ी घोषणाओं के साथ कि मोतिहारी में संचालित मदर डेयरी से बड़ा मदर डेयरी स्थापित करने तथा बंद चीनी मिल को फिर से शुरू करने की दिशा में काम शुरू करने की बात कही। तीन सितंबर तक चलने वाले इस महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री ने पूर्वी चंपारण जिले के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से करीब 285 करोड़ रुपये की लागत वाली 145 विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का शिलापट्ट के माध्यम से अनावरण, उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। सीएम ने कहा कि इन परियोजनाओं से मोतिहारी में पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, कृषि, मत्स्य पालन, उद्योग, कला-संस्कृति और आधारभूत संरचना को व्यापक गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने चंपारण के किसानों को नील की खेती और अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया था। बापूधाम महोत्सव उसी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन विरासत को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 के चुनाव से पहले बिहार में उद्योगों को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना है।

मोतिहारी में तारामंडल और बरियारपुर में मेडिकल कॉलेज का होगा निर्माण

सीएम ने मोतिहारी के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। बरियारपुर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कराया जाएगा और मोतिहारी में तारामंडल का निर्माण शीघ्र शुरू होगा। केंद्रीय विद्यालय को पीपराकोठी से बरियारपुर में स्थानांतरित किया जाएगा। नेहरू स्टेडियम के स्थान पर इंडोर स्टेडियम बनाया जाएगा। मत्स्य समृद्धि कलस्टर एवं फिश प्रोसेसिंग प्लांट के निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू होगी। मोतिहारी में अटल कला भवन और तेतीयारिया प्रखंड के कोठिया में एक्वाकल्चर पार्क बनाया जाएगा। उन्होंने मोतिहारी में संचालित मदर डेयरी से बड़ा मदर डेयरी स्थापित करने तथा बंद चीनी मिल को फिर से शुरू करने की दिशा में काम शुरू करने की बात कही। मोतिहारी-तुर्कौलिया-गोविंदगंज पथ में रघुनाथपुर पुल से बालगंगा तक सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण, मोतिझील के किनारे सड़क निर्माण तथा पीपराकोठी-राजपुर चौक-भाया कल्याणपुर पथ के चौड़ीकरण की योजनाएं भी बताईं। वहीं, मोतिहारी में भी हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जाएगी। इससे जिले की कनेक्टिविटी को नई दिशा मिलेगी।

आधारभूत संरचना को व्यापक गति मिलेगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से मोतिहारी में पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, कृषि, मत्स्य पालन, उद्योग, कला-संस्कृति तथा आधारभूत संरचना को व्यापक गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चंपारण से जुड़े योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि महात्मा गांधी जी ने चंपारण के किसानों को नील की खेती और अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। बापूधाम महोत्सव चंपारण की इसी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन विरासत को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से पूर्व गांधी मैदान में आयोजित सहयोग शिविर का निरीक्षण किया। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, समाज कल्याण विभाग, ग्रामीण विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल पर पहुंचे।

बिहार में खुलेगा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का कैंपस : मुख्यमंत्री

● बिहार में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय कैंपस की स्थापना को केंद्र सरकार की सहमति, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

प्रात : किरण

पटना बिहार में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के नए कैंपस की स्थापना को केंद्र सरकार की सहमति मिलने पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय बिहार की समृद्ध नाट्य एवं प्रदर्शन कला परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान और नई संभावनाएं प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध रही है। यह कालिदास, रामवृक्ष बेनीपुरी और भिखारी ठाकुर जैसी महान विभूतियों की भूमि है। राज्य की लोक नाट्य एवं प्रदर्शन कलाओं की अपनी विशिष्ट और गौरवशाली परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय कैंपस की स्थापना से राज्य के युवा कलाकारों को पेशेवर नाट्य प्रशिक्षण, स्टेजक्राफ्ट, प्रदर्शन कला और उन्नत शोध के लिए बेहतर संस्थागत अवसर मिलेंगे। प्रतिभाशाली कलाकारों को प्रशिक्षण के लिए राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी तथा बिहार की लोक नाट्य परंपराओं और आधुनिक रंगमंच के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सकेगा।

राष्ट्रीय रंगमंच के मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित करेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार ने नाट्य कलाओं के संरक्षण, संवर्धन और समन्वय के लिए बिहार संगीत नाट्य अकादमी की स्थापना की है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय का कैंपस इस दिशा में राज्य के प्रयासों को और मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय कैंपस के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने तथा भवन निर्माण की स्वीकृत लागत का 50 प्रतिशत राज्यांश वहन करने के लिए आवश्यक कार्रवाई कर रही है। राज्य सरकार संस्थान की शीघ्र स्थापना के लिए हरसंभव प्रशासनिक सहयोग प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय कैंपस की स्थापना केवल एक संस्थान की स्थापना नहीं, बल्कि राज्य की सांस्कृतिक विरासत, युवा प्रतिभाओं और आधुनिक रंगमंच के भविष्य में निवेश है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयास से यह संस्थान बिहार को राष्ट्रीय रंगमंच के मानचित्र पर और अधिक मजबूती से स्थापित करेगा।

आर्थिक वृद्धि दर सरकार के सुधारों, कुशल आर्थिक प्रबंधन का परिणाम : वित्त मंत्री

■ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की (अप्रैल-जून) पहली तिमाही की आर्थिक वृद्धि दर केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के सुधारों और अर्थव्यवस्था के कुशल प्रबंधन के सकारात्मक परिणाम को दशार्ती है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही। पहली तिमाही में देश की यह आर्थिक वृद्धि दर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के 7 फीसदी के अनुमान से कहीं अधिक है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में लिखा, इस मजबूत प्रदर्शन का श्रेय भारत के लोगों और उनकी मेहनत को जाता है। उन्होंने कहा कि राजग सरकार के सुधारों और अर्थव्यवस्था के कुशल प्रबंधन के परिणाम सामने आ रहे हैं।ह्लह्ल उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सभी नागरिकों के लिए आर्थिक अवसरों का और विस्तार करने को प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मौजूदा मूल्य पर जीडीपी में 10.3 फीसदझी की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, वास्तविक सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 8.2 फीसदी की दर से बढ़ा। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी की अनुमानित वृद्धि दर 7.8 फीसदी है।

बांका में 75 हजार रिश्वत लेते बीडीओ रंगे हाथ गिरफ्तार

प्रात : किरण

बांका। बिहार के बांका जिले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को फुल्लीडूमर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित प्रताप सिंह को 75 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। उनके साथ रिश्वत की रकम रखने के आरोप में उनके रिश्तेदार बच्चन कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि फुल्लीडूमर प्रखंड प्रमुख और पंचायत समिति सदस्य गौतम प्रकाश ने निगरानी ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि पंचायत समिति की विकास योजनाओं के अनुमोदन और राशि निकासी के लिए बीडीओ द्वारा पांच प्रतिशत राशि की मांग की जा रही है। उन्होंने बताया कि कुल 33 पंचायत समिति योजनाओं में से सात योजनाओं का क्रियान्वयन हो चुका था, जबकि शेष 26 योजनाओं की कुल राशि करीब 70 से 75 लाख रुपये थी। आरोप है कि इन योजनाओं के अनुमोदन के लिए बीडीओ ने पांच प्रतिशत राशि की मांग की थी, जो करीब तीन लाख रुपये बनती है।शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग ने मामले का सत्यापन कराया। सत्यापन में रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि होने के बाद जाल बिछाने की कार्रवाई की गई। तय रणनीति के तहत शिकायतकर्ता गौतम प्रकाश मंगलवार को 75 हजार रुपये लेकर बांका शहर के नेहरू कॉलोनी स्थित बीडीओ के आवास पर पहुंचे।निगरानी उपाधीक्षक के मुताबिक, बीडीओ ने 75 हजार रुपये स्वीकार किए।

इसके बाद उनके रिश्तेदार बच्चन कुमार ने कथित तौर पर रकम अपने पास रख ली। निगरानी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया। बच्चन कुमार की जेब से 75 हजार रुपये बरामद किए गए। कार्रवाई के बाद निगरानी टीम ने बीडीओ के आवास की तलाशी भी शुरू की।अधिकारियों के अनुसार, तलाशी पूरी होने के बाद बरामदगी और अन्य तथ्यों की जानकारी दी जाएगी। निगरानी विभाग ने इस मामले में निगरानी थाना कांड संख्या 102 दर्ज किया है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है और बीडीओ को निगरानी की विशेष अदालत में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि सोमवार को ही फुल्लीडूमर प्रखंड कार्यालय में एक प्रमाण पत्र जारी करने को लेकर बीडीओ और पूर्व मुखिया संजीव कुमार मंडल के बीच विवाद हुआ था। बीडीओ की शिकायत पर पुलिस ने पूर्व मुखिया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसके अगले ही दिन बीडीओ की रिश्वत लेते गिरफ्तारी से इलाके में चर्चा तेज हो गई है।

तंगी और कर्ज के अंधेरे से निकलकर ग्रामीण महिलाएं बनीं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल

जीविका से जुड़कर बिहार की ग्रामीण महिलाएं लिख रही हैं उद्यमिता की नई इबारत

प्रात : किरण

पटना। कभी आर्थिक तंगी, सीमित संसाधन, साहूकारों के कर्ज और परिवार की बढ़ती जिम्मेदारियों के बीच जीवन गुजारने को मजबूर ग्रामीण महिलाओं ने जब जीविका स्वयं सहायता समूह का हाथ थामा, तो उनके जीवन में बदलाव की एक नई शुरूआत हुई। छोटी-छोटी बचत से शुरू हुई यह यात्रा आज स्वरोजगार, उद्यमिता, सम्मान और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी है।

जीविका समूहों ने महिलाओं को न केवल बचत और ऋण की सुविधा दी, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, प्रशिक्षण, वित्तीय अनुशासन और अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर भी दिया। समूह के माध्यम से ऋण लेकर महिलाओं ने अपनी रुचि और स्थानीय बाजार की जरूरत के अनुसार मसाला उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, आटा पिसाई और मशरूम उत्पादन जैसे उद्यम शुरू किए और आज वह सालान लाखों की आमदनी कर रही हैं।

भागलपुर की नूतन देवी ने समूह से ऋण लेकर आटा-चक्की स्थापित की और बाद में मसाला उत्पादन शुरू कर अपने व्यवसाय का विस्तार किया। आज उनकी मासिक आय लगभग 20झ25 हजार रुपये तक पहुंच गई है। इसी जिले की सविता देवी और नीलम देवी ने भी समूह से ऋण लेकर मसाला उत्पादन शुरू किया और अपने उत्पादों को स्थानीय बाजार तक पहुंचाकर अपनी पहचान बनाई। किशनगंज की असीना खातून की कहानी ग्रामीण उद्यमिता की बड़ी मिसाल है।

उन्होंने घर से हस्तनिर्मित मसाला उत्पादन शुरू किया और धीरे-धीरे अपने उत्पादों की बिक्री आसपास के जिलों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल तक पहुंचाई। उनके उद्यम से लगभग 40 जीविका दीदियों को रोजगार मिला और उनकी मासिक आय आज लगभग 60 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है। विभिन्न मेलों और एक्सपो में भागीदारी व पुरस्कार ने उनके उद्यम को नई पहचान दी है।

नालंदा की बीबी तराना बताती हैं कि जीविका के सहयोग और प्रशिक्षण से मसाला उत्पादन को व्यवस्थित रूप दिया गया। गुणवत्ता और शुद्धता को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने अपने उत्पादों के लिए ग्राहकों का विश्वास बनाया। आज उनका वार्षिक कारोबार लगभग 3.40 लाख रुपये से अधिक है। इसी जिले की मंजुला कुमारी ने भी जीविका से जुड़कर मशरूम उत्पादन से अपनी उद्यमिता की शुरूआत की।

उन्होंने स्वयं सफलता हासिल करने के साथ-साथ अन्य महिलाओं को भी प्रशिक्षण देकर इस गतिविधि से जोड़ा। आगे चलकर उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित कर मसाला उत्पादन एवं पैकेजिंग का कार्य शुरू किया। आज उनकी आय लगभग 30झ40 हजार रुपये प्रतिमाह तक पहुंच गई है। इधर, संगीता देवी ने आर्थिक कठिनाइयों और कर्ज की परेशानियों के बीच जीविका समूह से जुड़कर छोटे ऋणों का उपयोग किया और मसाला व्यवसाय शुरू किया। धीरे-धीरे उनका व्यवसाय आसपास के क्षेत्र में पहचान बनाने लगा। सरकारी योजनाओं से मिले सहयोग ने उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उपरोक्त सभी महिलाओं की कहानियां बताती हैं कि बिहार सरकार के इस परियोजना का असली बदलाव केवल आय बढ़ने तक सीमित नहीं है बल्कि इसके माध्यम से महिलाओं में निर्णय लेने की क्षमता, आत्मविश्वास, नेतृत्व और सामाजिक भागीदारी भी बढ़ी है।

जो महिलाएं कभी घर की चारदीवारी तक सीमित थीं, वे आज उद्यम चला रही हैं, बाजार से जुड़ रही हैं और दूसरी महिलाओं को रोजगार और प्रशिक्षण दे रही हैं।

बिहार की ग्रामीण महिलाएं आज स्वावलंबन और महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश कर रही हैं। स्वावलंबी दीदियां बिहार को आर्थिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कभी आर्थिक तंगी, सीमित संसाधन और कर्ज के बोझ तले जीने को मजबूर हमारी बहनों के जीवन में जीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने के बाद एक अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उनकी छोटी-छोटी बचत से शुरू हुआ यह सफर आज स्वरोजगार, उद्यमिता और सम्मानजनक जीवन का पर्याय बन चुका है।

श्रवण कुमार (मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग)

संक्षिप्त खबरें

फतुहा चौराहे से चोरों ने की सीएनजी ऑटो की चोरी

फतुहा। फतुहा चौराहा के पास खड़े सीएनजीऑटो को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। पटना सिटी के मालसलामी थाना क्षेत्र निवासी ऑटो चालक विजय कुमार ने फतुहा थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि 28 अगस्त को दोपहर करीब 3 बजे ऑटो *इफ01ढर5935* को चौराहा के पास खड़ा कर नाश्ता करने गए थे। करीब 20 मिनट बाद लौटे तो ऑटो गायब था। काफी खोजबीन के बाद भी पता नहीं चला। चालक ने पुलिस से ऑटो बरामद करने की गुहार लगाई है।

तीसरी स्मृति दिवस पर शिद्दत से याद किए गए कॉमरेड राजाराम

फतुहा। भाकपा (माले) के केंद्रीय कंट्रोल कमीशन के पूर्व अध्यक्ष एवं आईपीएफ के संस्थापक महासचिव कॉमरेड राजाराम की तीसरी स्मृति दिवस पर विश्वबंधु पुस्तकालय, फतुहा के हॉल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। मौके पर भाकपा (माले) पोलित ब्यूरो सदस्य अमर जी, विधान पार्षद सह ऑल इंडिया स्कीम वर्कर्स फेडरेशन की राष्ट्रीय महासचिव शशि यादव, अखिल किसान महासभा के राज्य सचिव उमेश सिंह, पटना पूर्वी जिला सचिव सुरेंद्र राम, कॉमरेड राजाराम की पत्नी व ऐपवा नेत्री संगीता देवी, पुत्र व भाकपा (माले) राज्य कमिटी सदस्य अभिषेक कुमार, पुत्री व पत्रकार नेहा गुप्ता, पुत्रवधू व शिक्षिका रीना कुमारी तथा पटना सचिवालय में कार्यरत गौतम सर सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। सभी ने उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा। सभा की अध्यक्षता प्रखंड सचिव शैलेन्द्र यादव ने की। इस दौरान 6 सितंबर को कृष्ण मेमोरियल हॉल में ह्यस्कूल ठीक करो, शिक्षा सुधारो अभियान के तहत महिलाओं, ग्रामीण गरीबों, छात्रों और युवाओं का जनसंवाद आयोजित करने की जानकारी दी गई।

नदी थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी और छिनतई के मामलों में चार गिरफ्तार

फतुहा। नदी थाना पुलिस ने चोरी और छिनतई के मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 31 अगस्त को दो वर्षीय बच्चे के हाथ से चांदी के आभूषण चोरी होने की शिकायत पर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुख्य आरोपी शिवम कुमार को गिरफ्तार किया गया और उसके पास से चोरी के आभूषण बरामद किए गए। पूछताछ में बुजुर्ग महिला से सोने की चेन छीनने की बात सामने आने पर चोरी का सोना खरीदने वाले दुकानदार मनीष कुमार को भी गलाए हुए सोने के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं, वाहन चेकिंग के दौरान पिकअप वाहन से चोरी का सामान ले जा रहे मोहम्मद इम्तियाज और अमित कुमार को भी वाहन सहित गिरफ्तार किया गया। पुलिस सभी आरोपियों के आपराधिक इतिहास और उनके नेटवर्क की जांच कर रही है।

गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से दियारा वासियों की बढ़ी परेशानी

दानापुर। नगर के अंतर्गत गंगा नदी का जलस्तर एक बार फिर दियारा क्षेत्र में फैल गया है। जिससे दियारा वासियों की परेशानी बढ़ गई है। दियारा क्षेत्र में नदी के पानी का आना और कुछ दिनों बाद घटने से खेतों में लगी फसले अब खराब होने लगी है।

बिहार आएं निवेशक, सिर्फ निवेश नहीं साझेदार बनकर करें काम : ऊर्जा मंत्री

➤ **बिजली व्यवस्था में बड़ा सुधार: अळ&उ लॉस 60 से घटकर 11.54 से नीचे, 94 लाख स्मार्ट मीटर लगे; 2.5 लाख इढछ परिवारों को मुफ्त 1.1 डह रूफटॉप सोलर का लक्ष्य**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना/नई दिल्ली। बिहार के ऊर्जा मंत्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने निवेशकों से बिहार में निवेश के साथ राज्य के विकास में भागीदार बनने का आह्वान किया है। नई दिल्ली में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी 2026 के उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि 2026 का बिहार तेजी से बदल रहा है और ऊर्जा क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार हो रहा है। देश-विदेश के निवेशकों को बिहार में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए शैलेश कुमार ने कहा कि 2026 का बिहार अब पहले जैसा नहीं रहा है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव हो रहे हैं और विकास की नई संभावनाएं तैयार हो रही है। उन्होंने निवेशकों से केवल निवेश करने के लिए नहीं, बल्कि बिहार के विकास में भागीदार बनने के लिए आने का आह्वान किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए सुरक्षित, सस्ती और गुर्णवत्तापूर्ण बिजली व्यवस्था जरूरी है। बढ़ती मांग को देखते हुए बिहार अपने बिजली ढांचे को लगातार मजबूत कर रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में 94 लाख से अधिक स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं। इससे बिलिंग और बिजली खपत की निगरानी में सुधार हुआ है। इसके चलते अळ&उ लॉस 59-60% से घटकर 11.54% से नीचे आ गया है।उन्होंने कहा कि राज्य में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। बढ़ती आबादी, शहरीकरण, औद्योगिक गतिविधियों और आर्थिक विकास के कारण बिजली की जरूरत बढ़ी है। बिहार ने अब तक 9,475 मेगावाट की रिकॉर्ड पीक डिमांड को सफलतापूर्वक पूरा किया है। आने वाले वर्षों में बिजली की मांग में और वृद्धि की संभावना है और वित्तीय वर्ष 2037 तक इसके करीब 19,033 मेगावाट पहुंचने का अनुमान है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिहार उपभोक्ताओं को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि आने वाले महीनों में 2.5 लाख पात्र इढछ परिवारों को 1.1 किलोवाट क्षमता के मुफ्त रूफटॉप सोलर सिस्टम दिए जाएंगे। इससे गरीब परिवार अपनी बिजली जरूरतों को पूरा करने के साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए बिहार राष्ट्रीय बिजली क्षेत्र की संस्थाओं के साथ परमाणु ऊर्जा के दीर्घकालिक विकल्पों पर भी विचार कर रहा है। राज्य भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अलग-अलग स्त्रोतों पर आधारित रणनीति तैयार कर रहा है।ऊर्जा मंत्री' शैलेश कुमार ने कहा कि बिहार बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, इएरर, पंप्ड स्टोरेज, स्मार्ट मीटरिंग आदि होंगे।

समय पर जांच और अस्पताल की देखभाल से बढ़ा भरोसा, सुरक्षित मातृत्व की ओर बढ़ रहा बिहार

- **एनएफएचएस-6 के आंकड़ों में दिखा बदलाव, संस्थागत प्रसव 76.2 से बढ़कर 81.1 प्रतिशत**
- **प्रसव के बाद मां की देखभाल 69.9 प्रतिशत तक पहुंची**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं से महिलाओं के जुड़ाव में सकारात्मक बदलाव सामने आया है। राष्ट्रीय फैमिली हेल्थ सर्वे-6 (एनएफएचएस-6, 2023–24) के आंकड़ों के अनुसार राज्य में संस्थागत प्रसव का अनुपात 76.2 प्रतिशत से बढ़कर 81.1 प्रतिशत हो गया है। यानी पहले की तुलना में अधिक महिलाएं सुरक्षित प्रसव के लिए स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंच रही हैं।गर्भावस्था के शुरूआती चरण में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ने वाली महिलाओं की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। पहली तिमाही में एएनसी कराने वाली महिलाओं का अनुपात 52.9 प्रतिशत से बढ़कर 63.9 प्रतिशत हुआ है। वहीं किसी न किसी एएनसी सेवा से जुड़ने वाली महिलाओं का कवरेज 81.6 प्रतिशत से बढ़कर 94 प्रतिशत हो गया है। इससे गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच तक महिलाओं की पहुंच में सुधार का संकेत मिलता है।

प्रसव के बाद भी बढ़ी देखभाल की पहुंच

मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का असर प्रसव के बाद की देखभाल में भी दिखाई दे रहा है। बिहार में प्रसव के दो दिनों के भीतर माताओं को प्रसवोत्तर देखभाल मिलने का अनुपात 57.3 प्रतिशत से बढ़कर 69.9 प्रतिशत हो गया है। इसी अवधि में नवजात शिशुओं की देखभाल का अनुपात भी 59.3 प्रतिशत से बढ़कर 76.2 प्रतिशत हुआ है।पिरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि परिमल झा बताते हैं कि इन आंकड़ों को केवल प्रसव के आंकड़े के रूप में देखने के बजाय गर्भावस्था से लेकर प्रसव के बाद तक स्वास्थ्य सेवाओं से महिला के निरंतर जुड़ाव के रूप में देखना महत्वपूर्ण है। शुरूआती एएनसी, संस्थागत प्रसव और प्रसवोत्तर देखभाल में एक साथ सुधार मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता को मजबूत होने का संकेत देता है।

ग्रामीण बिहार में सरकारी संस्थानों की अहम भूमिका

मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिका भी महत्वपूर्ण बनी हुई है। राज्य में 57.5 प्रतिशत प्रसव सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में हुए हैं। ग्रामीण बिहार में यह अनुपात 58.4 प्रतिशत है।यह आंकड़ा बताता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित प्रसव के लिए सरकारी स्वास्थ्य संस्थान महत्वपूर्ण सहारा बने हुए हैं। संस्थागत प्रसव के माध्यम से महिलाओं को प्रसव के दौरान प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने का अवसर बढ़ा है।मातृ स्वास्थ्य में सुधार की तस्वीर गर्भावस्था से पहले के बदलावों से भी जुड़ी है। एनएफएचएस-6 के अनुसार 20-24 वर्ष की महिलाओं में 18 वर्ष से पहले विवाह का अनुपात 40.8 प्रतिशत से घटकर 34.6 प्रतिशत हुआ है।

फाइलेरिया मरीजों के दिव्यांगता प्रमाणपत्र के लिए सीएचसी, धनरुआ में लगा जांच शिविर 5 फाइलेरिया मरीजों की यूडीआईडी कार्ड के लिए प्रभावित अंग की हुई जांच

- **धनरुआ प्रखंड में अभी तक कुल 6 फाइलेरिया मरीजों का यूडीआईडी कार्ड बना**

प्रातः किरण संवाददाता

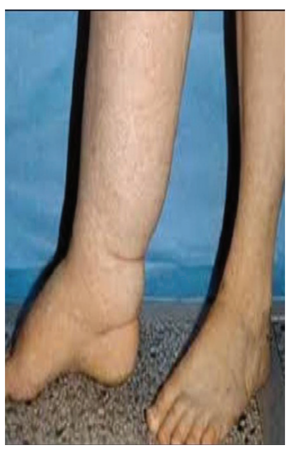

पटना । फाइलेरिया मरीजों के दिव्यांगता प्रमाणपत्र के लिए मंगलवार को धनरुआ प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धनरुआ पर फाइलेरिया मरीजों के प्रभावित अंगों की जांच व प्रतिशतता के लिए शिविर लगाया गया। विकलांगता शिविर में प्रखंड के आयुष्मान आरोग्य मंदिर, बरनी से कुल 5 फाइलेरिया मरीज अपने प्रभावित अंगों की जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, धनरुआ पहुंचे। इस दौरान एमओआईसी डॉ. पंकज कुमार भूषण ने स्वयं सभी फाइलेरिया मरीजों के प्रभावित अंगों की जांच कर सूजन के स्टेज के आधार पर प्रतिशतता प्रदान की। डॉ. पंकज कुमार भूषण ने बताया कि राज्य सरकार फाइलेरिया मरीजों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनाने की दिशा में सार्थक पहल शुरू की है। इसी मुहिम के तहत मंगलवार को सीएचसी पर बरनी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के 5 फाइलेरिया मरीजों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए स्क्रीनिंग की गयी। उन्होंने कहा कि शिविर में पहुंचे सभी फाइलेरिया मरीजों के प्रभावित अंगों की स्टेज की जांच की गयी। उसके बाद मेडिकल टीम के द्वारा जांच-पड़ताल के बाद बीमारी के स्टेज के अनुसार दिव्यांगता प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीएचसी के अंतर्गत अभी तक कुल छह फाइलेरिया मरीजों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बन गया है।

घातक व लाइलाज है फाइलेरिया बीमारी

इस संबंध में यूडीआईडी के इंचार्ज नीरज कुमार ने कहा कि फाइलेरिया बीमारी पूर्णतः ठीक नहीं हो पाता है। यह बीमारी घातक व लाइलाज है। इस बीमारी से राहत पाने के लिए नियमित व्यायाम और एमएमडीपी किट के माध्यम से घर पर ही दो बार अपने प्रभावित अंगों की साफ-सफाई करनी होगी। इससे फाइलेरिया पीड़ित व्यक्ति को बीमारी से थोड़ी राहत मिलेगी। मौके पर मौजूद बीसीएम सुबोध कुमार ने कहा कि एमएमडीपी प्रशिक्षण से काफी हद तक हाथीपांव के सूजन को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए फाइलेरिया मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक लाने में सीफार संस्था की भूमिका काफी सराहनीय रही। साथ ही फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में सिफार के माध्यम से किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम काफी असरदार साबित हो रहा है।

बीसीएम सुबोध कुमार ने कहा कि धनरुआ प्रखंड के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर पीएसपी गठन के बाद फाइलेरिया बीमारी के उन्मूलन के प्रति आम जनता के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि भी काफी जागरूक हुए हैं। इसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। जांच शिविर में स्वास्थ्य कर्मी सिफार के प्रोजेक्ट एसोसिएट विकास चौहान,फाइलेरिया मरीज शांति देवी, मानवी कुमारी, राधा देवी,किरण देवी और श्यामपरी देवी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

ई-शिक्षाकोष पोर्टल से किसी शिक्षक का बायोडाटा गायब नहीं हुआ : शिक्षा विभाग

➤ **58,749 शिक्षकों का प्रोफाइल अपडेट होना बाकी**

➤ **विभाग ने तीन बार पत्र लिख जिलों को प्रोफाइल अपडेट करने का दिया था निर्देश**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, 01 सितम्बर। शिक्षा विभाग ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि राज्य के किसी भी शिक्षक का बायोडाटा गायब नहीं हुआ है। 58 हजार से अधिक शिक्षकों का ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर प्रोफाइल अपडेट नहीं हुआ है। दैनिक भास्कर समाचार पत्र में प्रकाशित ह्यई-शिक्षाकोष पर संकट : बिहार के 52 हजार शिक्षकों का बायोडाटा गायब हुआ, ट्रांसफर और वेतन वृद्धि पर लगा ब्रेकह्ण शीर्षक से छपी खबर तथ्यात्मक रूप से सही प्रतीत नहीं होती है।विभाग के अनुसार, राज्य में कुल 5,79,214 कार्यरत शिक्षक हैं। इनमें से 5,20,465 शिक्षकों का प्रोफाइल ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अद्यतन किया जा चुका है। शेष 58,749 शिक्षकों का प्रोफाइल अद्यतन होना बाकी है। इसका अर्थ यह नहीं है कि इन शिक्षकों का बायोडाटा पोर्टल से गायब हो गया है।

शिक्षकों के प्रोफाइल को अद्यतन करने के संबंध में शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व में ही सभी जिलों को निर्देश जारी किए गए थे। विभागीय पत्रांक संख्या 1608, दिनांक 08.05.2026 एवं पत्रांक संख्या 1759, दिनांक 29.05.2026 के माध्यम से सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों (स्थापना) को शिक्षकों के प्रोफाइल को अद्यतन करने का निर्देश दिया गया था।

इन निदेशों में यह भी स्पष्ट किया गया था कि हर शिक्षक खुद ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर उपलब्ध अपने प्रोफाइल की जांच करें। यदि किसी प्रकार की गलती मिलती है, तो संबंधित जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) को लिखित आवेदन देकर उसमें सुधार कराया जाए।

इसके बाद विभागीय पत्रांक संख्या 2450, दिनांक 19.08.2026 के माध्यम से सभी जिलों को पुनः निर्देश दिया गया कि 28.08.2026 तक शिक्षकों के प्रोफाइल को अद्यतन किया जाए।विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रोफाइल के अद्यतन की प्रक्रिया विभागीय स्तर पर लगातार जारी है और संबंधित जिलों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है।

सब-जूनियर राज्य स्तरीय थ्रोबॉल चैंपियनशिप में मोरल डेवलपमेंट पब्लिक स्कूल बना चैंपियन

- **बालिका वर्ग में बीडीएस पब्लिक स्कूल ने जीता खिताब**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना :- जिले के किदवईपुरी स्थित पी एंड टी कॉलोनी में आयोजित सब-जूनियर राज्य स्तरीय थ्रोबॉल चैंपियनशिप का शानदार समापन हुआ। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग की टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल एवं अनुशासन का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में मोरल डेवलपमेंट पब्लिक स्कूल, आरा रोड, बिहटा, पटना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं बीडीएस पब्लिक स्कूल, मदरपुर, सिवान की टीम उपविजेता रही। माउंट लिटेरा जी स्कूल, दानापुर तथा कुर्मा संस्कृत स्कूल, गोड़िहा, जहानाबाद की टीम संयुक्त रूप से द्वितीय उपविजेता रही। बालक वर्ग में प्रतियोगिता में शामिल विद्यालयों में माउंट लिटेरा जी स्कूल, दानापुर, कुर्मा संस्कृत स्कूल, गोड़िहा, जहानाबाद, बीडीएस पब्लिक स्कूल, मदरपुर, सिवान तथा मोरल डेवलपमेंट पब्लिक स्कूल, आरा रोड, बिहटा, पटना प्रमुख रहे। वहीं बालिका वर्ग में बीडीएस पब्लिक स्कूल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि लिट्रा वैली की टीम उपविजेता रही।बालिक वर्ग में फाइनल में बी डी एस पब्लिक स्कूल ने माउंट लिटर जी स्कूल को पहले सेट में 25- 12 से और दूसरे सेट में 25-18 से हराकर विजेता रही। वहीं बालक वर्ग में मोरल डेवलपमेंट पब्लिक स्कूल ने बीडीएस पब्लिक स्कूल को पहले सेट में 25-10 और दूसरे सेट में 25-16 से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के संयोजक सतीश राजू ने विजेता खिलाडियों को सम्मानित किया` मौके पर ऑल बिहार स्टेट थ्रोबॉल एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष सुमित श्रीवास्तव, महासचिव संजीव कुमार तथा वैशाली जिला थ्रोबॉल एसोसिएशन के सचिव हरि शंकर, कंचन कुमारी, विकास सिंह, डा अभिराम शर्मा और मोहित श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

बिहार की शिक्षा को नई ऊंचाई देने में भागीदार बनें बैंक : मिथिलेश तिवारी

➤ **बोले-विद्यालयों को गोद लें, सीएसआर फंड से आधारभूत सुविधाओं के विकास में करें सहयोग**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने मंगलवार को बैंक प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में शिक्षा के क्षेत्र में बैंकों की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंक राज्य के विद्यालयों को गोद लेकर उनके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बैंकों के सहयोग से विद्यालयों को सशक्त, आधुनिक और गौरवशाली बनाया जा सकता है।

विकास भवन स्थित सभागार में हुई बैठक में शिक्षा मंत्री ने कहा कि बैंक अपने सीएसआर फंड का अधिक से अधिक उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में करें। सामाजिक जिम्मेदारी के तहत इस राशि से विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा सकता है। उन्होंने बैंक प्रतिनिधियों से अपील की कि वे विद्यालयों में कंप्यूटर, शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करें।

तिवारी ने कहा कि राज्य में 5,000 नए विद्यालय खोले जाने हैं। साथ ही हर प्रमंडल में समेकित विद्यालय विकसित किए जाने की योजना है। एक समेकित विद्यालय पर लगभग 30 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यदि बैंक शिक्षा के विकास को अपना संकल्प बना लें तो बिहार की शिक्षा व्यवस्था को नई ऊंचाई देने में कोई बाधा नहीं आएगी।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि विद्यालयों के विकास में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ह्यमेरा विद्यालय-मेरा स्वाभिमान पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र, एनआरआई और अन्य इच्छुक लोग अपने विद्यालय से जुड़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से लोग विद्यालय के विकास के लिए सुझाव दे सकते हैं और आर्थिक अथवा अन्य प्रकार का योगदान कर सकते हैं। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कंप्यूटर दान करने, शौचालय निर्माण कराने और विद्यालय की अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सहयोग किया जा सकता है।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि शिक्षा विभाग जल्द ही राज्य शिक्षा समिति का गठन करेगा। इसका उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न संस्थाओं और समाज की भागीदारी को और अधिक प्रभावी बनाना होगा।बैठक में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष त्यागराजन एस. एम. ने ह्यमेरा विद्यालय-मेरा स्वाभिमान पोर्टल के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी।

डिम्पी गर्ग बने पूर्व मध्य रेल के नए महाप्रबंधक

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर। डिम्पी गर्ग ने पूर्व मध्य रेल के नए महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है ।इसके पूर्व आप उत्तर रेलवे, नई दिल्ली में प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता के पद पर पदस्थापित थे । डिम्पी गर्ग भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवाह्यह्य के 1990 बैच के एक ख्याति प्राप्त अधिकारी हैं ।श्री गर्ग स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसशिप के द्वारा भारतीय रेल सेवा में आए ।वे अपने बैच के टॉपर और गोल्ड मेडलिस्ट थे। 32 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, श्री गर्ग ने भारतीय रेलवे के बुनियादी ढांचे के निर्माण, रोलिंग स्टॉक, परिचालन, संरक्षा, प्लानिंग एवं पॉलिसी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपने उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर, अपर मंडल रेल प्रबंधक तथा मंडल रेल प्रबंधक के साथ ही उत्तर रेलवे, मुख्यालय में प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी तथा प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के रूप में भी कार्य किया है। आपने आरवीएनएल में अपर महाप्रबंधक तथा रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक/कोचिंग तथा कार्यकारी निदेशक/संरक्षा जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं ।आपको परियोजना निष्पादन और रेलवे इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता के लिए विभिन्न स्तरों पर कई पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव हासिल है ।वर्ष 2001 में सीडीओ/मुंबई सेंट्रल के तौर पर कार्य करते हुए आपने मुंबई सेंट्रल कोचिंग डिपो को पूरी तरह से बेहतर बनाने और आईएसओ 9002 सर्टिफिकेशन प्राप्त करने वाला भारतीय रेलवे का पहला कोचिंग डिपो बनाने में आपके उल्लेखनीय योगदान के लिए जीएम एवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2007 में, रेलवे बोर्ड में डायरेक्टर प्लानिंग (एमई) के तौर पर काम करते हुए, रोलिंग स्टॉक की जरूरतों के असेसमेंट और वार्षिक योजना बनाने में उत्कृष्ट योगदान के लिए आपको रेल मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया । आपने ईरमी, जमालपुर से यांत्रिक इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त किया है।

सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर जिला अंतर्गत चल रही विकासात्मक एवं लोक कल्याण कारी योजनाओं को दें गति :डीएम

- **योजनाओं के क्रियान्वयन में समन्वय, अनुश्रवण एवं गुणवत्ता पर विशेष जोर**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, 01 सितंबर।जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार ने जिले में संचालित सभी विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ निरंतर अनुश्रवण एवं समीक्षा करते रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को तत्परता से दूर करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी योजनाएँ निर्धारित समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण हों तथा उनका अपेक्षित लाभ आम जन तक पहुँचे।साप्ताहिक समन्वय समिति की बैठक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने उक्त बातें कही.

उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर कठिनाई आने पर संबंधित पदाधिकारी तत्काल अपने वरीय पदाधिकारी को इसकी जानकारी दें। आपसी समन्वय से समस्या का समाधान करते हुए योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को योजनाओं से संबंधित विभिन्न इंडिकेटर्स पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया, ताकि पटना जिले की रैंकिंग में निरंतर एवं उत्तरोत्तर सुधार हो।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि आम जन की समस्याओं का ससमय, संवेदनशीलता एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से निराकरण जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अन्य पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित योजनाओं एवं जिला की प्राथमिकताओं की सूक्ष्मता से समीक्षा करने तथा उनके क्रियान्वयन में प्रभावी योगदान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

न्यायालयीय वादों के त्वरित निष्पादन के लिए माइक्रो प्लान बनाकर काम करें

बैठक में न्यायालयीय वादों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को कोर्ट केसों का गंभीरता एवं सूक्ष्मता से अध्ययन करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप उनका निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

समीक्षा में पाया गया कि जिला स्तर पर वर्तमान में उहखउ के 400, टखउ के 40 एवं छढअ के 7 मामले लंबित हैं। न्यायालीय वादों से संबंधित पटना सदर अनुमंडल में 62 मामले लंबित पाए गए। जिनमे से इस सप्ताह केवल 2 मामलों का निष्पादन किया गया।पटना सिटी अनुमंडल में 84 मामले लंबित हैं, जिनमें से विगत सप्ताह 2 मामलों का निष्पादन किया गया। मसौढ़ी अनुमंडल में 12 मामले लंबित पाए गए, जबकि विगत सप्ताह एक भी मामले का निष्पादन नहीं हुआ। बाढ़ अनुमंडल में 21 लंबित मामलों में से 3 का निष्पादन किया गया। दानापुर अनुमंडल में 56 मामलों में से 3 का निष्पादन हुआ। वहीं पालीगंज अनुमंडल में 21 मामले लंबित पाए गए, जिनमें विगत सप्ताह किसी भी मामले का निष्पादन नहीं हुआ।

जिलाधिकारी ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों का सूक्ष्मता से अध्ययन एवं समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप निष्पादन सुनिश्चित करें।

विभिन्न जिला स्तरीय कार्यालयों में भी विभिन्न न्यायालयों से संबंधित के 161 मामले लंबित पाए गए. जिलाधिकारी ने इन सभी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर गंभीरता एवं सूक्ष्मता से निष्पादित कराने का निर्देश दिया।उन्होंने सभी वरीय पदाधिकारियों को न्यायालयीय वादों से संबंधित र३ ३ील्ल३ की स्वयं बारीकी से जाँच करने तथा लंबित मामलों के निष्पादन के लिए माइक्रो प्लान तैयार करने का निर्देश दिया। माइक्रो प्लान में अर्जेंट एवं महत्वपूर्ण मामलों को प्राथमिकता देते हुए उनका शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देश दिया कि जिला अंतर्गत लंबित सभी टखउ के मामलों के निष्पादन पर विशेष ध्यान दें.जिलाधिकारी ने लोक शिकायतों एवं सहयोग पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का पूरी संवेदनशीलता एवं गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए आवेदकों को गुणवत्तापूर्ण समाधान उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने मुख्यमंत्री विद्यार्थी सहयोग शिविर में प्राप्त मामलों के निष्पादन पर भी विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया, ताकि विद्यार्थियों से संबंधित समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके।

बैठक में जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र (ऊफउ) के अंतर्गत संचालित स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता भत्ता एवं कुशल युवा कार्यक्रम सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को इन योजनाओं का प्रभावी एवं सही तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जिससे की विद्यार्थियों एवं युवा वर्ग को सुगमता से अधिक से अधिक लाभ मिल सके.

नगर परिषद में वित्तीय कारणों से बढ़ रही परेशानी

दानापुर नगर के अंतर्गत नगर परिषद दानापुर में वित्तीय कारणों से दिन प्रतिदिन परेशानी बढ़ती जा रही है जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के गुस्से का कोप भाजन अधिकारी व कर्मचारियों को बनना पड़ रहा है। वार्ड 21 में झखड़ी महादेव रोड में स्थित रविवार को बोरिंग का बिजली मीटर स्मार्ट मीटर रिचार्ज नहीं होने से बिजली आपूर्ति बंद हो गया। निवर्तमान पार्षद शशि कुमारी ने दो हजार रुपए देकर मीटर रिचार्ज कराया,तब जाकर पेयजल आपूर्ति हो रही है।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

सं. डी.एन.आर./एस.एण्ड टी./सिग/2026/15
दानापुर **दि. 27.08.2026**

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूर संचार) पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर मंडल, निम्नलिखित कार्य हेतु रेलवे के वेबसाइट पर निविदाएं आमंत्रित करते हैं:–।

1. कार्य का नाम एवं स्थान : दानापुर डिवीजन के विभिन्न LC गेट और IB गुमटी के रिले रूम में RDSO से मंजूर एस्पिरेशन टाइप फायर अलार्म सिस्टम (AFDAS) लगाने हेतु कार्य। **2. अनुमानित लागत :–** रूपये 84746235.00, **3. बयाना राशि :** रूपये 1694900.00, **4. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 18.09.2026 को 15:00 बजे तक। **5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** दिनांक 18.09.2026 को 15:00 बजे। **6. वेबसाइट विवरण : www.ireps.gov.in, 7. कार्यालय का पता जहाँ से निविदा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है :** वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता कार्यालय, दानापुर

नोट : विवाद की स्थिति में अंग्रेजी नोटिस मान्य होगा। यदि जरुरत हुई तो शुद्धि पत्र उपरोक्त वेब साइट पर 14 दिन पहले अपलोड कर दिया जाएगा।

स० सं० एवं दूर सं० अभि०
पूर्व मध्य रेल, दानापुर
पीआर/0833/डीएनआर/एस&टी/टी/26–27/36

सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराना विभाग की प्राथमिकता: दिलीप

तालाब, पोखर, आहर और पईन की पहचान कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होगी तेज

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की तरफ से मंगलवार को राजस्व सर्वे (प्रशिक्षण) संस्थान में जल-जीवन-हरियाली दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं यथा-तालाबों, पोखरों, आहरों एवं पईनों को चिन्हित कर अतिक्रमण मुक्त करानाह्व विषय पर विस्तृत परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं की पहचान कर उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तालाब, पोखर, आहर और पईन जैसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक जल संरचनाएं पर्यावरण संरक्षण, भू-जल स्तर को बनाए रखने तथा आम लोगों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। राजस्व मंत्री ने कहा कि जल स्रोतों और सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण गंभीर विषय है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ऐसे मामलों में प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करेगा और चिन्हित अतिक्रमणों को हटाने की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने इस कार्य में लगे सभी 15 विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों को और बेहतर तरीके से करने के लिए टीम के अन्य सदस्यों से उनके विचार जाना। माननीय मंत्री ने कहा कि इस दिशा में हम सभी को आगे की सोच के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सोच से ये अभियान

धरती पर उतरा। इसका परिणाम भी सामने है। आज हरित पट्टी और जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराने में सकारात्मक परिणाम मिला है।

इस अवसर पर विभाग के सचिव जय सिंह ने कहा कि सार्वजनिक जल निकायों को अतिक्रमण मुक्त कराने के कार्य की प्रभावी निगरानी के लिए विभाग अलग सेल बनाकर मॉनिटरिंग करेगा। उन्होंने कहा कि तालाबों, पोखरों, आहरों और पईनों सहित अन्य सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं की पहचान और उनके संरक्षण के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

श्री जय सिंह ने कहा कि जल निकाय केवल प्राकृतिक संसाधन ही नहीं, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। इसलिए इन संरचनाओं को संरक्षित रखना और अवैध अतिक्रमण से मुक्त कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से इस दिशा में गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में जल-जीवन-हरियाली अभियान के उद्देश्यों तथा सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं के संरक्षण और पुनर्जीवन के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर सचिव सीमा त्रिपाठी, भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के निदेशक सुहर्ष भगत, मिशन निदेशक (जल-जीवन-हरियाली) सुमित कुमार समेत विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

जल्द ही मोबाइल पर दिखेगी खरीफ फसलों की स्थिति ढाई करोड़ से अधिक प्लॉट का हो रहा डिजिटल क्रॉप सर्वे

- 30 सितंबर तक सर्वे पूरा करने का है लक्ष्य, फसलों की होगी रियल-टाइम मॉनिटरिंग

प्रातः किरण संवाददाता

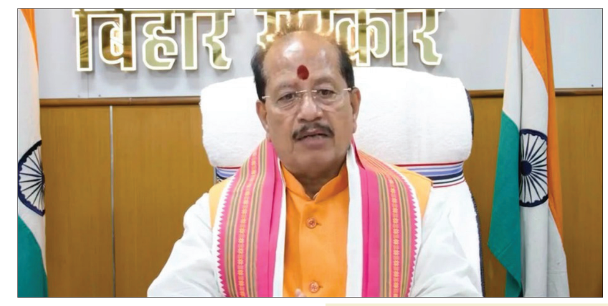

पटना।बिहार की कृषि अब तेजी से डिजिटल क्रांति की ओर बढ़ रही है। राज्य के सभी 38 जिलों में शारदीय यानी खरीफ 2026 के लिए डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है।

कृषि विभाग के अनुसार, यह सर्वे 13 अगस्त से शुरू हुआ है और 30 सितंबर तक चलेगा। इस वर्ष खरीफ सीजन में 2 करोड़ 62 लाख 84 हजार 716 (लगभग ढाई करोड़ से अधिक) प्लॉट के सर्वे का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से अब तक करीब 41 लाख प्लॉट का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा चुका है। जल्द ही किसान अपने मोबाइल पर ही खरीफ फसलों की स्थिति देख सकेंगे। आधुनिक तकनीक के माध्यम से खेती और फसलों से जुड़ी जानकारी को डिजिटल रूप से दर्ज किया जा रहा है। सभी जिलों में कृषि समन्वयक, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक और किसान सलाहकार सक्रिय रूप से फील्ड में जुटे हैं।

इस अभियान के तहत मोबाइल ऐप से खेत, फसल और उसकी जियो-टैग्ड तस्वीर सहित पूरा डिजिटल रिकॉर्ड तैयार हो रहा है। इससे यह सटीक जानकारी मिलेगी कि किस किसान के किस खेत में कौन-सी फसल लगी है। सर्वे में धान सहित खरीफ की मुख्य फसलों के साथ-साथ बागवानी फसलों और एक माह से अधिक समय पहले रोपी गई फसलों को भी शामिल किया गया है।

सर्वे की गुणवत्ता के लिए 14 अगस्त से मुख्यालय स्तर के अधिकारी नियमित निगरानी कर रहे हैं। जिलों में रैंडम फील्ड विजिट और दैनिक-साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट के माध्यम से लगातार समीक्षा की जा रही है।

> डिजिटल क्रॉप सर्वे कृषि क्षेत्र में तकनीकी बदलाव और पारदर्शिता लाने का एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे किसानों को रियल टाइम में कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सकेगा। डिजिटल क्रॉप सर्वे के आधार पर मौसमवार एवं फसलवार आच्छादन, उत्पादन और उत्पादकता का पूर्वानुमान लगाया जा सकेगा। यह बिहार की कृषि को डेटा-आधारित, पारदर्शी और आधुनिक बनाने में मदद करेगा।
>
> **श्री विजय कुमार सिन्हा, कृषि मंत्री, बिहार सरकार**

बिहार राज्य शिक्षा सेवक/शिक्षा सेवक तालिमी मरकज संघ के प्रतिनिधिमंडल ने नीतीश कुमार से की मुलाकात

पटना। बिहार राज्य शिक्षा सेवक, शिक्षा सेवक तालिमी मरकज संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी विभिन्न समस्याओं/मांगों को लेकर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री, बिहार एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार से मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने नीतीश कुमार से अनुरोध किया है कि मानदेय का समय से भुगतान, प्रशिक्षण की व्यवस्था, प्रखंड स्तर पर स्थानांतरण की सुविधा, बीमा की सुविधा, अनुकंपा का प्रावधान, शिक्षा सेवक/शिक्षा सेवक तालिमी मरकज के मानदेय में बढ़ोत्तरी एवं सेवा-सुविधाओं में सुधार, शिक्षा संबंधी कार्यों एवं पाठ्यक्रम के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश, पोर्टल ई-लर्निंग एवं अन्य ऑनलाईन अपडेट की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अनुरोध-पत्र देकर आभार व्यक्त करते हुये कहा की सीमित संसाधनों एवं आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद शिक्षा सेवक राज्य में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा वंचित एवं अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

चिराग पासवान को धमकी देने वाले आतंकियों की अविलंब गिरफ्तारी हो : राजेश भट्ट

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को पत्र के माध्यम से आतंकियों द्वारा मिली धमकी को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राजेश भट्ट ने देश के गृह मंत्री अमित शाह से धमकी देने वाले आतंकवादियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है और उनपर कानून सम्मत कार्रवाई करते हुए कठोर से कठोर सजा की मांग की है ' डॉ भट्ट ने कहा कि इससे पूर्व भी विगत वर्ष बिहार की महिला पत्रकार के सोशल मीडिया के माध्यम से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी जिस पर मैंने साइबर थाना, पटना मे प्राथमिकी दर्ज कराया और चौबीस घंटे के अंदर बिहार पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त घटना में संलिप्त अपराधी की बिहार के समस्तीपुर से गिरफ्तारी की गई थी ' इस मामले को बीते अभी एक वर्ष भी नहीं हुए कि पुनः आतंकवादियों द्वारा उन्हें धमकी मिली जो बेहद चिंता का विषय है ' जिस पर गंभीरता से कार्रवाई करने की आवश्यकता है ' डॉ राजेश भट्ट ने देश के गृह मंत्री अमित शाह से युवा एवं लोकप्रिय नेता चिराग पासवान की सुरक्षा को चाक -चौबंद और सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है और इस घटना में संलिप्त दोषी अपराधियो की अविलंब गिरफ्तारी करते हुए उनपर कठोर से कठोर सजा देने की मांग की है, जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो ।

जीडीपी के आंकड़ों ने विपक्ष के नकारात्मक नैरेटिव की पोल खोल दी: रूंगटा

पटना। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुरेश रूंगटा ने कहा कि वित्त वर्ष-2026-27 की पहली तिमाही में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा है, जो पूरे विश्व में सबसे उच्चतम स्तर पर है। यह सिर्फ एक आकड़ा नहीं, बल्कि भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद और तेज विकास की साफ तस्वीर है।

रैयाम और सकरी में नई सहकारी चीनी मिलों की स्थापना तय समय-सीमा में पूरी हो: रामकृपाल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित करने और कृषि-आधारित उद्योगों को नई गति देने के लिए राज्य सरकार तेजी से प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने मंगलवार को विकास भवन स्थित अपने कक्ष में सहकारी चीनी मिल परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को रैयाम और सकरी में नई सहकारी चीनी मिलों की स्थापना तय समय-सीमा में पूरी करने का निर्देश दिया। सात निश्चय-3 के अंतर्गत समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार के लक्ष्य के तहत दरभंगा के रैयाम और मधुबनी के सकरी में नई सहकारी चीनी मिलों की स्थापना पर काम चल रहा है। बैठक में दोनों प्रस्तावित मिलों के विस्तृत

परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर), वित्तीय प्रावधान, किसान सदस्यता अभियान, इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) के साथ प्रस्तावित समझौता ज्ञापन (एमओयू) तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। ये परियोजनाएं केवल चीनी उत्पादन तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि इन्हें एकीकृत कृषि-आधारित औद्योगिक मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि आईपीएल के साथ एमओयू का प्रारूप तैयार कर माननीय मंत्री का अनुमोदन प्राप्त कर लिया गया है और अनुमोदित प्रारूप सहमति के लिए आईपीएल को भेजा जा चुका है। रैयाम एवं सकरी मिलों की भूमि को 30 वर्षों के पट्टे पर आईपीएल को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया भी प्रगति पर है। दोनों नई सहकारी चीनी मिलों की कुल अनुमानित लागत 852.43 करोड़ रुपये है। इसमें रैयाम परियोजना की लागत 504.67 करोड़ रुपये तथा सकरी परियोजना की लागत 347.76 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं से गन्ना उत्पादन, कृषि सेवाओं, परिवहन और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

किसान भागीदारी पर विशेष जोर

मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि इन परियोजनाओं की सफलता का मुख्य आधार किसानों की सक्रिय भागीदारी है।

एआई डैशबोर्ड से होगी मॉनिटरिंग, लंबित योजनाओं के लिए बनेगा वर्क प्लान: मंत्री

नगर विकास एवं आवास विभाग मंत्री ने की समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि शहरी विकास से जुड़ी परियोजनाओं का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य पूरा करना नहीं, बल्कि निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण और टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण सुनिश्चित करना है। नगर विकास मंत्री सोमवार को बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) के कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बुडको के प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार पराशर ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज सिस्टम, मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना, नमामि गंगे तथा जलापूर्ति योजनाओं सहित विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। मंत्री ने निर्देश दिया कि जिन जिलों में परियोजनाएं लंबित हैं, उनके लिए जिला एवं परियोजना-वार विस्तृत वर्क प्लान तैयार किया जाए। संबंधित एजेंसियों द्वारा कार्य पूर्ण करने की स्पष्ट कार्ययोजना प्रस्तुत की जाए तथा बुडको की टीम यह सुनिश्चित करे कि कार्य निर्धारित वर्क प्लान के अनुरूप आगे बढ़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री समग्र शहरी विकास योजना (एमएमएसवाई) के अंतर्गत चल रहे कार्यों की भी समीक्षा की एवं नियमित मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया। लंबित कार्यों की जीएमध्सीजीएम स्तर पर नियमित समीक्षा कर उनके शीघ्र निष्पादन की कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री ने निर्देश दिया कि बुडको की पाइपलाइन में चल रही योजनाओं को वर्तमान वित्तीय वर्ष के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। इसके साथ ही टेंडर, कार्य आवंटन एवं अन्य प्रक्रियाओं को अनावश्यक विलंब के बिना निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में गुणवत्ता, बेहतर फिनिशिंग और निर्धारित समय-सीमा-तीनों को समान महत्व दिया जाए। निर्माण कार्यों में किसी भी स्तर पर गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

मंत्री ने सभी निर्माण स्थलों पर कंस्ट्रक्शन प्रोटोकॉल, नियमित मॉनिटरिंग, ग्रीन नेट एवं बैरिकेडिंग की अनिवार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा इसके लिए विशेष मॉनिटरिंग टीम गठित करने का निर्देश दिया।

श्री नीतीश मिश्रा ने बुडको के कार्यों में तकनीक के व्यापक उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम एवं ई-ऑफिस प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। इंजीनियरों एवं संवेदकों के लिए ऑनलाइन सिस्टम को सरल एवं यूजर फ्रेंडली बनाया जाए।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को मिली जान से मारने की धमकी गृह मंत्रालय से तत्काल जांच एवं सुरक्षा की समीक्षा का अनुरोध

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को जान से मारने की धमकी मिलने का गंभीर मामला सामने आया है। मंत्रालय को प्राप्त एक हस्ताक्षरविहीन संचार में दो मोबाइल नंबरों का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जी को धमकी दी गई है। उक्त संदेश में उन्हें हार्डकोर आतंकियों द्वारा जल्द ही मार दिए जाने की धमकी दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के अतिरिक्त निजी सचिव आलोक कुमार सिंह ने 01 सितंबर 2026 को केंद्रीय गृह सचिव, भारत सरकार को पत्र भेजकर इस मामले में तत्काल एवं गहन जांच कराने का अनुरोध किया है।पत्र में धमकी भरे संदेश के स्रोत, उसकी वास्तविकता एवं परिस्थितियों की जांच शीघ्र शुरू करने तथा केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यकता के अनुसार उसे और मजबूत करने का अनुरोध किया गया है। पत्र में विशेष रूप से कहा गया है कि केंद्रीय मंत्री वर्तमान में गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान की जा रही '-श्रेणी की सुरक्षा के अंतर्गत हैं। ऐसे में प्राप्त धमकी को गंभीरता से लेते हुए उनकी सुरक्षा और आगामी सार्वजनिक कार्यक्रमों को ध्यान में रखकर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है।लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस घटना को अत्यंत गंभीरता से लेती है और केंद्र सरकार से मांग करती है कि धमकी के स्रोत का शीघ्र पता लगाकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा आदरणीय श्री चिराग पासवान जी की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न हो।उकत आशय की जानकारी मीडिया प्रभारी निशांत मिश्रा ने दी ।

बिहार की शिक्षा व्यवस्था बदहाल, वित्तरहित शिक्षकों की तुरंत सुध ले सरकार : राजेश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने मंगलवार को सदाकत आश्रम में आयोजित विशेष प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राज्य की बदहाल शिक्षा व्यवस्था और हजारों वित्तरहित शिक्षकों की लगातार हो रही अनदेखी को लेकर बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार की उदासीनता के कारण बिहार की शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है और वित्तरहित शिक्षक वर्षों से अपनी जायज मांगों के लिए संघर्ष करने को मजबूर हैं। राजेश राम ने बिहार सरकार से मांग की कि वित्तरहित शिक्षकों का शोषण तत्काल बंद किया जाए, उनकी जायज मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाए और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए ठोस एव कारगर कदम उठाना चाहिए।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष डॉ संजय यादव ने कहा कि वितरहित शिक्षा नीति की समाप्ति एवं तमाम वित्त रहित कॉलेजों के समायोजन के लिए *कांग्रेस सेवा दल का राजव्यापी प्रत्येक जिले में एकदिवसीय धरना 30 जून से अरवल की धरती से शुरू हुआ जो 5 सितंबर पटना गांधी मैदान से पदयात्रा कफन यात्रा के रूप में शहीद स्थल सप्त मूर्ति विधानसभा तक जाकर पूर्ण होगा।

डॉ संजय यादव ने कहा कि यदि 5 सितंबर तक बिहार सरकार मांग नहीं मानती है तो प्रदेश कांग्रेस सेवादल 6 सितंबर से अनिश्चितकाल धरना पटना गर्दनीबाग में शिक्षकों के हितों के लिए किया जाएगा।

7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि नए भारत के आत्मविश्वास और आर्थिक ताकत का प्रमाण : सरावगी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की मजबूत आर्थिक बुनियाद, प्रभावी नीतियों और बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण बताया है। उन्होंने कहा कि जब दुनिया युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट, आपूर्ति-श्रृंखला में व्यवधान और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रही है, तब भारत की अर्थव्यवस्था का 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ना नए भारत की ताकत और आत्मविश्वास को दर्शाता है। सरावगी ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की औसत वृद्धि करीब 3 प्रतिशत के आसपास रहने के बीच भारत ने 7.8 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष, ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक व्यापारिक तनाव जैसी चुनौतियों के बावजूद भारत न रुका और न झुका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी कहा है कि निराशा फैलाने वाले हार गए और भारत फिर खिल उठा। यह उपलब्धि देश की सामूहिक शक्ति का परिणाम है।

सेवा, विनिर्माण और निवेश ने अर्थव्यवस्था को दी नई गति

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भारत की आर्थिक मजबूती किसी एक क्षेत्र पर निर्भर नहीं है। सेवा क्षेत्र में 10 प्रतिशत, विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत और द्वितीयक क्षेत्र में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सकल स्थायी पूंजी निर्माण में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि भविष्य की उत्पादन क्षमता के मजबूत होने का संकेत है। निजी खपत में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि से घरेलू मांग की मजबूती स्पष्ट होती है। सेवा क्षेत्र के भीतर सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय और पेशेवर सेवाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

हम न किसी को फंसाते हैं और न किसी को बचाते हैं : लखींद्र

कहा- आरजेडी प्रखंड उपाध्यक्ष को यूट्यूबर बनाकर तेजस्वी यादव ने किया फजीर्वाड़ा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के मंत्री लखींद्र पासवान ने आरजेडी नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के आरोपों पर पलटवार किया है। तेजस्वी यादव ने मंत्री के विधानसभा क्षेत्र के एक यूट्यूबर पर पुलिस द्वारा फर्जी केस किए जाने का आरोप लगाया था। अब मंत्री ने सफाई देते हुए दावा किया है कि जिसे तेजस्वी यादव यूट्यूबर बता रहे हैं, वह दरअसल आरजेडी के युवा मोर्चा का प्रखंड उपाध्यक्ष है। लखींद्र पासवान ने कहा कि संबंधित व्यक्ति का नाम कुंदन कुमार है और पुलिस ने उसके घर से हथियार बरामद किया है। मंत्री ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव कुंदन कुमार को यूट्यूबर बताकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री ने दावा किया कि कुंदन कुमार के खिलाफ वर्ष 2025 में भी एक लड़की से अभद्रता के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा कि कुंदन क्षेत्र में दबंगई करता है और लोगों को डराने-धमकाने का काम करता है। लखींद्र पासवान ने कहा कि पुलिस ने कुंदन कुमार के घर से हथियार बरामद किया है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि कार्रवाई के दौरान पुलिस से एक गलती हुई। उनके मुताबिक, घर से जब्त हथियार की सीजर लिस्ट पर कुंदन कुमार का हस्ताक्षर नहीं लिया गया। मंत्री ने कहा कि पुलिस अपने स्तर से इस मामले की जांच कर रही है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि पुलिस की कार्रवाई में उनका कोई हस्तक्षेप नहीं है। उन्होंने कहा, हम न किसी को फंसाते हैं और न किसी को बचाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस ने किसी मामले में कार्रवाई की है तो उसकी जांच पुलिस अपने स्तर पर करेगी। मंत्री ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए वे झूठ की राजनीति कर रहे हैं। लखींद्र पासवान ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव अपने ही दल के कार्यकर्ता को यूट्यूबर बताकर उनके खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।लखींद्र पासवान ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए और पूरे मामले की जांच कानून के मुताबिक होनी चाहिए।

बिहार को पुलिस राज्य बनाने की कोशिश, किसी भी कीमत पर राजद नहीं करेगा स्वीकार : तेजस्वी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को एनडीए सरकार पर बिहार में पुलिसिया अत्याचार बढ़ने और आरक्षण के मुद्दे पर पिछड़े, दलित एवं वंचित वर्गों के साथ न्याय नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बिहार को पुलिस राज्य बनाने की कोशिश की जा रही है, जिसे राजद किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगा।

पटना में आयोजित प्रेस वार्ता में तेजस्वी यादव ने वैशाली के एक पत्रकार का मामला उठाते हुए आरोप लगाया कि जनसमस्याओं और बदहाल सड़कों को लेकर सवाल उठाने के कारण उन्हें पुलिस प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। प्रेस वार्ता में उपस्थित पीड़ित पत्रकार ने आरोप लगाया कि 29 अगस्त की देर रात थाना प्रभारी राकेश कुमार पुलिस बल के साथ उनके घर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर अंदर घुस गए। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने उन पर रिवाल्वर तान दी और उनकी मां, बहन तथा भाई के साथ अभद्रता और मारपीट की। इसके बाद उन्हें जबरन थाने ले जाया गया और रात में दूसरे थाने भेज दिया गया। पत्रकार के मुताबिक, अगले दिन सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों ने उन पर अलग-अलग मामलों में संलिप्तता स्वीकार करने का दबाव बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि हत्या के मामले में कबूलनामा कराने तथा उनके घर से देसी कट्टा और कारतूस बरामद होने की बात स्वीकार करने के लिए उन्हें बुरी तरह पीटा गया। उन्होंने किसी भी आरोप को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उन्होंने दावा किया कि बाद में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर अदालत में पेश किया गया, लेकिन गिरफ्तारी और बरामदगी से जुड़े पुलिस के साक्ष्यों पर सवाल उठे। अदालत ने उन्हें बंधपत्र पर रिहा करने का आदेश दिया तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि पूरी कार्रवाई स्थानीय विधायक और बिहार सरकार के मंत्री लखेंद्र पासवान के दबाव में की गई। उन्होंने कहा कि दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो राजद वैशाली बंद कराने के लिए मजबूर होगा। प्रेस वार्ता के दूसरे हिस्से में तेजस्वी यादव ने आरक्षण का मुद्दा उठाते हुए एनडीए के सहयोगी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जीतन राम मांझी, चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा और जनता दल यूनाइटेड के नेता आरक्षण का राजनीतिक लाभ तो लेते हैं, लेकिन आरक्षण के संरक्षण और विस्तार के समय चुप्पी साध लेते हैं। तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन सरकार के दौरान जातीय गणना कराकर आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 75 प्रतिशत की गई थी और इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की गई थी।

संक्षिप्त खबरें

डिलीवरी बॉय से लूटकांड का दो घंटे में उद्भेदन, दो विधि-विरुद्ध बालक निरुद्ध

मधुबनी। रुद्रपुर एवं फुलपरास थाना पुलिस की संयुक्त त्वरित कार्रवाई में फ्लिपकार्ट डिलीवरी बॉय से हुई लूट का महज दो घंटे में उद्भेदन कर लिया गया। पुलिस ने मामले में दो विधि-विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया है। इनके पास से एक देशी कट्टा, लूटी गई मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं डिलीवरी पार्सल का सामान बरामद किया गया है। वहीं, घटना में शामिल एक फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। जानकारी के अनुसार, 31 अगस्त को दोपहर करीब एक बजे फ्लिपकार्ट डिलीवरी बॉय मनोज मिश्र ग्राम भगवतीपुर से पार्सल की डिलीवरी कर लौट रहे थे। इसी दौरान रुद्रपुर बगीचा नहर के पास एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात अपराधियों ने हथियार के बल पर उनकी मोटरसाइकिल, मोबाइल, कलेक्शन की नकदी और डिलीवरी पार्सल से भरा बैग लूट लिया। घटना की सूचना मिलने पर रुद्रपुर थाना में मामला दर्ज कर पुलिस ने तत्काल तकनीकी अनुसंधान शुरू किया। पुलिस ने लूटे गए मोबाइल का टावर लोकेशन निकाला, जिसका लोकेशन फुलपरास थाना क्षेत्र के बाराघाट के पास मिला। इसके बाद रुद्रपुर पुलिस ने फुलपरास थाना को सूचना दी। फुलपरास पुलिस ने बाराघाट-एकडारा मार्ग पर घेराबंदी कर एक पंचर दुकान के पास से भागने का प्रयास कर रहे दो विधि-विरुद्ध बालकों को पुलिस अभिरक्षा में ले लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से देशी कट्टा, लूटी गई मोटरसाइकिल, मोबाइल और डिलीवरी पार्सल का सामान बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान दोनों की घटना में संलिप्तता सामने आई। पुलिस के अनुसार, उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल तथा फ्लिपकार्ट/मीशो के अन्य शेष सामान भी बरामद कर लिए गए हैं। बरामद सामान में बोरोसिल बोतल, रबर तार, छोटा पंखा एवं डिलीवरी पन्नी शामिल हैं। पुलिस फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी-बिहार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 50 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

मधुबनी। जयनगर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के एफ समवाय कमला की सीमा चौकी बेतौन्हा तथा बिहार पुलिस जयनगर की संयुक्त विशेष गश्ती टीम ने आसूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 50 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर जैसा नशीला पदार्थ बरामद किया। इस दौरान दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 21 हजार नेपाली रुपये और तीन मोबाइल फोन भी बरामद हुए। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को करीब 3:20 बजे संयुक्त टीम ने अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या 269/6 से लगभग दो किलोमीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में कमलाबाड़ी रोड स्थित बेला बांध के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से करीब 50 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर, 21 हजार नेपाली मुद्रा और तीन मोबाइल फोन मिले। बरामद संदिग्ध नशीले पदार्थ की मौके पर एनडी डॉग स्क्वाड से जांच कराई गई, जिसमें नशीले पदार्थ की मौजूदगी की पुष्टि हुई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान बाबूबरही थाना क्षेत्र के उराही गांव निवासी रामजुलाम यादव के पुत्र विकास कुमार यादव (19) और प्रमोद यादव के पुत्र अशोक कुमार यादव (26) के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने बताया कि उक्त संदिग्ध ब्राउन शुगर उन्हें फुलपरास निवासी मो. अनवर से प्राप्त हुआ था, जो मूल रूप से मालदा, पश्चिम बंगाल का रहने वाला बताया गया है। इसे नरार निवासी राजेश को सौंपने के लिए ले जाया जा रहा था। पूछताछ में दोनों के कूरियर के रूप में काम करने की जानकारी सामने आई है। बरामद संदिग्ध नशीला पदार्थ, नेपाली मुद्रा और मोबाइल फोन को जब्त कर दोनों आरोपितों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए जयनगर थाना पुलिस को सुपुर्द किया जा रहा है। 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए एसएसबी और बिहार पुलिस के बीच समन्वय के साथ लगातार कार्रवाई की जा रही है। सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों और तस्करी नेटवर्क के विरुद्ध आसूचना आधारित कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कुर्सी छोड़कर ग्रामीणों के बीच बैठे डीएम, सुनी समस्याएं

धनौजा और कालापट्टी में सहयोग शिविर, 115 आवेदन प्राप्त, 71 का मौके पर निष्पादन

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। आमजनों की समस्याओं को उनके बीच पहुंचकर सुनने और त्वरित समाधान को लेकर जिला प्रशासन की पहल के तहत मंगलवार को फुलपरास प्रखंड की धनौजा पंचायत सरकार भवन में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिलाधिकारी आनंद शर्मा और वरीय पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार शामिल हुए। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने शिविर में आमजनों के बीच बैठकर उनसे सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं समयबद्ध निष्पादन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। वहीं, वरीय पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने भी लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।प्रशासन के अनुसार, धनौजा में 31 अगस्त तक कुल पांच आवेदन प्राप्त हुए थे और सभी पांचों का निष्पादन किया जा चुका था। वहीं, 1 सितंबर को आयोजित शिविर में 45 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 30 का मौके पर ही निष्पादन किया गया।इसी प्रकार कालापट्टी सहयोग शिविर में 31 अगस्त तक प्राप्त 12 आवेदनों में से 10 का निष्पादन किया जा चुका था। 1 सितंबर को आयोजित शिविर में कुल 70 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 41 आवेदनो का ऑन-स्पॉट निष्पादन किया गया।इस प्रकार दोनों सहयोग शिविरों में 1 सितंबर को कुल 115 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 71 आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन किया गया। शेष आवेदनों के भी नियमानुसार त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया।जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। प्रशासनिक व्यवस्था तभी प्रभावी मानी जाएगी, जब आम लोगों को अपनी बात रखने के लिए सहज और सुलभ मंच उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि आमजनों के बीच बैठकर संवाद करने से उनकी वास्तविक समस्याओं और स्थानीय जरूरतों को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलता है उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया केवल कार्यालयों तक सीमित न रहे, बल्कि जरूरत के अनुसार प्रशासन स्वयं जनता के बीच पहुंचे। सहयोग शिविर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है शिविर के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अपने स्तर पर ही विभिन्न समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखने और उनके समाधान की दिशा में कार्रवाई कराने का अवसर मिला। इससे प्रशासन जनता के बीच की अवधारणा को मजबूती मिलने के साथ आमजन और प्रशासन के बीच संवाद एवं विश्वास का संबंध भी बेहतर हो रहा है इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, फुलपरास, सिविल सर्जन हरेंद्र कुमार, आपूर्ति पदाधिकारी कुमार दीपक, पशुपालन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी सहित अन्य प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

केवटी के सरकारी स्कूलों का होगा कायाकल्प, विधायक ने प्रबंध समितियों के साथ की समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

केवटी (दरभंगा)। केवटी विधानसभा क्षेत्र की शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को लेकर मंगलवार को विभिन्न विद्यालयों में प्रबंध समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में केवटी विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने +2 राम जुलुम उच्च विद्यालय, बनवारी, +2 उच्च विद्यालय पचाढ़ी तथा +2 उच्च विद्यालय गोखुल का निरीक्षण कर विद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत स्थिति का जायजा लिया। विधायक ने प्रबंध समिति के सदस्यों, प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों के साथ विद्यालयों में छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस दौरान विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली गई। बैठक में केवटी के प्रखंड विकास पदाधिकारी रणधीर रमन एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी कुणाल कुमार भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन तथा विद्यालयों की प्रशासनिक स्थिति की समीक्षा की। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की ओर से मुखिया पति संतोष साह ने भी क्षेत्र की शैक्षणिक आवश्यकताओं को प्रमुखता से रखा। बैठक में सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रबुद्धजनों प्रशांत जी, विमल कांत झा, कृष्ण कुमार गुप्ता, पप्पू मिश्रा, श्रवण मिश्रा, रमेश लाल दास, बबलू सहनी, उमेश मिश्रा, तेज नारायण महतो एवं प्रभु राय सहित अन्य लोगों ने सुझाव दिए।+2 राम जुलुम उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक सचिन शुभांशु के अलावा प्रवीण विश्वबंधु, राजीव कुमार, दिलीप कुमार मिश्र, सुरेंद्र कुमार एवं राजेश कुमार ने विद्यालय की आंतरिक व्यवस्था और शैक्षणिक आवश्यकताओं से संबंधित समस्याएं रखीं। बैठक के अंत में विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने कहा कि केवटी विधानसभा क्षेत्र के सभी सरकारी विद्यालयों का कायाकल्प करना उनकी प्राथमिकता है। प्रबंध समिति द्वारा लिए गए ठोस निर्णयों को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक कार्रवाई शीघ्र की जाएगी।

सुप्रिता शालिनी बनीं एमएलएसएम कॉलेज के हिंदी विभाग की नई अध्यक्ष

दरभंगा। एम.एल.एस.एम. कॉलेज, दरभंगा के हिंदी विभाग के नए विभागाध्यक्ष के रूप में डॉ. सुप्रिता शालिनी को नियुक्त किया गया है। इस संबंध में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. शंभु कुमार यादव ने कार्यालय आदेश निर्गत किया। इसके बाद उन्होंने डॉ. शालिनी को विधिवत हिंदी विभाग का अध्यक्षीय आसन ग्रहण कराया। डॉ. मीना कुमारी को 29 अगस्त को महाविद्यालय से विरमित किए जाने के बाद हिंदी विभाग में डॉ. सुप्रिता शालिनी को विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. यादव ने डॉ. शालिनी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे विभागाध्यक्ष के दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों को और बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। नवनियुक्त विभागाध्यक्ष डॉ. सुप्रिता शालिनी को पदभार ग्रहण करने पर महाविद्यालय के बर्सर-सह-परीक्षा नियंत्रक डॉ. नंदकिशोर झा, संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. विनय कुमार झा, गणित विभागाध्यक्ष डॉ. रंजन कुमार, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. रणवीर कुमार, भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. विवेक कुमार, शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. अंजीत कुमार चौधरी, डॉ. प्रभात कुमार, डॉ. मणिशंकर झा सहित अन्य शिक्षकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारियों ने जताया विरोध

प्रातः किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा).नई पेंशन योजना के विरोध और पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग को लेकर मंगलवार को पूर्वी अंचल कार्यालय के कर्मचारियों ने संकल्प दिवस मनाया। बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर कर्मचारियों ने काला बिल्ला लगाकर नियमित सरकारी कार्यों का निष्पादन किया और शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। कर्मचारियों ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में अपेक्षित पहल नहीं हुई है। काला बिल्ला लगाकर प्रदर्शन के माध्यम से कर्मचारियों ने महासंघ के आंदोलन के प्रति अपनी एकजुटता जाहिर की। कर्मचारियों का कहना था कि पेंशन केवल सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली राशि नहीं, बल्कि उनके भविष्य की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने सरकार से नई पेंशन योजना की समीक्षा करते हुए पुरानी पेंशन व्यवस्था को पुनः लागू करने की मांग की। संकल्प दिवस के दौरान अंचल कार्यालय के प्रधान लिपिक मनोज दत्त, प्रेम लाल, जयशंकर कुमार दीपक, श्याम बिहारी मिश्रा, सुबोध कुमार समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने काला बिल्ला लगाकर पुरानी पेंशन बहाली के लिए अपना संकल्प दोहराया।

प्रो. पुष्पम नारायण ने एमआरएम कॉलेज की प्रभारी प्रधानाचार्या का संभाला पदभार

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के स्नातकोत्तर संगीत एवं नाट्य विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष तथा ललित कला संकाय की पूर्व अध्यक्ष प्रो. पुष्पम नारायण ने एमआरएम महिला महाविद्यालय, दरभंगा की प्रभारी प्रधानाचार्या के पद पर योगदान किया। इस अवसर पर आयोजित स्वागत सह विदाई समारोह में पूर्व प्रधानाचार्य प्रो. एल.पी. जायसवाल ने उन्हें प्रभार सौंपा। महाविद्यालय परिवार की ओर से पाग, चादर एवं बुके भेंट कर उनका स्वागत किया गया। प्रो. जायसवाल ने नवनियुक्त प्रभारी प्रधानाचार्या को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके सानिध्य एवं मार्गदर्शन में महाविद्यालय के चहुंमुखी विकास की आशा है। वहीं प्रो. पुष्पम नारायण ने शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय के विकास में पूर्ण योगदान का भरोसा दिलाया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर उनकी पहली प्राथमिकता छात्राओं का हित होगा। छात्राओं के अध्ययन-अध्यापन, उनकी आवश्यकताओं, मूल्यांकन एवं शैक्षणिक विकास के साथ नए संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध कराना उनका प्रमुख उद्देश्य रहेगा, ताकि छात्राएं रोजगारोन्मुख होकर आर्थिक रूप से सक्षम बन सकें।उन्होंने कहा कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाकर कार्यों का निष्पादन उनकी दूसरी प्राथमिकता होगी। शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के आपसी तालमेल से ही शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सकते हैं।उन्होंने छात्राओं में अनुशासन, रैगिंग मुक्त परिसर, पुस्तकालय के अधिकतम उपयोग तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से पहुंचाने पर भी जोर दिया। समारोह में महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित रहे। सभी ने प्रो. पुष्पम नारायण को शुभकामनाएं दीं तथा प्रो. एल.पी. जायसवाल को भावभीनी विदाई दी।

सहयोग शिविरों में विधायक ईश्वर मंडल ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। बिहार सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने एवं आमजनों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित सहयोग शिविरों का मंगलवार को दरभंगा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने जायजा लिया। विधायक ने दरभंगा शहर के बंगलागढ़, मनीगाछी प्रखंड के पठान कबई पंचायत सरकार भवन, नेहरा पूर्वी, सदर प्रखंड के अदलपुर पंचायत सरकार भवन तथा दुलारपुर में आयोजित सहयोग शिविरों में पहुंचकर शिविर की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे आमजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को गंभीरता से सुना। शिविर में लोगों ने पेंशन, आवास, राशन कार्ड, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली, नल-जल सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने से संबंधित समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। विधायक ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों से समस्याओं के संबंध में जानकारी लेते हुए पात्र लाभुकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़े, इसी उद्देश्य से सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मियों से कहा कि शिविर में प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए पात्र लाभुकों को सरकार की योजनाओं से जोड़ने की दिशा में तत्परता से कार्य करें। इस अवसर पर सदर प्रमुख उदय साहनी, प्रखंड अध्यक्ष घनश्याम राय, संतोष सिंह, मुरारी मोहन मिश्रा, विनोद आनंद झा, श्याम साहनी, भोला पासवान, माला देवी, राजीव कुमार मंडल, राज कुमार पासवान, रामबाबू साह, सुल्तान अहमद, इशरत खातून, मोईन अख्तर साहेब, बुलबुल, सरिता देवी सहित एनडीए कार्यकर्ता, प्रशासनिक पदाधिकारी, कर्मी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर के विरोध में कांग्रेस का पैदल मार्च

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध दर्ज एफआईआर के विरोध में मंगलवार को दरभंगा जिला कांग्रेस कमेटी अर्बन के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष डॉ. जमाल हसन के नेतृत्व में पैदल मार्च निकाला गया। कांग्रेस कार्यालय से शुरू हुआ मार्च ब्रह्मस्थान, लहेरियासराय तक गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के समर्थन में नारेबाजी करते हुए एफआईआर वापस लेने की मांग की। मार्च के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चित्र का दहन कर विरोध जताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ. जमाल हसन ने कहा कि हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम के बाद कार्यक्रम स्थल को गंगाजल से धोने की घटना अत्यंत आपत्तिजनक एवं शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इस घटना का देशभर में विरोध किया और राहुल गांधी ने भी भाजपा की कथित दलित-विरोधी एवं सांप्रदायिक मानसिकता के खिलाफ आवाज उठाई। डॉ. हसन ने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता ऐसी कार्रवाई से डरने वाले नहीं हैं। यदि एफआईआर वापस नहीं ली गई और कार्यक्रम स्थल को गंगाजल से धोने वालों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस सड़क से लेकर दिल्ली तक आंदोलन करेगी। कार्यक्रम में दयानंद पासवान, रामपुकार चौधरी, इंद्रकांत चौधरी, एहसान सिद्दीकी, प्रिंस परवेज, उदित नारायण चौधरी, राघवेंद्र कुंवर, अरशद खान, बसंत झा सहित बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लौकही में प्रतिबंधित कफ सिरप के अवैध कारोबार का भंडाफोड़, 68 बोतल सिरप के साथ एक गिरफ्तार

मधुबनी। प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप के अवैध कारोबार के खिलाफ लौकही थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 68 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। बरामद कफ सिरप की कुल मात्रा 6.8 लीटर बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 31 अगस्त 2026 को दिवा गश्ती के दौरान गुप्त सूचना मिली कि अटरि गांव निवासी राजू कुमार गुप्ता राजा चौक स्थित अपने टेम्पो गैरेज में प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप की अवैध बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर वरीय अधिकारियों को अवगत कराया गया। इसके बाद निर्देशानुसार पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई की गई तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी, लौकही को दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया।दंडाधिकारी के साथ पुलिस टीम जब राजा चौक स्थित टेम्पो गैरेज पहुंची तो पुलिस वाहन देखकर एक व्यक्ति भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसकी पहचान राजू कुमार गुप्ता, पिता स्व. बिनोद प्रसाद गुप्ता, निवासी अटरि, वार्ड नंबर-07, थाना लौकही, जिला मधुबनी के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने गैरेज की विधिवत तलाशी ली। तलाशी के दौरान कमरे से 100 एमएल की 68 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप, कुल 6.8 लीटर, बरामद की गई। पुलिस ने कफ सिरप को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत लौकही थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

मधवापुर में 27 लीटर नेपाली शराब बरामद युवक गिरफ्तार, नाबालिग अभिरक्षा में

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की मधवापुर स्थित बी समवाय मुख्यालय की विशेष गश्ती दल ने 27 लीटर नेपाली शराब बरामद की। इस दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया गया। शराब के परिवहन में प्रयुक्त एक बजाज वेगो ऑटो भी जब्त किया गया। सशस्त्र सीमा बल के अनुसार, मंगलवार की सुबह करीब 6:45 बजे गुप्त सूचना के आधार पर विशेष गश्ती दल सीमा क्षेत्र में गश्त के लिए रवाना हुआ। करीब 6:55 बजे अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभ संख्या 295/04 से लगभग 100 मीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में नेपाल की ओर से एक ऑटो में सवार दो व्यक्तियों को आते देखा गया। संदेह होने पर गश्ती दल ने ऑटो को रोककर तलाशी ली।तलाशी के दौरान ऑटो में रखी बोरी से मैकडॉवेल्स नंबर वन नेपाली शराब की 375 मिलीलीटर वाली 72 बोतलें बरामद हुईं। बरामद शराब की कुल मात्रा 27 लीटर बताई गई है। इसके साथ ही शराब के परिवहन में प्रयुक्त बजाज वेगो ऑटो को भी जब्त कर लिया गया।मामले में बिट्टू कुमार (21 वर्ष), पिता ललित राम, निवासी कोरियाई, थाना सुरसंड, जिला सीतामढ़ी को गिरफ्तार किया गया। वहीं बासुकी बिहारी, थाना मधवापुर, जिला मधुबनी निवासी एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया गया।प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि उक्त नेपाली शराब जलेश्वर, नेपाल निवासी सुनील पासवान से प्राप्त की गई थी तथा इसे भारतीय क्षेत्र में पुपरी, जिला सीतामढ़ी निवासी सुरिंदर को पहुंचाया जाना था। पूछताछ में प्रथम दृष्टया दोनों के शराब पहुंचाने वाले व्यक्ति के रूप में कार्य करने की जानकारी सामने आई है।बरामद 27 लीटर नेपाली शराब, जब्त बजाज वेगो ऑटो तथा दोनों व्यक्तियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए मधवापुर थाना, जिला मधुबनी को सौंपा जा रहा है।48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी रोकने के लिए लगातार सतर्कता और प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। सीमा क्षेत्र में सूचना तंत्र को मजबूत करते हुए तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।सशस्त्र सीमा बल द्वारा भारत-नेपाल सीमा की सुरक्षा के साथ-साथ सीमा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए लगातार गश्त, निगरानी और सतर्कता बरती जा रही है।

एनपीएस-यूपीएस के विरोध में रेल कर्मचारियो ने मनाया काला दिवस, पुरानी पेंशन बहाली की मांग

जयनगर। राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे आंदोलन के तहत एनपीएस एवं यूपीएस के विरोध तथा पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली की मांग को लेकर मंगलवार को जयनगर रेलवे स्टेशन परिसर में ईस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लाइज यूनियन (ईसीआरईयू), जयनगर की ओर से काला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ईसीआरईयू दरभंगा शाखा के उपाध्यक्ष बैद्यनाथ भारती ने किया, जबकि यूनियन के संरक्षक भूषण सिंह की मौजूदगी में रेल कर्मचारियों ने विभिन्न कार्यालयों में काली पट्टी बांधकर एनपीएस- यूपीएस का विरोध किया। इस दौरान टिकट काउंटर, टिकट चेकिंग, पार्सल कार्यालय, लॉबी, ट्रेन पासिंग कार्यालय, स्टेशन मास्टर कार्यालय, सिग्नल कार्यालय सहित अन्य कार्यालयों में पहुंचकर कर्मचारियो को काली पट्टी बांधी गई और पेंशन नीति के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया। मौके पर रेल कर्मचारियो को संबोधित करते हुए बैद्यनाथ भारती एवं भूषण सिंह ने कहा कि एनपीएस और यूपीएस के कारण कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा तथा सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली पेंशन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वर्षों तक रेलवे और देश की सेवा करने वाले कर्मचारियो को सम्मानजनक एवं सुनिश्चित पेंशन मिलनी चाहिए। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना को कर्मचारियो का अधिकार बताते हुए कहा कि इसे बहाल किए बिना आंदोलन समाप्त नहीं होगा। वक्ताओं ने केंद्र सरकार से एनपीएस एवं यूपीएस समाप्त कर सभी सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना तत्काल बहाल करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि मांगो पर सकारात्मक पहल नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक एवं तेज किया जाएगा। कार्यक्रम में राकेश कुमार, कृष्ण कुमार कामत, गगन प्रसाद, रमेश साह, त्रिवेणी सिंह, मंगल यादव, यदुलाल महतो, राकेश कुमार चौधरी, सुबोध रविदास, संजीत कुमार, हरिओम कुमार, रामयस राय सहित दर्जनों रेल कर्मचारियों ने काली पट्टी लगाकर भाग लिया।

भूमिहीन परिवारो को मिला जमीन का अधिकार, 30 लाभुको को वितरित हुआ वास पर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

मधुबनी। लौकही प्रखंड क्षेत्र के बनगामा दक्षिणी पंचायत में मंगलवार को अभियान बसेरा 2.0 के तहत भूमि बंदोबस्ती पर्चा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने 30 भूमिहीन लाभुकों के बीच वास पर्चा का वितरण किया। वास पर्चा मिलने के बाद लाभुकों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। भूमिहीन परिवारों ने जमीन का अधिकार मिलने पर राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। लाभुकों ने कहा कि वास पर्चा मिलने से उन्हें अपने आशियाने के लिए जमीन का स्थायी आधार मिला है और वर्षों पुराना सपना पूरा हुआ है। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि अभियान बसेरा 2.0 का उद्देश्य भूमिहीन एवं जरूरतमंद परिवारों को चिन्हित कर उन्हें आवास निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पात्र लाभुकों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा भूमि बंदोबस्ती की प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं तेजी बनाए रखने का निर्देश दिया।कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने लाभुकों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। जिला प्रशासन की ओर से पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने और उन्हें उनके अधिकारों का लाभ दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जाने की बात कही गई। मौके पर फुलपरास के अनुमंडल पदाधिकारी अनीश कुमार, लौकही विधायक सतीश कुमार साह, अंचल अधिकारी अमर कुमार चौधरी, प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार, बनगामा दक्षिणी पंचायत की मुखिया मनीता देवी सहित कई पदाधिकारी, कर्मी एवं आम नागरिक उपस्थित थे।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

बिरौल(दरभंगा)। थाना क्षेत्र के कमलपुर मोरवाड़ा गांव में सोमवार की रात पत्नी से विवाद के बाद 25 वर्षीय युवक ने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान स्व. सुखनंदन सहनी के पुत्र रघुवर कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के चार छोटे बच्चे हैं, जिनमें तीन बेटियां और एक बेटा शामिल हैं। परिजनों के अनुसार रघुवर करीब 11 वर्षों से शादीशुदा था और राजमिस्त्री का काम कर परिवार का भरण-पोषण करता था। वर्तमान में वह पत्नी रिंकू देवी व बच्चों के साथ लहेरियासराय थाना क्षेत्र के खाजासराय में किराये के मकान में रहता था। रक्षाबंधन के अवसर पर पत्नी बच्चों के साथ कमलपुर मोरवाड़ा आई थी। सोमवार को रघुवर गांव पहुंचा और पत्नी से रुपये भेजने को कहा। बाद में बच्चों को ननिहाल में छोड़कर घर आने की बात पर दोनों के बीच फोन पर कहासुनी हुई। पत्नी के अनुसार, गांव से बाहर धान के खेत में दोनों के बीच विवाद हुआ, जहां रघुवर ने उसके साथ मारपीट की।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

पटना, बुधवार, 02 सितंबर, 2026

पताही एयरपोर्ट के शिलान्यास की तैयारी तेज, डीएम-एसएसपी ने लिया जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिलेवासियों के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित पताही एयरपोर्ट के विकास और शिलान्यास की तैयारियां अब तेज हो गई हैं। सितंबर के दूसरे सप्ताह में एयरपोर्ट के शिलान्यास की संभावना जताई जा रही है। इसी को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देने की कवायद शुरू कर दी है। सोमवार को जिलाधिकारी कुमार गौरव और वरीय पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्र समेत प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने पताही एयरपोर्ट परिसर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने रनवे, परिसर में चल रहे निर्माण कार्य और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। शिलान्यास कार्यक्रम से पहले जरूरी व्यवस्थाओं और संभावित कमियों को दूर करने पर भी चर्चा की गई। प्रशासन की ओर से बताया गया कि एयरपोर्ट के विकास कार्य का जल्द शिलान्यास कराया जाना है। संभावित कार्यक्रम को देखते हुए एयरपोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया जा रहा है। एसएसपी ने परिसर में अनधिकृत प्रवेश रोकने और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती को लेकर भी अधिकारियों के साथ समीक्षा की। पताही एयरपोर्ट के विकास के लिए निर्माण एजेंसी की ओर से प्रारंभिक कार्य शुरू कर दिया गया है। परिसर में पुराने और जर्जर भवनों को हटाने का काम भी शुरू होने की जानकारी सामने आई है। परियोजना के तहत एयरपोर्ट की आधारभूत संरचना को आधुनिक बनाने की योजना है। पताही एयरपोर्ट के विकास से मुजफ्फरपुर समेत उत्तर बिहार की हवाई कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। इससे व्यापार, पर्यटन और आवागमन को भी गति मिलने की संभावना है। अब लोगों की नजर प्रस्तावित शिलान्यास कार्यक्रम और इसके बाद निर्माण कार्य की रफ्तार पर टिकी है।

दाखिल-खारिज का मामला :तत्कालीन सीओ और राजस्व कर्मचारी से मांगा स्पष्टीकरण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बोचहां अंचल में पहले से अस्वीकृत दाखिल-खारिज वाद को नियमों की अनदेखी कर दोबारा स्वीकृत किए जाने का मामला सामने आया है। मामले में तत्कालीन अंचलाधिकारी राजा कुमार और राजस्व कर्मचारी संजीव कुमार की भूमिका पर सवाल उठे हैं। जिलाधिकारी कुमार गौरव ने दोनों से स्पष्टीकरण मांगा है। बताया गया कि बोचहां में आयोजित आम जनता से साक्षात्कार कार्यक्रम के दौरान दिनकर शाही ने जिलाधिकारी को आवेदन देकर इस मामले की शिकायत की थी। शिकायत के आधार पर जिलाधिकारी ने डीसीएलआर पूर्वी से जांच कराई। जांच में शिकायत सही पाई गई। जांच रिपोर्ट के अनुसार संबंधित दाखिल-खारिज वाद को पहले अस्वीकृत किया जा चुका था। इसके बावजूद डीसीएलआर पूर्वी के न्यायिक आदेश के बिना ही उसी अभिलेख के आधार पर तीन दाखिल-खारिज वादों को दोबारा स्वीकृत कर दिया गया। जांच में इसे अपीलवाद से संबंधित मामला बताया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विभागीय पोर्टल पर दाखिल-खारिज के स्वीकृत और अस्वीकृत वादों की जानकारी उपलब्ध रहती है। ऐसे में संबंधित वादों को चिह्नित किया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। जांच अधिकारी ने इस कार्रवाई को बिहार भूमि दाखिल-खारिज अधिनियम के प्रावधानों के प्रतिकूल माना है। मामले में जिलाधिकारी ने तत्कालीन सीओ राजा कुमार और राजस्व कर्मचारी संजीव कुमार से स्पष्टीकरण मांगा है। दोनों का तबादला दूसरे जिले में हो चुका है। उन्हें एक सप्ताह के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। निर्धारित अवधि में जवाब नहीं मिलने पर यह माना जाएगा कि दोनों को आरोप स्वीकार हैं। इसके बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के लिए विभाग को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

उत्तर बिहार के जिलों में 2-3 सितंबर को हल्की बारिश के आसार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 2 से 6 सितंबर तक उत्तर बिहार के अधिकांश हिस्सों में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। अगले 2-3 सितंबर के दौरान आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रहने तथा कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। वहीं, पश्चिमी चंपारण में 4-5 सितंबर के दौरान कई स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा होने का अनुमान है। पूर्वानुमान अवधि में अधिकतम तापमान 30 से 36 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 25 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। धान में कीट-रोग की निगरानी जरूरीः कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को धान की फसल में तना छेदक, पत्ती लपेटक और ब्राउन प्लांट हॉपर की नियमित निगरानी करने की सलाह दी है। प्रकोप होने पर क्लोरान्ट्रानिलिप्रोल 4 जी का 20-25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करने का सुझाव दिया गया है। देर से बोई गई धान में खैरा रोग की निगरानी करने तथा लक्षण दिखने पर जिंक सल्फेट और चूना का निर्धारित मात्रा में छिड़काव करने की सलाह दी गई है। मक्का में फॉल आर्मीवर्म पर नजरः मक्का की फसल में फॉल आर्मीवर्म के प्रकोप की नियमित निगरानी करने को कहा गया है। प्रकोप की स्थिति में इमामेक्टिन बेंजोएट का 0.5-0.6 ग्राम प्रति 15 लीटर पानी की दर से छिड़काव करने की सलाह दी गई है। आवश्यकता पड़ने पर सात दिन बाद दूसरा उपचार करने को कहा गया है। फूलगोभी की बुआई का समयः सितंबर में मध्यावधि फूलगोभी की किस्मों पूसा हिमज्योति, डी-96 और पंत शुभ्रा की बुआई करने की सलाह दी गई है। बुआई से पहले खेत में अच्छी तरह सड़ी गोबर की खाद डालने तथा संतुलित मात्रा में नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश, बोरेक्स और अमोनियम मोलिब्डेट का प्रयोग करने का सुझाव दिया गया है। भिंडी में जैसिड की निगरानीः वर्तमान मौसम में भिंडी की फसल में लीफ हॉपर (जैसिड) के प्रकोप की नियमित निगरानी करने को कहा गया है। अधिक प्रकोप होने पर कृषि विशेषज्ञों द्वारा सुझाई गई मात्रा में डाइमेथोएट या इमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

मुजफ्फरपुर में 12 सितम्बर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, समझौते से होगा मामलों का निपटारा

मुजफ्फरपुर। आम लोगों को त्वरित और सरल न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 12 सितंबर शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में सिविल कोर्ट, मुजफ्फरपुर के प्रांगण में सुबह 10:30 बजे से लोक अदालत शुरू होगी। राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी समझौते के आधार पर विभिन्न प्रकार के मामलों का निपटारा किया जाएगा। इसमें संधि-योग्य लघु आपराधिक मामले, धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित मामले, विद्युत वाद, वाहन दुर्घटना दावा, सिविल सूट, माप-तौल से जुड़े मामले, श्रम वाद, बैंक ऋण वसूली तथा नीलाम-पत्र वाद सहित अन्य मामलों का निस्तारण किया जाएगा। लोक अदालत में मामलों के निपटारे के लिए कोई कोर्ट फीस नहीं ली जाती है। यदि किसी मामले में पहले ही कोर्ट फीस जमा की जा चुकी है तो नियमानुसार उसकी राशि वापस की जा सकती है। लोक अदालत के माध्यम से विवादों का सरल और शीघ्र निपटारा किया जाता है। आपसी समझौते के आधार पर पारित लोक अदालत का आदेश अंतिम होता है और इसके विरुद्ध सामान्यतः अपील का प्रावधान नहीं होता। जिला पदाधिकारी-सह-उपाध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर जिला प्रशासन की ओर से राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। जिला विधिक सेवा प्राधिकार में प्रार्थना पत्र देकर लोक अदालत का लाभ लिया जा सकता है। न्यायालय में लंबित मुकदमों के पक्षकार 11 सितंबर 2026 तक किसी भी कार्य दिवस में संबंधित न्यायालय में जाकर अपने मामले को आपसी समझौते के लिए विचाराधीन करा सकते हैं। समझौता होने की स्थिति में मामले का निपटारा 12 सितंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जाएगा। जिलाधिकारी ने जिले के सभी वादकारियों से आपसी समझौते के आधार पर अपने लंबित मुकदमों का निपटारा कराने के इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

अवैध हथियार मामले में सचिन कुमार को 5 साल की सश्रम कैद, 15 हजार रुपये जुमार्ना

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अवैध हथियार बरामदगी और आर्म्स एक्ट के पुराने मामले में मुजफ्फरपुर की अदालत ने कड़ा फैसला सुनाया है। एडीजे-20 शरद चंद्र कुमार की अदालत ने मामले की अंतिम सुनवाई के बाद हथौड़ी थाना क्षेत्र के माधोपुर निवासी सचिन कुमार को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही अदालत ने दोषी पर 15 हजार रुपये का आर्थिक जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना राशि जमा नहीं करने पर दोषी को अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से घटना से जुड़े साक्ष्य और गवाह अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए गए। अभियोजन ने गवाहों के बयान और पुलिस की जब्ती सूची के आधार पर सचिन कुमार की संलिप्तता साबित की। साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने उसे दोषी ठहराते हुए सजा का ऐलान किया। यह मामला सिकंदरपुर थाना क्षेत्र के राज नारायण सिंह कॉलेज, बालूघाट परिसर से जुड़ा है। मामले में तत्कालीन थानाध्यक्ष देवव्रत कुमार के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कॉलेज परिसर में कुछ अपराधी अवैध हथियारों के साथ जुटे हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कॉलेज परिसर में घेराबंदी कर छापेमारी की थी। इस दौरान तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें अहियापुर थाना क्षेत्र के पचगछिया निवासी इंद्रजीत कुमार, सिवरांहा बसंत निवासी संतोष कुमार और हथौड़ी थाना क्षेत्र के माधोपुर निवासी सचिन कुमार शामिल थे। पुलिस की तलाशी के दौरान आरोपितों के पास से हथियार और कारतूस बरामद किए गए थे। मुख्य आरोपित के पास से एक लोडेड पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद होने की बात सामने आई थी। मामले में पूर्व में पचगछिया निवासी इंद्रजीत कुमार को भी अदालत द्वारा सजा सुनाई जा चुकी है। अदालत के ताजा फैसले के बाद इस पुराने आर्म्स एक्ट मामले में दोषी सचिन कुमार को पांच वर्ष के सश्रम कारावास और 15 हजार रुपये के जुमार्ने की सजा भुगतनी होगी।

चंदवारा पुल से युवक ने बूढ़ी गंडक नदी में लगाई छलांग, ऑपरेशन जारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के चंदवारा पुल से सोमवार को एक अज्ञात युवक ने बूढ़ी गंडक नदी में छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक अचानक पुल की रेलिंग पर चढ़ा और देखते ही देखते नदी की तेज धार में कूद गया। घटना के बाद पुल और आसपास के घाटों पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाना की पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ के गोताखोरों ने मोटर बोट और आधुनिक उपकरणों की मदद से नदी में सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। नदी में तेज बहाव होने के कारण युवक की तलाश में जवानों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।एसडीआरएफ की टीम नदी के अलग-अलग हिस्सों और संभावित बहाव वाले क्षेत्रों में गहन तलाशी अभियान चला रही है। वहीं, पुलिस युवक की पहचान करने में जुटी है। पुल और आसपास के इलाके में युवक के सामान, मोबाइल फोन या अन्य किसी वस्तु की तलाश भी की जा रही है, जिससे उसकी पहचान का सुराग मिल सके। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों और राहगीरों से भी पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवक कौन था और उसने नदी में छलांग क्यों लगाई। फिलहाल छलांग लगाने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की शिकायतों की भी जानकारी जुटा रही है, ताकि लापता लोगों के विवरण से युवक की पहचान की जा सके। समाचार लिखे जाने तक नदी में सर्च ऑपरेशन जारी था।

पुलिस विभाग की जमीन और भवनों का बनेगा डिजिटल रिकॉर्ड, अतिक्रमण रोकने की कवायद तेज

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। विवादों से बचने और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की आशंका को खत्म करने के उद्देश्य से बिहार पुलिस विभाग की भूमि और भवनों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। पुलिस महानिरीक्षक (आधुनिकीकरण), पटना के निर्देश के बाद जिले में इस दिशा में कार्रवाई शुरू कर दी गई है। राज्य में पुलिस विभाग के विभिन्न अनुसंधान और परिचालन कार्यों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित करने के लिए पुलिस स्टेशन मैनेजमेंट एप विकसित किया गया है। अब इस एप में भूमि एवं भवन से संबंधित मॉड्यूल भी जोड़ा गया है। इसके माध्यम से सभी थाना भवनों और उनके लिए हस्तांतरित जमीन का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल रूप से अपडेट किया जाएगा। इस संबंध में एसएसपी कांतेश कुमार मिश्र ने सभी अंचलाधिकारियों को थाना भवनों और उनसे संबंधित भूमि का पूरा विवरण उपलब्ध कराने तथा उसका सत्यापन कराने का निर्देश दिया है। सत्यापन के बाद संबंधित भूमि का पुलिस विभाग के नाम दाखिल-खारिज कराने की प्रक्रिया भी पूरी करने को कहा गया है, ताकि भविष्य में जमीन को लेकर किसी तरह का विवाद उत्पन्न न हो और अतिक्रमण की समस्या से भी बचा जा सके। बताया गया कि सरकारी जमीन की अवैध बिक्री के मामले सामने आने के बाद विभिन्न सरकारी विभाग अपनी जमीन के रिकॉर्ड को दुरुस्त करने में जुटे हैं। पुलिस विभाग भी अपनी भूमि का रिकॉर्ड तैयार कराने और विभाग के नाम दाखिल-खारिज कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है। हालांकि, जिले में अब तक पुलिस विभाग की जमीन पर अतिक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है। पिछले दिनों लघु सिंचाई विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, एनएचएआई, कृषि विभाग और डाक विभाग की ओर से भी अपनी-अपनी जमीन की खोजबीन शुरू कर दाखिल-खारिज की प्रक्रिया पूरी कराने की कवायद की जा रही है। पीएसएम एप में भूमि एवं भवन मॉड्यूल जोड़ने का उद्देश्य थाना भवनों और उनसे संबंधित भूमि का व्यवस्थित डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना है। बताया गया कि वर्तमान में विभिन्न विभागों से पुलिस विभाग को हस्तांतरित कई भूखंडों का दाखिल-खारिज अब तक नहीं हो सका है। एसएसपी की ओर से भेजी गई रिपोर्ट के अनुसार, जिले में कथैया थाना भवन के लिए 2.56 एकड़, मोतीपुर थाना भवन के लिए एक एकड़, देवरिया थाना के लिए एक एकड़ और चक्की सोहागपुर थाना भवन के लिए 1.10 एकड़ भूमि ली गई है। सरैया थाना भवन के लिए दो खेसरा में 300 डिसमिल और 139 डिसमिल भूमि तथा जैतपुर थाना भवन के लिए एक एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। इन जमीनों समेत अन्य थाना भवनों के लिए ली गई भूमि का भी रिकॉर्ड तैयार कर उसका सत्यापन और दाखिल-खारिज कराने की प्रक्रिया की जाएगी।

चांदनी चौक से रामदयालु तक सिक्सलेन की कवायद तेज, 500 से अधिक पेड़ों की हो रही मार्किंग

मुजफ्फरपुर। शहर में चांदनी चौक से रामदयालु तक सिक्सलेन सड़क निर्माण की कवायद शुरू हो गई है। प्रस्तावित सड़क के रास्ते में एनएच किनारे लगे 500 से अधिक पेड़ों को हटाने की प्रक्रिया को लेकर पुल निर्माण निगम ने पेड़ों की गिनती और मार्किंग का काम शुरू कर दिया है। सड़क निर्माण से पहले पेड़ों की बाधा दूर करने की तैयारी की जा रही है। बताया गया है कि एनएच किनारे चिह्नित किए जा रहे पेड़ों में वन विभाग के पेड़ों के अलावा निजी प्रतिष्ठानों की जमीन पर लगे पेड़ भी शामिल हैं। इनमें से कुछ पेड़ों को दूसरी जगह शिफ्ट करने की योजना है, जबकि आवश्यकतानुसार कुछ पेड़ों को काटकर हटाया जाएगा। पुल निर्माण विभाग के वरीय परियोजना अभियंता के अनुसार फिलहाल विभागीय अधिकारियों की ओर से पेड़ों की गिनती और उनकी स्थिति का आकलन किया जा रहा है। गिनती पूरी होने के बाद इसकी रिपोर्ट तैयार कर समीक्षा की जाएगी। इसके बाद जिला प्रशासन से पेड़ों की शिफ्टिंग के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जाएगा। उपयुक्त स्थान उपलब्ध होने के बाद चिह्नित पेड़ों को हटाने अथवा शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। पेड़ों से संबंधित बाधाएं दूर होने के बाद सिक्सलेन सड़क निर्माण की दिशा में आगे की कार्रवाई की जाएगी। चांदनी चौक से रामदयालु तक सिक्सलेन सड़क निर्माण पर करीब 44 करोड़ रुपये खर्च होने का प्रस्ताव है। यह योजना पिछले करीब एक वर्ष से लंबित थी। पिछले दिनों पथ निर्माण विभाग के मंत्री ई. शैलेंद्र कुमार ने प्रस्तावित सड़क का अवलोकन किया था। निर्माण कार्य के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से एनओसी भी मिल चुकी है। अब पेड़ों की बाधा हटाने की प्रक्रिया शुरू होने से सड़क निर्माण योजना के आगे बढ़ने की उम्मीद बढ़ गई है।

चंदवारा पुल : तीन किमी सड़क बनने पर दरभंगा एनएच से जुड़ेगा पूर्वी मुजफ्फरपुर, बरसात के बाद बिछेगा बिटुमिनस

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के पूर्वी हिस्से के लोगों के लिए चंदवारा पुल से सफर अब आसान होने लगा है। पुल के एप्रोच पथ पर मिट्टी भरने और कंक्रीट डालने का काम पूरा होने के बाद आवागमन शुरू हो गया है। फिलहाल साइकिल, बाइक और कुछ चारपहिया वाहन इस रास्ते से गुजर रहे हैं। इससे आसपास के लोगों को काफी राहत मिली है। पुल निर्माण निगम के वरीय परियोजना अभियंता के अनुसार, एप्रोच पथ का प्रथम फेज अंतिम चरण में है। मिट्टी भरने और कंक्रीट डालने का काम पूरा कर लिया गया है। बारिश के कारण बिटुमिनस बिछाने का काम फिलहाल रोक दिया गया है। बरसात समाप्त होने के बाद एप्रोच पथ पर बिटुमिनस बिछाकर सड़क को अंतिम रूप दिया जाएगा। फेज दो के तहत जेल चौक से सिपाहपुर तक करीब तीन किलोमीटर लंबा एप्रोच पथ बनाया जाना है। इसके निर्माण के बाद पूर्वी मुजफ्फरपुर की सीधी कनेक्टिविटी दरभंगा एनएच से हो जाएगी। इससे दरभंगा और सीतामढ़ी की ओर जाने वाले लोगों को शहर या जीरोमाइल होकर जाने की जरूरत कम होगी। इससे शहर के व्यस्त मार्गों पर वाहनों का दबाव भी कम होने की उम्मीद है। हालांकि फेज दो के काम में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया के कारण देरी हो रही है। विभाग जिला भू-अर्जन कार्यालय के संपर्क में है। मुआवजा भुगतान के लिए करीब 20 करोड़ रुपये जिला भू-अर्जन कार्यालय को दिए जा चुके हैं। जमीन अधिग्रहण पर करीब 57 करोड़ रुपये खर्च होने का प्राक्कलन है। फेज दो की पूरी परियोजना पर करीब 120 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। इसमें अमर बलिदानी खुदीराम बोस स्मारक स्थल के जीर्णोद्धार का काम भी शामिल है। पुल निर्माण निगम की ओर से स्मारक स्थल के जीर्णोद्धार का काम शुरू कर दिया गया है। चंदवारा पुल और प्रस्तावित तीन किलोमीटर एप्रोच पथ का काम पूरा होने के बाद पूर्वी मुजफ्फरपुर के लोगों को शहर के अंदर से होकर गुजरने और जीरोमाइल के रास्ते जाने से काफी राहत मिलने की उम्मीद है। दरभंगा एनएच से सीधी कनेक्टिविटी मिलने पर दरभंगा और सीतामढ़ी की ओर आने-जाने में दूरी और समय दोनों कम हो सकते हैं।

मिथिला क्षेत्र का रेल विस्तार देश स्तर पर एक उदाहरण : डॉ गोपाल जी ठाकुर

दरभंगा। भारतीय रेलवे के हाई-डेंसिटी रेल नेटवर्क को भविष्य में चार-लाइनिंग यानी चार ट्रैक में विकसित करने की योजना से बिहार और उत्तर बिहार के महत्वपूर्ण रेल मार्गों के विकास में ऐतिहासिक पहल साबित होंगे। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सह रेलवे स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य डा गोपाल जी ठाकुर ने बिहार के नरकटियागंज से रक्सौल, सीतामढ़ी, झंझारपुर, सरायगढ़ और फारबिसगंज होते हुए सिलीगुड़ी क्षेत्र तक रेल संपर्क को अधिक क्षमता वाले नेटवर्क के रूप में विकसित करने की रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की घोषणा का स्वागत किया है तथा इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी गृह मंत्री श्री अमित शाह बिहार के सीएम सम्राट चौधरी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा है कि इस तरह की पहल से चार-लाइनिंग और मल्टी-ट्रैकिंग से मिथिला क्षेत्र में ट्रेनों की क्षमता बढ़ाने, नई ट्रेनों के परिचालन, मालगाड़ियों की आवाजाही को बेहतर करने और व्यस्त रेलखंडों पर परिचालन में दवाब को कम किए जाने में बेहतर होगा। सांसद डा ठाकुर ने इस घोषणा को दूरगामी परिणाम देने वाला कदम बताते हुए कहा कि एक तरफ नरकटियागंज का जुड़ाव गोरखपुर होते हुए दिल्ली तक विस्तारित है तो दूसरी ओर नकारयोगंज का सीतामढी होते हुए झंझारपुर फारबिसगंज के माध्यम से सिल्लीगुड़ी तक दक्षिणी तक विस्तार होने से रेलवे यात्रियों की सुविधा बढ़ जाएगी। सांसद डा ठाकुर ने बताया कि वे शीघ्र ही रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से मिलकर इस रेल मार्ग को हाई-डेंसिटी और मल्टी-ट्रैकिंग योजनाओं में शामिल किए जाने के लिए आग्रह करेंगे तथा नरकटियागंजरक्सौलसीतामढ़ीझझंझारपुर सरायगढ़ फारबिसगंज होते हुए सिलीगुड़ी तक महत्वपूर्ण वैकल्पिक रेल मार्गों में विकसित किए जाने के लिए चर्चा करेंगे। सांसद डा ठाकुर ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन तथा रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के मजबूत नेतृत्व में दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र में रेलवे के क्षेत्र में हो रहे विकासात्मक कार्यों की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि रेलवे नेटवर्क के मानचित्र में मिथिला क्षेत्र की मजबूत उपस्थिति के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं तथा दरभंगा शहर में निमार्णाधीन आरोबी, अमृत भारत योजना की रेलवे स्टेशनो का नव निर्माण तथा बेहतर रेलवे व्यवस्था इसका ज्वलंत उदाहरण है।

मुजफ्फरपुर की रूपा का अंतरराष्ट्रीय सॉफ्टबॉल टूनार्मेंट के लिए चयन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। खेल के क्षेत्र में मुजफ्फरपुर और बिहार के लिए गौरव की खबर है। मुजफ्फरपुर सॉफ्टबॉल एसोसिएशन की प्रतिभाशाली खिलाड़ी रूपा का चयन अंतरराष्ट्रीय सॉफ्टबॉल टूनार्मेंट के लिए हुआ है। वह 12 से 17 अक्टूबर 2026 तक पुली, ताइपे, चीनी ताइपे में आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। सॉफ्टबॉल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव डॉ. प्रवीण अनाओकर की ओर से 29 अगस्त 2026 को जारी पत्र के अनुसार चयनित खिलाड़ियों के लिए प्रतियोगिता से पहले विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। यह विशेष कोचिंग कैंप 8 से 13 सितंबर तक संजीवनी यूनिवर्सिटी, कोपरगांव, महाराष्ट्र में आयोजित होगा। प्रशिक्षण शिविर के बाद खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए रवाना होंगे। रूपा वर्तमान में वूमेन्स कॉलेज, समस्तीपुर की छात्रा हैं, जो ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा से संबद्ध है। उनके पिता विनोद कुमार यादव और माता पुष्पा कुमारी हैं। रूपा ने निरंतर अभ्यास, कड़ी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण के दम पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रूपा के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चयन से मुजफ्फरपुर सॉफ्टबॉल एसोसिएशन और बिहार सॉफ्टबॉल एसोसिएशन में खुशी का माहौल है। खेल से जुड़े पदाधिकारियों और प्रशिक्षकों ने उनके चयन पर प्रसन्नता जताते हुए आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। एसोसिएशन की ओर से खिलाड़ियों को लगातार प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाता रहा है। रूपा का चयन बिहार में सॉफ्टबॉल के बढ़ते प्रभाव और खिलाड़ियों की प्रतिभा को भी सामने लाता है। इस उपलब्धि में बिहार सॉफ्टबॉल एसोसिएशन की सचिव प्राची शर्मा के मार्गदर्शन और सहयोग का भी उल्लेख किया गया है। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी डॉ. वी.के. शर्मा ने रूपा के चयन को मुजफ्फरपुर और बिहार के सॉफ्टबॉल खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि रूपा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर बिहार और देश का नाम रोशन करेंगी। अपनी सफलता पर रूपा ने मुजफ्फरपुर सॉफ्टबॉल एसोसिएशन, बिहार सॉफ्टबॉल एसोसिएशन, तनु मैम, प्राची मैम, मधु मैम, शिखा मैम, अपूर्वा मुले मैम, विनोद भैया, अजय सर, प्रवीण बाबूलाल सर, अजीत सर, एलएनएमयू स्पोर्ट्स इंचार्ज सुमित सर तथा वूमेन्स कॉलेज के प्राचार्य के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि खेल के सफर में मिले मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, प्रोत्साहन और सहयोग ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का पूरा प्रयास करेंगी।

कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने विकसित की एवोकाडो की सफल खेती की तकनीक

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। पूर्वी भारत के बागवानी क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने बिहार के जलोढ़ मैदानी इलाके में एवोकाडो की सफल खेती और इसके पैकेज आफ प्रैक्टिस को विकसित करने में सफलता हासिल की है । आईसीएआर-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना फल के तहत यह उपलब्धि हासिल किया गया है। इससे पहले यह माना जाता था कि ह्यबटर फ्रूटह्न के नाम से प्रसिद्ध यह विदेशी फल एवोकाडो केवल कर्नाटक के कुर्ग या तमिलनाडु के कोडाइकनाल जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में ही उग सकता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने बिहार की कृषि के लिए इस एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और इससे जुड़े वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एवेकाडो को एक महत्वपूर्ण और उच्च आय वाला पहाड़ी फसल माना जाता था । लेकिन बिहार के मैदानी इलाके में उगाकर और उसके लिये वैज्ञानिक पद्धति विकसित कर हमारे वैज्ञानिकों ने साबित कर दिया है कि उच्च मूल्य वाले व्यावसायिक फल भी गंगा के मैदानों में हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि एवोकाडो की खेती बिहार के किसानों के लिए अपार आर्थिक अवसर खोलेगी और यह उच्च मूल्य वाली विविधीकृत बागवानी की दिशा में राज्य के प्रयासों को मजबूती देगी। उन्होंने कहा कि अभी तक एवेकाडो को आयात किया जाता था। लेकिन इसे बिहार में उत्पादन कर आयात बिल को कम या समाप्त किया जा सकता है।विश्वविद्यालय ने सितम्बर 2023 में यह परीक्षण शुरू किया था, जिसका उद्देश्य यह परखना था कि क्या एवोकाडो उत्तर बिहार के तापमान और आर्द्रता के उतार-चढ़ाव में प्रजनन परिपक्वता हासिल कर सकता है। एवोकाडो की जटिल फूल-जीवविज्ञान (डायकोगैमी) की बाधा को दूर करने के लिए, जिसमें नर और मादा फूल अलग-अलग समय पर खिलते हैं, अनुसंधान दल ने सफलतापूर्वक टाइप-अ किस्म अर्का सुप्रीम को टाइप-इ किस्म अर्का रावी के साथ अंतर-रोपित किया, ताकि पर-परागण समकालिक रूप से हो सके।

गर्भवती पत्नी की दहेज हत्या मामले में पति को 10 साल की सश्रम कैद, कोर्ट ने लगाया जुमार्ना

मुजफ्फरपुर। जिले के कथैया थाना क्षेत्र के प्यारेपुर गांव में विवाहिता गुंजा कुमारी की दहेज हत्या के चर्चित मामले में अदालत ने दोषी पति को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। एडीजे-11 डॉ. किशोर कुणाल की अदालत ने मामले में दोषी संजीत कुमार को यह सजा सुनाने के साथ ही पांच हजार रुपये का आर्थिक जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना राशि जमा नहीं करने पर दोषी को तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।अदालत में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक सुनील कुमार पाण्डेय ने कुल सात गवाहों को पेश किया। गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने पति संजीत कुमार को दहेज हत्या का दोषी करार दिया और सजा सुनाई।मामले की प्राथमिकी मृतका के भाई वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र निवासी दीपक कुमार ने 18 सितंबर 2024 को कथैया थाने में दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार, गुंजा कुमारी की शादी 25 अप्रैल 2024 को प्यारेपुर निवासी संजीत कुमार के साथ हुई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर दो लाख रुपये दहेज की मांग करने का आरोप लगाया गया था। परिजनों का आरोप था कि दहेज की मांग पूरी करने में असमर्थता जताने पर गुंजा को लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। उसके साथ मारपीट और अमानवीय व्यवहार किए जाने की बात भी प्राथमिकी में कही गई थी।16 सितंबर 2024 की सुबह मायके वालों को फोन कर ससुराल बुलाया गया। परिजन जब प्यारेपुर स्थित ससुराल पहुंचे तो घर खुला था और ससुराल पक्ष के सभी लोग वहां से फरार थे। कमरे का हैंडल खोलकर देखने पर गुंजा फंदे से लटकी मिली। परिजनों के अनुसार, घटना के समय गुंजा करीब ढाई माह की गर्भवती थी। मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर पति संजीत कुमार को दोषी माना और 10 वर्ष के सश्रम कारावास तथा पांच हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई।

आज रामदयालु प्रशाखा के कई इलाकों में दो घंटे बिजली रहेगी बाधित

मुजफ्फरपुर। विद्युत आपूर्ति प्रशाखा रामदयालु के अंतर्गत 2 सितंबर 2026 को 33 केवी खबरा लाइन के बगल से गुजर रहे नए फीडर में पोल गाड़ने का कार्य किया जाएगा। इसको लेकर संबंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित रहेगी। विद्युत विभाग के अनुसार सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान खबरा, मझौलिया, नेहरू नगर, भगवानपुर, डुमरी सहित आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित होगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि निर्धारित अवधि को ध्यान में रखते हुए आवश्यक विद्युत संबंधी कार्य पहले ही निपटा लें और बिजली बाधित रहने के दौरान सहयोग करें।

सम्पादकीय

क्या महिलाएं आज भी सुरक्षित हैं?

सुनील कुमार महला

हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली में चलती स्लीपर बस में 16 वर्षीय छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार घटना के आरोपी बस चालक और कंडक्टर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा बस को भी जब्त कर लिया गया है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर यह गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर देश में महिलाएं और बालिकाएं कितनी सुरक्षित हैं? इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि जिस बस में यह हैवानियत हुई, वह करीब 47 किलोमीटर तक चलती रही, लेकिन इस दौरान न तो बस को किसी चेकपोस्ट पर रोका गया और न ही किसी स्तर पर ऐसी कोई निगरानी सामने आई, जिससे इस अपराध को समय रहते रोका जा सकता। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आरोपी बस चालक और कंडक्टर दोनों ही कानपुर के रहने वाले हैं, जबकि पीड़िता उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली और कक्षा 11वीं की छात्रा है। घटना 4 अगस्त की रात की बताई जा रही है, जो अब सामने आई है। बताया जाता है कि छात्रा किसी बात को लेकर अपने परिजनों से नाराज होकर बिना बताए नोएडा में रहने वाले अपने चचेरे भाई के पास जा रही थी। बारिश और अंधेरे के कारण वह गलती से परी चौक पर उतर गई। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक खाली स्लीपर बस को देखकर उसने रुकने का इशारा किया। चालक ने बस रोककर उसे उसमें बैठा लिया। आरोप है कि इसके बाद कंडक्टर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी। पीड़िता के अनुसार, चालक और कंडक्टर ने उसके साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले को और गंभीर बनाने वाली बात यह है कि बस में पर्दे लगे हुए थे और कथित तौर पर सीसीटीवी कैमरे भी बंद थे। सवाल यह है कि करीब 47 किलोमीटर के लंबे सफर के दौरान बस के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ यह जघन्य अपराध होता रहा और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि इतने लंबे रास्ते में बस किसी चेकपोस्ट या निगरानी बिंदु पर क्यों नहीं रोकी गई? यदि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में निगरानी के पर्याप्त इंतजाम होते, सीसीटीवी कैमरे सक्रिय होते और बसों की नियमित जांच की जाती, तो संभव है कि इस घटना को समय रहते रोका जा सकता था। बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि तमाम कड़े कानूनों, पुलिस गश्त और महिला सुरक्षा के दावों के बावजूद दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अब भी गंभीर चिंताएं बनी हुई हैं। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते दिल्ली से यह अपेक्षा की जाती है कि यहां कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक सुरक्षा की व्यवस्था देश के अन्य शहरों की तुलना में अधिक मजबूत और प्रभावी होगी। लेकिन यह विडंबना ही है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में दिल्ली लंबे समय से सवालों के घेरे में रही है। पाठक यह जानते हैं कि वर्षों पहले हुए निर्भया कांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। 16 दिसंबर 2012 की उस भयावह घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कानूनों में व्यापक बदलाव किए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 के माध्यम से बलात्कार से संबंधित कानूनी प्रावधानों को अधिक कठोर बनाया गया तथा यौन उत्पीड़न, पीछा करना (स्टॉकिंग), ताक-झांक (वॉययूरिज्म), तेजाब हमला और महिला को निर्वस्त्र करने जैसे अपराधों को स्पष्ट रूप से दंडनीय बनाया गया। गंभीर परिस्थितियों में बलात्कार के लिए आजीवन कारावास तथा कुछ मामलों में मृत्युदंड तक का प्रावधान किया गया। बाद में 2018 में 12 वर्ष से कम उम्र की बच्चियों से बलात्कार के मामलों में भी मृत्युदंड का प्रावधान जोड़ा गया। महिलाओं की सुरक्षा, आपातकालीन सहायता और अन्य सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के उद्देश्य से निर्भया फंड के माध्यम से भी कई पहल की गईं। लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि क्या केवल कानूनों को कठोर बना देने से महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है? दिल्ली में निजी बस के भीतर एक नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म और फिर उसे बाहर फेंक दिए जाने की घटना बताती है कि कानून की कठोरता और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच अभी भी एक बड़ी खाई मौजूद है। वास्तव में, कानून तभी प्रभावी होगा, जब अपराधी को उसके उल्लंघन का त्वरित और निश्चित परिणाम दिखाई दे। यदि अपराधी को यह विश्वास हो जाए कि वह निगरानी व्यवस्था को आसानी से चकमा दे सकता है, तो कठोर कानून का भय भी कमजोर पड़ जाता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर चिंता पैदा करते रहे हैं।

22 हजार करोड़ का दावा, 6.5 करोड़ का निपटारा: आखिर किस कीमत पर?

डॉ. प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा सुभाष चंद्र बैंक के लगभग 22,006 करोड़ रुपये के दावों के निपटारे को मात्र 6.5 करोड़ रुपये में अस्थायी मंजूरी देने के आदेश ने बैंकिंग क्षेत्र को झकझोर दिया है और दिवालियापन कानून तथा देश के आर्थिक न्याय को लेकर विवाद खड़ा कर दिया है। यह टकराव केवल व्यावसायिक संघर्ष नहीं है, बल्कि बड़े कॉरपोरेट समूहों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, नियामक संस्थानों और न्यायपालिका की व्यवस्था के लिए एक चुनौती है, जो एक ही मंच पर खड़े दिखाई देते हैं। जब इतने बड़े ऋण की वसूली के लिए 99.97 प्रतिशत तक की कटौती की जाती है, तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि कानून निष्पक्ष होगा, या कम से कम आर्थिक शक्ति के अनुरूप कानून की व्याख्या अपरिवर्तित रहेगी। इसलिए, इस निर्णय ने जनता की नाराजगी, राजनीतिक बहस और संस्थानों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।दिवालियापन और दिवालिया संहिता मूल रूप से संकटग्रस्त कंपनियों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर पुनर्जीवित करने, लेनदारों के हितों की रक्षा करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के लिए बनाई गई थी। हालांकि, यदि कोई समाधान योजना इतनी कठोर प्रतीत होती है कि अधिकांश दावे को छोड़ दिया जाता है, तो समाधान प्रक्रिया की वास्तविक प्रकृति पर सवाल उठना स्वाभाविक है। किसी कानून की वैधता केवल यह नहीं है कि वह कानूनी रूप से एक प्रक्रिया स्थापित कर सकता है, बल्कि यह उचित और जनहित के अनुरूप भी होना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के धन में भारी कमी - जो अंततः नागरिकों की जमा राशि और करों द्वारा समर्थित है - प्रणाली की जवाबदेही को प्रभावित करेगी। इससे यह धारणा बनती है कि उधारकर्ता का सामाजिक वर्ग, राजनीतिक संबंध और व्यावसायिक शक्ति वसूली की समय-सारणी और उसकी गंभीरता को प्रभावित कर सकती है। यह एक संवेदनशील मुद्दा है क्योंकि भारत में बैंकिंग प्रणाली छोटे कर्जदारों के प्रति बेहद कठोर मानी जाती है। किसान, छोटे व्यापारी, निम्न मध्यम वर्ग के वेतनभोगी और शिक्षा ऋण लेने वाले छात्रों को मामूली चूक पर भी अक्सर नोटिस, वसूली की कार्रवाई और दंड का दबाव झेलना पड़ता है। इसके विपरीत, जब बड़े व्यावसायिक ऋणों की बात आती है, तो पुनर्गठन, समाधान और कटौती जैसे तकनीकी शब्द आम नागरिक को यह नहीं समझा पाते कि नुकसान किसका होगा। 22,000 करोड़ की बड़ी रियायत से असमानता पैदा होना तय है, जब एक किसान की जमीन 50,000 के बकाया ऋण के कारण खतरे में पड़ जाती है। यह असमानता न केवल आर्थिक है, बल्कि नैतिक भी है, जो राज्य और उसकी संस्थाओं में नागरिकों के विश्वास को प्रभावित करती है। इस मुद्दे का एक और पहलू भारत की कॉर्पोरेट ऋण वसूली व्यवस्था की अपारदर्शिता है। दावे की वास्तविक राशि, स्वीकृत प्रतिशत, कटौती के निर्धारण में प्रयुक्त प्रक्रिया और संबंधित परिसंपत्तियों के मूल्यांकन का आधार आम नागरिक के लिए समझना कठिन है। जब दस्तावेज, मूल्यांकन और निर्णय लेने की प्रक्रिया सरल भाषा में उपलब्ध न हों और सार्वजनिक जांच के लिए खुले न हों, तो ऐसे मामलों में संदेह होना स्वाभाविक है। यह संदेह तब और भी प्रबल हो जाता है जब कोई निर्णय ऐसे समय में आता है जब सरकार और बड़े उद्योगपतियों के बीच किसी प्रकार का संबंध है या नहीं, इस पर राजनीतिक बहस चल रही होती है। इसलिए यह केवल एक व्यक्ति या एक कंपनी का मामला नहीं है, बल्कि यह वित्तीय न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता का प्रश्न है। समर्थकों के बीच यह बहस हो सकती है कि दिवालियापन व्यवस्था का लक्ष्य हमेशा अधिकतम वसूली नहीं बल्कि एक व्यावहारिक समाधान होना चाहिए।

आईएएस/आईपीएस अधिकारियों का इस्तीफा

इसलिए, आईएएस या आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा व्यक्तिगत पसंद नहीं माना जा सकता। यह प्रशासन, संगठनात्मक संस्कृति और शासन प्राथमिकताओं से जुड़े मुद्दों को भी संबोधित करता है। लेकिन हाल के वर्षों में, इस तरह के इस्तीफों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी प्रणाली अपने सबसे कुशल और उच्च प्रशिक्षित अधिकारियों को ऐसा कार्यस्थल प्रदान कर सकती है जहां वे स्वतंत्रता, गरिमा और उद्देश्य के साथ अपनी प्रतिभा का उपयोग कर सकें। आईएएस/आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा किसी सामान्य कर्मचारी के इस्तीफे जैसा नहीं होता। इन सेवाओं में प्रवेश पाने के लिए देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक को उत्तीर्ण करना, गहन प्रशिक्षण लेना और वर्षों तक जिम्मेदारियां निभाना आवश्यक होता है। जब कोई अधिकारी इस तरह के करियर को छोड़ने का फैसला करता है, तो स्वाभाविक है कि समाज उससे पूछेगा कि उसने ऐसा क्यों किया। सभी इस्तीफे व्यवस्था में खामियों के कारण नहीं होते। कारण वास्तविक हो सकते हैं, जैसे पारिवारिक जिम्मेदारियां, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत परिस्थितियां, वैकल्पिक करियर या जीवनशैली में बदलाव। हालांकि, अन्य स्थितियों में, इस्तीफे निर्णय लेने की शक्ति की कमी, राजनीतिक या संस्थागत तनाव और कार्य परिस्थितियों से उत्पन्न दीर्घकालिक असंतोष के कारण भी हो सकते हैं।

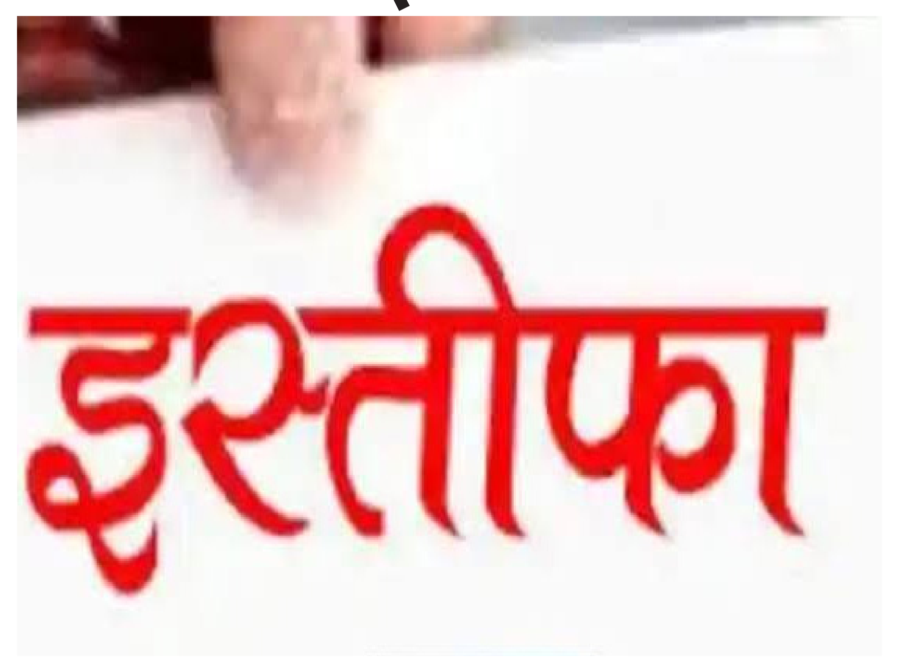

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) को भारत की शासन प्रणाली की रीढ़ माना जाता है। इन सेवाओं में प्रवेश केवल सरकारी नौकरी पाने का साधन नहीं है, बल्कि संविधान, राज्य और जनता के प्रति प्रतिबद्धता भी है। इसलिए, आईएएस या आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा व्यक्तिगत पसंद नहीं माना जा सकता। यह प्रशासन, संगठनात्मक संस्कृति और शासन प्राथमिकताओं से जुड़े मुद्दों को भी संबोधित करता है। लेकिन हाल के वर्षों में, इस तरह के इस्तीफों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी प्रणाली अपने सबसे कुशल और उच्च प्रशिक्षित अधिकारियों को ऐसा कार्यस्थल प्रदान कर सकती है जहां वे स्वतंत्रता, गरिमा और उद्देश्य के साथ अपनी प्रतिभा का उपयोग कर सकें। आईएएस/आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा किसी सामान्य कर्मचारी के इस्तीफे जैसा नहीं होता। इन सेवाओं में प्रवेश पाने के लिए देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक को उत्तीर्ण करना, गहन प्रशिक्षण लेना और वर्षों तक जिम्मेदारियां निभाना आवश्यक होता है। जब कोई अधिकारी इस तरह के करियर को छोड़ने का फैसला करता है, तो स्वाभाविक है कि समाज उससे पूछेगा कि उसने ऐसा क्यों किया। सभी इस्तीफे व्यवस्था में खामियों के कारण नहीं होते। कारण वास्तविक हो सकते हैं, जैसे पारिवारिक जिम्मेदारियां, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत परिस्थितियां, वैकल्पिक करियर या जीवनशैली में बदलाव। हालांकि, अन्य स्थितियों में, इस्तीफे निर्णय लेने की शक्ति की कमी, राजनीतिक या संस्थागत तनाव और कार्य परिस्थितियों से उत्पन्न दीर्घकालिक असंतोष के कारण भी हो सकते हैं। ऐसे में सवाल व्यक्तिगत नहीं रह जाता, बल्कि संस्थागत हो जाता है। प्रशासनिक अधिकारियों का मनोबल शासन की प्रभावशीलता से गहराई से जुड़ा होता है। प्रशासनिक प्रभावशीलता समय के साथ तब कमजोर हो सकती है जब अधिकारी को यह महसूस होता है कि निर्णय नियमों, कानूनों और जनहित के बजाय बाहरी दबावों के आधार पर लेने पड़ते हैं। यह विशेष रूप से ज़िला स्तर पर सच है, जहाँ प्रशासकों और पुलिस अधिकारियों को अक्सर कानून-व्यवस्था, विकास, सामाजिक तनाव और जनता की शिकायतों तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। नागरिकों की अपेक्षाएँ होती हैं, और वहाँ राजनीतिक और संस्थागत दबाव भी होते हैं। जब ये दबाव बढ़ते हैं और अधिकारी के पास अपने विवेक का उपयोग करने का सीमित अवसर होता है, तो असंतोष और हताशा का उत्पन्न होना निश्चित है। इसलिए, जब भी नौकरी समाप्त करने के लिए वास्तविक व्यक्तिगत कारण मौजूद हों, तो उन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए; हालाँकि, जहाँ संस्थागत कारण मौजूद हों, उन्हें केवल यह कहकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए कि बर्खास्तगी व्यक्तिगत कारण से थी। आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की स्थिरता, व्यावसायिकता और लोक सेवा के प्रति समर्पण उनके सर्वोत्तम गुणों में से हैं। लेकिन अगर अधिकारी अपने पेशेवर विवेक का पालन करने के बजाय अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने लगें तो यह गुण धूमिल हो सकते हैं। परियोजनाओं में देरी, कानून-व्यवस्था पर दबाव, शिकायतों पर निष्क्रियता और तबादलों को लेकर अनिश्चितता, ये सभी कारक अधिकारी के मनोबल को प्रभावित कर सकते हैं। एक सक्षम अधिकारी से कठिन परिस्थितियों में कड़े निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। इसके लिए अधिकारी को संस्थागत समर्थन और पेशेवर आत्मविश्वास भी मिलना आवश्यक है। समय के साथ, किसी निर्णय के प्रति साहसिक और निष्पक्ष दृष्टिकोण कमजोर पड़ सकता है क्योंकि अधिकारी अपने करियर को ध्यान में रखते हुए उसका मूल्यांकन करने लगते हैं। आज के युवा सरकारी कर्मचारियों के रूप में सुरक्षित नौकरी या आजीविका से संतुष्ट नहीं हैं। नौकरी से संतुष्टि, बेहतर कार्य-जीवन संतुलन, गरिमा और कौशल का सार्थक उपयोग भी पेशेवर स्वतंत्रता के लिए महत्वपूर्ण कारक बनकर उभर रहे हैं। यह बदलाव हमेशा बुरा नहीं होता। बल्कि, यह सरकारी संस्थानों के लिए अपने कार्यस्थल संस्कृति को आधुनिक बनाने का एक अवसर है। यदि कोई अधिकारी आश्वस्त है कि कोई अन्य क्षेत्र अधिक स्वायत्त है, बेहतर कार्य वातावरण प्रदान करता है और विचारों को व्यवहार में लाने के अधिक अवसर प्रदान करता है, तो सेवा छोड़ने के निर्णय को प्रतिबद्धता की कमी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह इस बात का भी संकेत दे सकता है कि सरकारी संस्थानों की प्रतिभा अधिग्रहण और प्रतिधारण रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए। हालांकि, इस मामले पर निष्पक्ष रूप से विचार किया जाना चाहिए। प्रत्येक अधिकारी का अनुभव अद्वितीय होता है और प्रत्येक इस्तीफा प्रणाली पर दोषारोपण नहीं है। कुछ छिटपुट घटनाओं के आधार पर आईएएस/आईपीएस का मूल्यांकन करना भी उतना ही गलत होगा। हजारों अधिकारी बेहद कठिन परिस्थितियों में भी लगन और मेहनत से काम करते हैं। लेकिन, यदि इस्तीफों का एक स्पष्ट पैटर्न दिखाई देता है, विशेष रूप से उन अधिकारियों से जो सक्षम हैं, सत्यनिष्ठा से परिपूर्ण हैं और निर्णय लेने में स्वतंत्र हैं, तो इसे महज एक संयोग मानकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए। ऐसी स्थिति में सरकार, कार्मिक विभाग और सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारियों को यह विचार करना चाहिए कि व्यक्ति, वातावरण या संस्था में क्या खामी है। इस प्रश्न का सबसे संवेदनशील पहलू शायद जनता का विश्वास है। नागरिक ऐसे अधिकारियों की ओर देखते हैं जिन्होंने देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक को उत्तीर्ण किया हो और जो व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान दें। तो ऐसे में क्या होता है जब वे पद छोड़ने का फैसला करते हैं? स्वाभाविक रूप से वे स्वयं से यह प्रश्न पूछते हैं: क्या शासन प्रणाली अपने सर्वश्रेष्ठ लोगों को आकर्षित कर सकती है? जब योग्य और प्रशिक्षित लोग बड़ी संख्या में सार्वजनिक संस्थानों को छोड़ने लगते हैं, तो इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

विरासत - पिता और संतान के बीच बदलती बिहार की राजनीति

यह केवल एक धार्मिक वाक्य नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच विरासत के हस्तांतरण का गहरा दर्शन है। पिता अपनी संतान को केवल संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा या राजनीतिक प्रभाव नहीं देता, बल्कि अपने कर्म, संस्कार, विचार और जीवन-मूल्यों की विरासत भी सौंपता है। संतान की परवरिश केवल उसे पढ़ा-लिखाकर नौकरी या व्यवसाय के योग्य बना देने से पूरी नहीं होती। उसके शरीर, चरित्र, व्यवहार, विवेक, आत्मबोध और जिम्मेदारी की भावना का विकास भी उतना ही आवश्यक है। क्योंकि अंततः संतान को केवल जीवन जीना नहीं होता, बल्कि उस विरासत को भी संभालना होता है जिसे पिछली पीढ़ी ने वर्षों के संघर्ष से अर्जित किया है। किसी बड़े पिता की संतान होना निश्चित रूप से सौभाग्य है। पिता की उपलब्धियां संतान के लिए रास्ते खोलती हैं, समाज में पहचान देती हैं और संघर्ष की कई कठिनाइयों को कम कर देती हैं। लेकिन यही विरासत कई बार संतान के लिए सबसे बड़ी चुनौती भी बन जाती है। जब पिता का कद बहुत ऊंचा हो, तब संतान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न होता है कि वह अपनी पहचान कैसे बनाए। पिता की छाया इतनी विशाल हो सकती है कि उसके नीचे खड़े होकर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना कठिन हो जाता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

तैत्तिरीय उपनिषद् में पिता द्वारा संतान को दिए जाने वाले संस्कारों का एक अत्यंत महत्वपूर्ण सूत्र मिलता है यान्यस्माकं सुचरितानि तानि त्वयोपास्यानि। अर्थात, हमारे जो अच्छे आचरण हैं, उन्हें तुम अपने जीवन में अपनाना। यह केवल एक धार्मिक वाक्य नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच विरासत के हस्तांतरण का गहरा दर्शन है। पिता अपनी संतान को केवल संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा या राजनीतिक प्रभाव नहीं देता, बल्कि अपने कर्म, संस्कार, विचार और जीवन-मूल्यों की विरासत भी सौंपता है। संतान की परवरिश केवल उसे पढ़ा-लिखाकर नौकरी या व्यवसाय के योग्य बना देने से पूरी नहीं होती। उसके शरीर, चरित्र, व्यवहार, विवेक, आत्मबोध और जिम्मेदारी की भावना का विकास भी उतना ही आवश्यक है। क्योंकि अंततः संतान को केवल जीवन जीना नहीं होता, बल्कि उस विरासत को भी संभालना होता है जिसे पिछली पीढ़ी ने वर्षों के संघर्ष से अर्जित किया है। किसी बड़े पिता की संतान होना निश्चित रूप से सौभाग्य है। पिता की उपलब्धियां संतान के लिए रास्ते खोलती हैं, समाज में पहचान देती हैं और संघर्ष की कई कठिनाइयों को कम कर देती हैं। लेकिन यही विरासत कई बार संतान के लिए सबसे बड़ी चुनौती भी बन जाती है। जब पिता का कद बहुत ऊंचा हो, तब संतान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न होता है कि वह अपनी पहचान कैसे बनाए। पिता की छाया इतनी विशाल हो सकती है कि उसके नीचे खड़े होकर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना कठिन हो जाता है। लोग संतान को उसके नाम से कम और पिता के नाम से अधिक पहचानने लगते हैं। उसकी हर उपलब्धि की तुलना पिता से होने लगती है और हर असफलता को पिता की विरासत से जोड़कर देखा जाता है। हर संतान पिता की प्रतिलिपि नहीं हो सकती। यह प्रकृति का नियम है। संतान का व्यक्तित्व अलग होगा, उसकी सोच अलग होगी और उसकी क्षमता भी अलग हो सकती है। इसलिए पिता की हूबहू नकल बनने की अपेक्षा करना उचित नहीं। लेकिन पिता के अच्छे संस्कारों, अनुशासन, संघर्षशीलता और मूल्यों को आत्मसात करना संतान की जिम्मेदारी अवश्य है। हमारे समाज में विरासत का अर्थ अक्सर संपत्ति से लगाया जाता है। मकान, जमीन, कारोबार, बैंक बैलेंस, पद और राजनीतिक प्रभाव, इन सबको विरासत मान लिया जाता है। लेकिन वास्तविक विरासत इससे कहीं बड़ी होती है। एक पिता अपनी संतान को ईमानदारी की विरासत दे सकता है। वह उसे कठिन परिस्थितियों में धैर्य रखने की सीख दे सकता है। वह उसे लोगों के सम्मान, कमजोरों की सहायता और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव दे सकता है। यही विरासत आने वाली पीढ़ियों को मजबूत बनाती है। यदि करोड़ों की संपत्ति संतान को मिल जाए लेकिन उसे संभालने का विवेक न मिले, तो वह संपत्ति कुछ ही वर्षों में समाप्त हो सकती है। इसके विपरीत सीमित साधनों के बावजूद यदि संतान को संस्कार, मेहनत और निर्णय लेने की क्षमता मिल जाए, तो वह अपनी दुनिया स्वयं बना सकती है। इसलिए पिता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह नहीं है कि वह अंत समय में संपत्ति बांटे, बल्कि यह है कि वह समय रहते संतान को उस विरासत के योग्य बनाए। विरासत का बंटवारा अक्सर उस समय विवाद का कारण बनता है, जब परिवार के भीतर संवाद और संस्कार की जगह स्वार्थ ले लेता है। यदि पिता ने जीवनकाल में ही संतान को जिम्मेदारी का अवसर दिया, तो भविष्य के विवाद की संभावना कम हो जाती है। संपत्ति देना आसान है, लेकिन संपत्ति संभालने की योग्यता पैदा करना कठिन है। पद देना आसान है, लेकिन पद की गरिमा बनाए रखना कठिन है। राजनीतिक विरासत सौंपना आसान है, लेकिन जनता का विश्वास बनाए रखना सबसे कठिन काम है। यही कारण है कि कई परिवारों में पिता के जीवनकाल में सब कुछ व्यवस्थित दिखाई देता है, लेकिन उनके कमजोर पड़ते ही विरासत को लेकर संघर्ष शुरू हो जाता है। तब सवाल यह नहीं रहता कि किसे क्या मिला, बल्कि सवाल यह बन जाता है कि कौन कितना हासिल कर सकता है। यहीं से रिश्तों में दरार आती है और विरासत अधिकार के बजाय संघर्ष का मैदान बन जाती है। कभी-कभी पिता का व्यक्तित्व इतना असाधारण होता है कि उसकी बराबरी करना संतान के लिए संभव नहीं होता है। इतिहास, राजनीति, समाज, साहित्य और व्यवसाय, हर क्षेत्र में ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहां पिता का कद बहुत बड़ा रहा है, लेकिन संतान ने उसी ऊंचाई की नकल करने के बजाय अपनी अलग राह बनाई है।यही वास्तविक सफलता है। पिता के प्रकाश में अपनी राह बनाना, पिता की उपलब्धियों को सम्मान देना और साथ ही अपनी प्रतिभा से नया अध्याय लिखना किसी भी संतान की सबसे बड़ी उपलब्धि हो सकती है। विरासत का अर्थ यह नहीं है कि पिछली पीढ़ी जहां पहुंची, अगली पीढ़ी भी वहीं पहुंचे। असली विरासत तो तब सफल मानी जाती है, जब अगली पीढ़ी उस आधार पर कुछ नया निर्माण करे। राजनीति में विरासत का प्रश्न और भी जटिल हो जाता है। यहां केवल परिवार का नाम पर्याप्त नहीं होता। जनता की स्वीकृति, संगठन का समर्थन, कार्यकताओं का विश्वास और समय की मांग, इन सभी का अपना महत्व है। बिहार की राजनीति में इन दिनों विरासत को लेकर जुबानी जंग का वातावरण इसी व्यापक बदलाव की ओर संकेत करता है। पुरानी पीढ़ी धीरे-धीरे राजनीतिक परिदृश्य से पीछे हट रही है और नई पीढ़ी अपने लिए जगह बनाने की कोशिश कर रही है। कई राजनीतिक परिवारों में उत्तराधिकार की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है, जबकि कुछ परिवारों में यह सवाल अभी भी संघर्ष का विषय बना हुआ है। यह बदलाव स्वाभाविक है। राजनीति में कोई भी स्थान स्थायी नहीं होता। जनता समय के साथ अपनी पसंद बदलती है और राजनीतिक परिस्थितियां भी लगातार परिवर्तित होती रहती हैं। नई पीढ़ी को अवसर मिलना चाहिए, लेकिन अवसर के साथ जिम्मेदारी भी मिलनी चाहिए। केवल इसलिए कि कोई व्यक्ति किसी बड़े राजनीतिक परिवार में पैदा हुआ है, उसे विरासत का स्वाभाविक उत्तराधिकारी मान लेना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता है। उसे यह सिद्ध करना होगा कि वह जनता की समस्याओं को समझता है, कार्यकताओं के साथ खड़ा रह सकता है और कठिन परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता रखता है। पुरानी पीढ़ी का अनुभव और नई पीढ़ी की ऊर्जा यदि साथ आ जाए तो राजनीति को नई दिशा मिल सकती है।

संबंधों से तय होते हैं बातों के अर्थ

राजीव थेपडा

जीवन में लोगों के साथ जीते हुए हम सब ने लगातार यह पाया होगा कि बहुतों बार आपस में बातचीत करते हुए एक ही व्यक्ति या समूह के साथ एक ही बात पर दूसरे व्यक्ति या समूह की अपेक्षा की तुलना में कुछ अलग सी ही भावाभिव्यक्ति की जाती है और यह सिर्फ यह केवल बाहर नहीं होता। अपने घर में भी होता है। हम लगातार यह देखते हैं कि जिन लोगों के आपस में संबंध बेहतर होते हैं, उनके बीच हुई कोई कटु बात भी बड़ी आसानी से संबंधों में समाहित कर ली जाती है। लेकिन जिन लोगों के आपस में संबंध इतने अच्छे अथवा बेहतर ढंग से सामंजस्य पूर्ण नहीं होते उन लोगों की सामान्य बातों को भी तूल दे दिया जाता है या उनकी सामान्य सी बातों के भी कई कई बार गलत अर्थ निकाल लिए जाते हैं। यह संसार में हर जगह हर घर, हर संस्थान, हर समूह में हुआ करता है और यह सब इतना ज्यादा होता है कि आपसी देन लेन में भी यह अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। जिनके साथ आपके संबंध अच्छे हैं या जो घर में मजबूत पोजीशन में है, उनके साथ का देन लेन और जो थोड़ी कमतर स्थिति में है उसके साथ के देन लेन में भी स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। माथा देखकर टीका गाड़ना वाली कहावत संभवतः इसी से निकली होगी!! तो यह स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है कि भले ही शब्दों के अर्थ डिक्शनरी के अनुसार एक ही हुआ करते हैं। लेकिन व्यवहार में इस सांसारिक दुनिया में वास्तव में शब्दकोश का उतना महत्व नहीं है, जितना आपसी संबंधों के आधार पर जानबूझकर गलत अर्थ बना लिए गए अर्थों का महत्व है। तो आपसी संबंधों के अनुसार शब्दकोश में दर्शाए गए अर्थ भी बदल जाते हैं। और खराब संबंध होने पर फूल की खुशबू भी दुर्गंध मालूम पड़ती है और अच्छे संबंध होने पर किसी बदबू को भी आदमी सुगंध की तरह स्वीकार कर लेता है!! यह सब अपने आप में बड़ा अटपटा है!! किंतु इसी को दुनियादारी कहते हैं और एक्चुअली दुनियादारी आपसी स्वार्थ के समायोजन को कहा जाता है, जिससे जितना स्वार्थ सधता है, उसके संग वैसी ही दुनियादारी अपनाई जाती है!! किसी भी क्षेत्र में कोई वैचारिक तथ्य या कोई बौद्धिक बात भी इसी तरह अपने अर्थ बदलते हैं। विचारों के अनुसार भी और संबंधों के अनुसार भी। किसी से अच्छा संबंध हो, तो मतलब उसके अनुसार निकलता है और बुरा संबंध हो, तो वही मतलब बदल जाता है और यहां तक कि जिसे हम बहुत चाहते हैं और पसंद करते हैं, उनसे भी जब हमारा किसी प्रकार का मनमुटाव हो जाता है या झगड़ा हो जाता है। तो भी उसी बात का अर्थ तब बदल जाता है। कुल मिलाकर यही है कि आदमी की दुनिया असल में किसी भी प्रकार अपने स्वार्थों को पूरा करने की दुनिया है और उन स्वार्थों को पूरा करने के लिए छल, छद्म, धूर्तता व हर किस्म के अन्य साधन अपनाए जाते हैं। लेकिन यह सब करते हुए आदमी इस बात की फिराक में भी रहता है कि उसका यह धूर्तता शायद किसी को पता ना चले! बहुतों बार, बहुतों समय तक ऐसा हो भी जाता है। लेकिन अंततः असली बात सामने आती हैं और तब चीजें बदल जाती हैं!! और तब अक्सर परिणाम अच्छे नहीं निकलते। किंतु आदमी ने भला कुछ भी करने से पहले कभी सोचा ही कहां है! यदि वह कुछ करने से पहले थोड़ा सा भी सोच ले, तो फिर उसके कुल परिणामों की गणना करने पर संभव है कि अपने स्वार्थ त्याग देने लायक लगेंगे। किंतु आदमी में स्वहित सदैव समष्टि हित पर हावी रहा है। इसलिए आदमी कभी भी कुछ भी करने से पूर्व समष्टि के बारे में कुछ सोचता ही नहीं है, उसे केवल और केवल अपने स्वार्थ दिखते हैं और हमें नहीं लगता कि आदमी की दुनिया में इससे दीगर भी कोई और बात कभी हो सकेगी !

मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक में नकारात्मक समाचारों की समीक्षा के लिए हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निर्देश के आलोक में दिनांक मंगलवार को उप विकास आयुक्त, सारण की अध्यक्षता में मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले से संबंधित विभिन्न प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित एवं प्रसारित नकारात्मक समाचारों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान संबंधित समाचारों में उठाए गए बिंदुओं के आलोक में विभागीय स्तर पर की गई कार्रवाई एवं उसके अनुपालन की स्थिति की समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी के नोडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि प्राप्त समाचारों के आधार पर नियमित रूप से अनुपालन प्रतिवेदन तैयार किया जाए तथा संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक प्रतिवेदन समयबद्ध रूप से प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन समाचारों में प्रशासन अथवा संबंधित विभाग से जुड़े तथ्यों को सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत नहीं किया गया हो, ऐसे मामलों में तथ्यात्मक एवं प्रमाणिक जानकारी के आधार पर आवश्यक खंडन संबंधित प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित एवं प्रसारित कराया जाए। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि मीडिया में प्रकाशित एवं प्रसारित समाचारों पर निरंतर एवं प्रभावी निगरानी रखी जाए तथा जनहित से जुड़े मामलों में त्वरित संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, प्रशासन की ओर से आमजन को सही, प्रमाणिक एवं अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराने के लिए संबंधित विभागों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने पर बल दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी द्वारा जिले से संबंधित समाचारों की नियमित निगरानी करते हुए प्राप्त मामलों पर आवश्यक कार्रवाई, अनुपालन प्रतिवेदन एवं तथ्यात्मक स्पष्टीकरण की प्रक्रिया को प्रभावी एवं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाएगा।

सारण में आज से चिकित्सा आपके द्वार, घर-घर होगी गंभीर बीमारियों की स्क्रीनिंग

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा नगर। सारण जिले में गंभीर एवं गैर- संचारी रोगों की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित करने के लिए बुधवार से हाजांच एवं उपचार चिकित्सा आपके द्वार विशेष अभियान का शंखनाद होगा। राज्य स्तर पर अभियान की शुरुआत 2 सितंबर को पटना स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम में स्वास्थ्य मंत्री निशांत की उपस्थिति में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करेंगे। इसके बाद जिले में स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर- घर पहुंच कर लोगों की स्क्रीनिंग करेंगी। इस संबंध में जिला गैर- संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. भूपेंद्र कुमार ने बताया कि अभियान के लिए विशेष टीमों को लगाया गया है। आशा कार्यकर्ता, आशा फैसिलिटेटर और एएनएम घर- घर जाकर फैमिली फोल्डर और सी- बैक फॉर्म भरेंगी। इससे बीमारी के संभावित जोखिम वाले लोगों की सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की ऊंचाई, वजन और बीएमआई की जांच की जाएगी। प्रखंड और जिला स्तर पर अभियान की नियमित समीक्षा होगी। बीएचएम, बीसीएम और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी प्रतिदिन प्रगति की निगरानी करेंगे, जबकि एनसीडी पोर्टल पर आंकड़ों की रियल- टाइम एंट्री की जाएगी। फैटी लिवर से लेकर कैंसर तक की होगी पहचान: डॉ संतोष कुमार होमी भाभा कैंसर सह शोध संस्थान के डॉ संतोष कुमार ने बताया कि फैटी लिवर की स्क्रीनिंग में बीएमआई के साथ कमर का घेरा मापा जाएगा। अधिक जोखिम वाले लोगों से शराब सेवन संबंधी जानकारी ली जाएगी और गैर- शराबियों में फैटी लिवर की आशंका होने पर उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया जाएगा। वहीं धूम्रपान, चूल्हे के धुएं के संपर्क और लगातार कफ जैसी समस्याओं वाले लोगों की सांस संबंधी जांच की जाएगी। जरूरत पड़ने पर पीक फ्लो मीटर और एक्स-रे की सुविधा मिलेगी। कैंसर स्क्रीनिंग के दौरान मुंह के छाले, अल्सर और मुंह खुलने की क्षमता की जांच की जाएगी। महिलाओं में स्तन और सर्वाइकल कैंसर के संभावित लक्षणों की पहचान कर आवश्यकता के अनुसार उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर किया जाएगा। बीमारी की समय पर पहचान और त्वरित उपचार अभियान का मुख्य उद्देश्य: स्वाति शेरपुर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सीएचओ स्वाति ने बताया कि अभियान की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आशा, एएनएम और अन्य स्वास्थ्यकर्मी घर- घर पहुंच कर लोगों को उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रति जागरूक करने के साथ जांच और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। अभियान के तहत मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, सीओपीडी, नॉन- अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज तथा मुंह, स्तन और सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग की जाएगी। इस दौरान लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श, पंजीकरण, आवश्यक जांच और दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी। क्योंकि बदलती जीवनशैली के कारण गैर- संचारी रोगों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में बीमारी को गंभीर अवस्था में पहुंचने से पहले ही पहचानना और उपचार शुरू करना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

संक्षिप्त खबरें

वरीय पुलिस अधीक्षक ने की जन शिकायतों पर सुनवाई

छपरा सदर। मंगलवार को सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय छपरा में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में आए आवेदकों ने उपस्थित होकर अपनी समस्या बताई, सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। विदित हो कि पुलिस कार्यालय में प्रत्येक कार्य दिवस पर भौतिक रूप से 10:00 बजे सुबह से 02:00 शाम तक जनसुनवाई की जाती है।

छपरा सदर अस्पताल में लगभग एक वर्ष से बंद ब्लड सेपरेशन मशीन को शीघ्र चालू कराने की मांग

छपरा कार्यालय।आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) सारण के जिला अध्यक्ष शेख नौशाद ने जिलाधिकारी, सारण को आवेदन देकर छपरा सदर अस्पताल में लगभग एक वर्ष से रखी ब्लड सेपरेशन मशीन को शीघ्र चालू कराने की मांग की है। शेख नौशाद ने कहा कि सदर अस्पताल में लाखों रुपये की लागत से ब्लड सेपरेशन मशीन उपलब्ध कराई गई है, लेकिन लंबे समय से उपयोग में नहीं आने के कारण मशीन के खराब होने की आशंका है। सरकारी धन से खरीदी गई महत्वपूर्ण चिकित्सा मशीन का समय पर उपयोग नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है। इससे मरीजों और जरूरतमंद रक्त प्राप्तकर्ताओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की कि मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारी एवं अस्पताल प्रबंधन को तत्काल निर्देशित कर मशीन को चालू कराया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में सरकारी संसाधनों का उपयोग जनहित में समय पर हो।

सवा महीना के अखण्ड महाअष्ट्याम प्रारम्भ

गड़खा। सारण जिले के अमनौर प्रखंड के सराय बक्स स्थित महर्षि श्रीधर बाबा राधे कृष्ण मंदिर में 37 दिवसीय अखंड महाअष्ट्याम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच श्रीधर बाबा जी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुई। संत श्रीधर दास जी महाराज ने बताया कि हर वर्ष 9 या 11 दिनों के अष्ट्याम श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर होती थी भगवान श्री कृष्ण की कृपा और ग्रामीणों की सहयोग से इस बार समाप्त हो रहा है जिसमें सभी वार्ड चार्ट पर सहयोग कर रहे हैं श्रीधर बाबा के शिष्य मुरारी स्वामी ने बताया कि श्रीधर बाबा के नेतृत्व में ये तीसरा सवा महीना के अष्ट्याम हो रहा है। इससे पूर्व परसा प्रखंड के सुंदरपुर गड़खा प्रखंड के खाकी बाबा के मठिया महम्मदपुर रामपुर में हुआ है।

साजिश के तहत पूर्व मुखिया पुत्र के अपहरण का मामला दर्ज कराया

बनियापुर।थाना क्षेत्र के सतुआ पंचायत के पूर्व मुखिया सुरेश साह ने साजिश कर पुत्र का अपहरण करने का मामला दर्ज कराया है,जिसमें शामिल वर्तमान मुखिया पति सहित सात लोगों को आरोपित किया है। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि पुत्र सोनू कुमार दवा खरीदने बाजार पर गया था,जब देर तलक घर वापस नहीं आया,तो दुकानदार के पास फोन कर पूछने पर। पता चला कि आपका बेटा दवा लेकर घर चला गया है ,जिसके बाद खोजबीन शुरू की गई,इसी क्रम में प्यारेपुर काली स्थान के समीप बेटे का बुलेट बाइक लावारिश स्थिति में पाई गई,बताया कि सतुआ बजार पर हमने प्रमिला देवी से जमीन रजिस्ट्री कराई थी,तभी से प्रमीला देवी के पट्टीदार जमीन वापस करने की दबाव बना रहे थे,मामले में पीड़ित ने सोनू शर्मा मोनू शर्मा नीरज कुमार बेबी देवी उतम कुमार दीपक कुमार डाढ़ीबाड़ी निवासी राजू शर्मा कुछ अज्ञात मिलकर साजिश कर मेरे पुत्र का अपहरण कर लिया है।अनहोनी की आशंका जताते सकुशल बरामदगी की प्रशासन से गोहार लगाया है

डॉ. अजय सिंह को नागरिक परिषद का उपाध्यक्ष बनाए जाने पर मढ़ौरा में मनाई गई खुशी

प्रात : किरण संवाददाता

मढ़ौरा सिवान के पूर्व सांसद प्रतिनिधि डॉ. अजय सिंह को बिहार सरकार द्वारा नागरिक परिषद का उपाध्यक्ष बनाए जाने पर उनके ननिहाल विक्रमपुर में खुशी का माहौल देखने को मिला । इस दौरान सुरेंद्र प्रसाद सिंह के आवास पर मिठाई बांटकर लोगों ने अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने डॉ. अजय सिंह को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। लोगों ने कहा कि डॉ. अजय सिंह लंबे समय से सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहे हैं और क्षेत्र के लोगों के बीच उनकी सक्रियता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता रही है। नागरिक परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से उनके ननिहाल सहित क्षेत्र के लोगों में विशेष उत्साह है। मिठाई वितरण के दौरान लोगों ने उम्मीद जताई कि डॉ. अजय सिंह अपनी नई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वहन करते हुए नागरिकों के हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे तथा समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस मौके पर सुरेंद्र प्रसाद सिंह सहित परिवार के सदस्यों, ग्रामीणों एवं शुभचिंतकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की और डॉ. अजय सिंह के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

डेरनी पुलिस ने चलाई सघन जांच अभियान

दरियापुर।डेरनी पुलिस द्वारा मंगलवार को सघन जांच अभियान चलाई गई।इस दौरान एक तरफ जहां थानाध्यक्ष प्रीति कुमारी ने खुद सभी बैंकों तथा सीएसपी केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था की गहन जांच पड़ताल कर की ,वहीं अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा भी वाहनों एवं अन्य भीड़ वाले जगहों के सुरक्षा का जायजा लिया गया।जिससे असामाजिक तत्वों में जहां दहशत हो गया,वही आम जनता तथा बैंक ग्राहकों के बीच सुरक्षा का माहौल बन गया।बुद्धिजीवियों की माने तो पुलिस की इस प्रकार की सक्रियता से सामाजिक तत्वों में डर का माहौल रहेगा।जिससे क्षेत्र में शांति बनी रहेगी।

खैरा-मुसहरी मुख्य पथ पर जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए मंत्री से मिले शत्रुघ्न भक्त मालाकार

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर । नगरा प्रखंड अंतर्गत खैरा मुख्य बाजार से मुसहरी गांव सिवान तक छपराझमढ़ौरा मुख्य पथ पर जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण उत्पन्न जलजमाव की समस्या के समाधान को लेकर भाजपा बिहार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शत्रुघ्न भक्त मालाकार ने मंगलवार को बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग के मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेन्द्र से मुलाकात कर उन्हें समस्या से अवगत कराया तथा इस संबंध में एक आवेदन सौंपा। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि उक्त मुख्य पथ के कई स्थानों पर नाला अर्धनिर्मित है, जबकि कई जगहों पर नाला का पूर्णतः अभाव है। इसके कारण बरसात के दिनों में जल निकासी नहीं हो पाती और सड़क पर पानी जमा हो जाता है। कई स्थानों पर जलजमाव की स्थिति लंबे समय तक बनी रहने से आम लोगों, दुकानदारों, विद्यार्थियों, मरीजों एवं राहगीरों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। शत्रुघ्न भक्त मालाकार ने मंत्री से खैरा मुख्य बाजार से मुसहरी गांव सिवान तक मुख्य पथ के किनारे आवश्यकतानुसार पक्का नाला निर्माण कराने तथा अर्धनिर्मित नालों को पूर्ण कराने का आग्रह किया। मंत्री इंजीनियर कुमार शैलेन्द्र ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पथ निर्माण विभाग, सोनपुर,सारण के कार्यपालक अभियंता को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया तथा यथाशीघ्र समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया। श्री मालाकार ने कहा कि जनता से जुड़ी मूलभूत समस्याओं का समाधान और क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि विभागीय स्तर पर शीघ्र कार्रवाई होने से खैरा एवं आसपास के ग्रामीणों को जलजमाव की समस्या से राहत मिलेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. दरोगा प्रसाद राय : संघर्ष जनसेवा और समर्पण की अमिट गाथा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बिहार की राजनीति के इतिहास में कुछ ऐसे जननेता हुए हैं, जिनका कद केवल उनके पद से नहीं, बल्कि जनता के प्रति समर्पण, संघर्ष और कार्यों से तय हुआ। पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय दरोगा प्रसाद राय ऐसे ही नेताओं में शुमार रहे। 2 सितंबर को उनकी जयंती के अवसर पर पूरा बिहार उनके राजनीतिक जीवन, जनसेवा और संघर्ष को श्रद्धापूर्वक याद करता है।दरोगा प्रसाद राय का जन्म 2 सितंबर 1922 को सारण जिले के बजहिया गांव में हुआ था। साधारण किसान परिवार से निकलकर उन्होंने शिक्षा, सामाजिक सरोकार और राजनीति के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की और अर्थशास्त्र की पढ़ाई पूरी की। स्वतंत्रता आंदोलन में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रही और इस दौरान उन्हें जेल भी जाना पड़ा। शिक्षक से शुरू हुआ जनसेवा का सफर दरोगा प्रसाद राय के जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व रहा। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने परसा में हाईस्कूल की पढ़ाई की और राजेंद्र कॉलेज, छपरा से इंटर की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने अर्थशास्त्र में उच्च शिक्षा हासिल की। आगे चलकर उन्होंने शिक्षक के रूप में भी समाज की सेवा की और फिर वकालत के क्षेत्र में आए। इसी दौरान आम लोगों की समस्याओं को करीब से समझने का अवसर मिला और उनका रुझान सक्रिय राजनीति की ओर बढ़ा। परसा से विधानसभा तक लगातार जनप्रतिनिधित्व आज के परसा विधानसभा क्षेत्र से उनका राजनीतिक जुड़ाव बेहद मजबूत रहा। 1952 में पहली बार परसा विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित होने के बाद उन्होंने लगातार कई चुनावों में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उपलब्ध विवरणों के अनुसार 1952 से 1978 तक वे परसा क्षेत्र का विधानसभा में प्रतिनिधित्व करते रहे।उनकी राजनीति का केंद्र आम जनता रही।ग्रामीण क्षेत्रों, किसानों और समाज के कमजोर वर्गों की समस्याओं को विधानसभा और सरकार तक पहुंचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यही कारण था कि क्षेत्र में उन्हें एक जननेता के रूप में व्यापक सम्मान मिला।बिहार के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचा राजनीतिक सफर दरोगा प्रसाद राय बिहार के 10वें मुख्यमंत्री बने। बिहार सरकार के मुख्यमंत्री सचिवालय के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार उन्होंने 16 फरवरी 1970 से 22 दिसंबर 1970 तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया।

सहयोग शिविर : निपनिया पंचायत में मात्र 26 आवेदन प्राप्त हुए

इसुआपुर । प्रखंड के निपनिया पंचायत सरकार भवन परिसर में मंगलवार को बीडीओ इंजीनियर सत्यम सिंह की अध्यक्षता में सहयोग शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें विभिन्न विभागों से संबंधित मात्र 26 समस्यात्मक आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय, मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा, बिजली, नल-जल, राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए थे। इस मौके पर बीडीओ इंजीनियर सत्यम सिंह ने कहा कि शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है। ताकि पात्र लाभुक सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। इस दौरान स्थानीय विधायक सह बिहार विधानसभा याचिका समिति के सभापति जनक सिंह, मुखिया प्रतिनिधि पन्नालाल राय, मनरेगा पीओ तृप्ति लाल, उत्तराखंड श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी राजीव रंजन प्रसाद आईसीडीएस अर्चना कुमारी आवास पर्यवेक्षक संतोष कुमार सहकारिता शिक्षा पदाधिकारी पंचायत सचिव वीर बहादुर राम स्वच्छता पर्यवेक्षक किशन कुमार सिंह कार्यपालक सहायक सुशील प्रकाश एवं अन्य विभागों के कर्मी मौजूद थे।

विधिक सेवा प्राधिकार के प्रयास से जेल में बंद अभियुक्त बाइज्जत बरी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी, सारण (छपरा) की अदालत ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में इसुआपुर थाना कांड संख्या 73/21 विचरण वाद संख्या - 4197/26 की अभियुक्त चंदन कुमार सिंह को अपने पत्नी को मार-पीट एवं प्रताड़ित तथा दहेज मांग करने के आरोप से बाइज्जत बरी कर दिया गया। अभियुक्त 12 जुलाई 2026 से लगातार मंडल कारा, छपरा में न्यायिक हिरासत में निरुद्ध थें। आर्थिक रूप से कमजोर एवं असहाय होने के कारण मामले की पैरवी जिला विधिक सेवा प्राधिकार सारण के अंतर्गत संचालित लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम को सौंपी गई थी। सहायक लिगल एड डिफेंस काउंसिल अरमान अशरफी ने तथ्यों, साक्ष्यों और कानूनी पहलुओं को मजबूती से प्रस्तुत किया। अरमान अशरफी, सहायक लैड्स के अथक प्रयास दलील से वाद का निष्पादन अभियुक्त को न्याय मिला। अभियोजन के द्वारा साक्ष्य प्रस्तुत करने में असफल रहे। न्यायालय का निर्णयः उभय पक्षों की दलीलें सुनने और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात, श्री सुमित कुमार सिंह, अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी सारण छपरा ने अभियुक्त को निर्दोष पाते हुए सम्मानपूर्वक रिहा (बाइज्जत बरी) करने का आदेश पारित किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की इस त्वरित एवं प्रभावी कानूनी सहायता से जेल में बंद एक असहाय पुरुष को न्याय प्राप्त हुआ है।

उर्वरक बिक्री की नई व्यवस्था एफ एस ए एस के सफल क्रियान्वयन को लेकर प्रशिक्षण किया गया आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। मंगलवार को क्षेत्रीय प्रबंधक एन एफ एक द्वारा फॉर्मर वर्क फॉर फर्टिलाइजर सेल अप्लिकेशन सिस्टम के सफल क्रियान्वयन को लेकर संयुक्त कृषि भवन, बाजार समिति स्थित सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी, उप निदेशक कृषि अभियंत्रण, सहायक निदेशक शस्य, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, जिला कृषि विपणन पदाधिकारी, सहायक निदेशक बीज उत्पादन-सह-विपणन, सहायक निदेशक बीज विश्लेषण प्रयोगशाला, सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रत्येक प्रखंड से एक-एक कृषि समन्वयक एवं किसान सलाहकार सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में एफ एस ए एस के माध्यम से उर्वरक की खरीद एवं वितरण प्रक्रिया को सुगम, पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर, अनुमंडल स्तर पर संबंधित अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, प्रखंड स्तर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी तथा पंचायत स्तर पर कृषि समन्वयक एवं किसान सलाहकार को नामित किया गया है।

जे पी यू के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को अवकाश के लिए सेवा पुस्तिका के साथ करना होगा आवेदन

छपरा सदर। अब जे पी यू के सभी महाविद्यालय एवं विभाग के शिक्षक तथा सभी शिक्षकेत्तर कर्मियों को अवकाश के लिए आवेदन के साथ अपनी सेवा पुस्तिका को भी जमा करना होगा उक्त आशय का पत्र जे पी यू के कुलसचिव डॉ नारायण दास क द्वारा कुलपति के आदेशानुसार जारी किया गया है। उन्होंने पत्र के माध्यम से सभी प्राचार्य, प्रभारी प्राचार्य तथा विभागाध्यक्ष को सूचित किए है कि विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर विभाग / अंगीभूत महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी के आकस्मिक अवकाश को छोड़कर अन्य सभी अवकाश की स्वीकृति हेतु मूल सेवापुस्तिका के साथ अवकाश का आवेदन प्रेषित करना होगा।

रक्त की बूंदों से फाइलेरिया के मरीजों की होगी पहचान लहलादपुर में चलेगा प्री-ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे

छपरा। सारण जिले में फाइलेरिया उन्मूलन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। फाइलेरिया के छिपे या नए संक्रमण की पहचान करने के लिए लहलादपुर प्रखंड में प्री-ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे कराया जाएगा। इसके तहत तीन चयनित साइटों पर रात के समय लोगों के रक्त के नमूने लिए जाएंगे और माइक्रोस्कोपी के माध्यम से उनकी जांच की जाएगी। पूरे अभियान को 30 सितंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। लहलादपुर प्रखंड को सारण जिले में प्री-ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे के लिए चयनित किया गया है। राज्य स्तर से जारी दिशा-निर्देश के अनुसार सितंबर माह में ही इस सर्वे को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करना है। इस संबंध में राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक अमित कुमार पांडेय ने सिविल सर्जन को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। तीन साइटों से लिए जाएंगे 900 लोगों के रक्त नमूने प्री-ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे के लिए लहलादपुर प्रखंड में कुल तीन साइटों का चयन किया जाएगा। इनमें दो स्थायी और एक अस्थायी शामिल होगी। प्रत्येक साइट से 300 लोगों के रक्त के नमूने, यानी कुल 900 स्लाइड एकत्र किए जाएंगे। इन नमूनों की माइक्रोस्कोपी के माध्यम से जांच कर यह पता लगाया जाएगा कि संबंधित क्षेत्र में फाइलेरिया संक्रमण की स्थिति क्या है। इस सर्वे का उद्देश्य यह आकलन करना है कि फाइलेरिया का संक्रमण अभी भी समुदाय में मौजूद है या नहीं और उन्मूलन की दिशा में जिले ने कितना लक्ष्य हासिल किया है। 20 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों की होगी जांच स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देश के अनुसार प्री-ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे के तहत 20 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों का ही रक्त परीक्षण किया जाएगा। फाइलेरिया के परजीवी रात के समय अधिक सक्रिय पाए जाते हैं। इसी वजह से रक्त नमूना संग्रहण की प्रक्रिया निर्धारित रात्रिकालीन अवधि में की जाएगी, ताकि जांच के दौरान संक्रमण की पहचान की संभावना बेहतर हो सके। रात 10 बजे से 12 बजे तक लिया जाएगा रक्तप्री-ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे के तहत रक्त पट्ट संग्रहण का कार्य रात 10 बजे से 12 बजे के बीच किया जाएगा। यह समय इसलिए निर्धारित किया गया है क्योंकि फाइलेरिया के परजीवी सामान्यतः रात के समय रक्त में अधिक आसानी से पाए जा सकते हैं। चयनित साइटों पर स्वास्थ्य टीम लोगों से संपर्क कर निर्धारित उम्र सीमा के योग्य व्यक्तियों से रक्त नमूने एकत्र करेगी। इसके बाद तैयार स्लाइड की माइक्रोस्कोपी जांच की जाएगी। गाइडलाइन के आधार पर होगा सर्वेजिला वेक्टर रोग सलाहकार सुधीर कुमार ने बताया कि प्री-ट्रांसमिशन असेसमेंट सर्वे की पूरी प्रक्रिया राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की गाइडलाइन के आधार पर संचालित की जाएगी।दिशा-निर्देश के अनुसार चयनित इकाई में तीन साइटों से निर्धारित संख्या में रक्त नमूने लेकर माइक्रोस्कोपी के माध्यम से उनकी जांच की जानी है।इससे सर्वे की प्रक्रिया को निर्धारित वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप पूरा करने में मदद मिलेगी। फाइलेरिया उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण सर्वे जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. भूपेंद्र कुमार ने बताया कि फाइलेरिया एक ऐसी बीमारी है जिसका संक्रमण लंबे समय तक बिना स्पष्ट लक्षणों के भी रह सकता है। ऐसे में केवल लक्षण वाले मरीजों की पहचान पर्याप्त नहीं मानी जाती। समुदाय स्तर पर संक्रमण की स्थिति का आकलन करने के लिए इस तरह के सर्वे महत्वपूर्ण होते हैं। लहलादपुर में होने वाला प्री-टास सर्वे फाइलेरिया संक्रमण की वास्तविक स्थिति को समझने में स्वास्थ्य विभाग के लिए उपयोगी होगा। सर्वे से प्राप्त परिणामों के आधार पर आगे की रणनीति और आवश्यक स्वास्थ्य गतिविधियों की दिशा तय करने में भी मदद मिल सकती है। 30 सितंबर तक पूरा करना है अभियानराज्य स्वास्थ्य समिति की ओर से जारी निर्देश के अनुसार चयनित क्षेत्र में प्री-टीएएस गतिविधियों को 30 सितंबर 2026 तक पूरा करना है। विभाग को सर्वे की तैयारी, साइट निर्धारण, मानव संसाधन की उपलब्धता, रक्त स्लाइड संग्रहण और जांच की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग का प्रयास है कि पूरी प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप और गुणवत्तापूर्ण तरीके से संपन्न हो, ताकि प्राप्त आंकड़ों के आधार पर फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जा सके।

प्रकाश शिक्षा सदन घोघिया में गूंजा भारत स्काउट और गाइड का बिगुल

प्रात : किरण संवाददाता

मशरक। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा) के पत्र के आलोक में प्रकाश शिक्षा सदन,घोघिया मशरक में प्रथम सोपान स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना एवं राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करना है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड प्रार्थना, प्रतिज्ञा एवं नियम, ध्वज शिष्टाचार, मार्चिंग, गांठ एवं बंधन, प्राथमिक चिकित्सा, दिशा ज्ञान, टेंट निर्माण, शिविर कला, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन तथा सुरक्षा के प्राथमिक उपायों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही टीम भावना, नेतृत्व, आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा एवं सामुदायिक सेवा जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियों से भी बच्चों को जोड़ा जाएगा। विद्यालय के निदेशक संतोष कुमार ओझा एवं प्राचार्य पवन तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में नोडल स्काउट शिक्षक इंद्रजीत कुमार एवं नोडल गाइड कैप्टेन चांदनी कुमारी प्रशिक्षण का संचालन कर रहे हैं। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण विद्यार्थियों को केवल कौशल नहीं सिखाता, बल्कि उन्हें जिम्मेदार, अनुशासित, साहसी और समाज के प्रति संवेदनशील नागरिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

छपरा में 5 घंटे तक मोबाइल टावर पर चढ़ा रहा युवक मामला प्रेम-प्रसंग का नहीं, साइबर ठगी से जुड़ा

छपरा कार्यालय। छपरा शहर के तेलपा स्थित बिजली ऑफिस परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया और करीब 5 घंटे तक टावर पर बैठा रहा। शुरूआत में लोगों को मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा होने का अंदेशा था, लेकिन बाद में सामने आया कि युवक साइबर ठगी का शिकार होने के बाद कार्रवाई से परेशान था। युवक के अनुसार, वह ऑनलाइन गेमिंग और साइबर ठगों के संपर्क में आया था। इसी दौरान उसके बैंक खाते में करीब 50 लाख रुपये की राशि आई और कुछ ही समय में वह राशि खाते से निकल भी गई। बाद में साइबर थाना की ओर से उसके खाते में आई इस रकम को लेकर उसे फ्रॉडिंग से संबंधित नोटिस मिला और उसके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कर दी गई। युवक का कहना है कि वह खुद इस पूरे मामले में साइबर ठगी का शिकार हुआ है। उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने से नाराज होकर वह तेलपा बिजली ऑफिस परिसर में लगे मोबाइल टावर पर चढ़ गया और घंटों वहीं बैठा रहा। घटना की सूचना मिलने के बाद टाउन थाना प्रभारी संजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने काफी देर तक युवक को समझाया-बुझाया और उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद युवक को सुरक्षित टावर से नीचे उतारा गया। नीचे आने के बाद युवक ने मीडिया के सामने अपनी पूरी आपबीती बताई। उसने बताया कि किस तरह वह ऑनलाइन गेमिंग और साइबर ठगों के जाल में फंस गया, उसके खाते में 50 लाख रुपये आए और तुरंत निकल गए तथा बाद में उसे ही नोटिस और प्राथमिकी का सामना करना पड़ा। युवक ने पूरे मामले में उचित कार्रवाई और न्याय की मांग की है।

सहयोग शिविर में उमड़े ग्रामीण, दो पंचायतों से मिले 115 आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। ग्रामीणों की समस्याओं का पंचायत स्तर पर समाधान करने और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से मंगलवार को बड़हरा प्रखंड की विशुनपुर और एकौना पंचायत में पंचायत स्तरीय सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। दोनों शिविरों में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 115 आवेदन प्राप्त हुए। विशुनपुर पंचायत के सामुदायिक भवन, सेमरा में आयोजित सहयोग शिविर का भोजपुर के अपर समाहर्ता (एडीएम) शशि शेखर ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के काउंटरों पर पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत की और उनकी समस्याओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। एडीएम ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों का नियमानुसार और शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। इस अवसर पर उन्होंने चार लाभुकों के बीच जन्म प्रमाण पत्र का वितरण भी किया। पंचायत की ओर से एडीएम शशि शेखर को बुके एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं, कृषि पदाधिकारी श्याम प्रकाश समेत अन्य उपस्थित अधिकारियों को भी अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। विशुनपुर में 76 और एकौना में मिले 39 आवेदन पंचायत सचिव निशांत अली ने बताया कि विशुनपुर पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में कुल 76 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें ग्रामीण विकास विभाग तथा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग से संबंधित आवेदनों की संख्या अधिक रही। वहीं, एकौना पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, एकौना गंज परिसर में आयोजित शिविर में कुल 39 आवेदन प्राप्त हुए। पंचायत सचिव सुधांशु गौतम ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा विभाग से 15, पंचायती राज विभाग से छह, सांख्यिकी विभाग से छह, मनरेगा से पांच, ग्रामीण विकास विभाग से तीन तथा पीएचईडी, जीविका, आपदा और बिजली विभाग से एक-एक आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में राजस्व, कृषि, सहकारिता, कल्याण, मनरेगा, बाल विकास, आपूर्ति, आवास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इधर, प्रखंड विकास पदाधिकारी निलेश कुमार ने बताया कि गंगा नदी के जलस्तर में एक बार फिर वृद्धि होने के कारण वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के भ्रमण और स्थिति की निगरानी में व्यस्त रहे, जिसके कारण सहयोग शिविर में उपस्थित नहीं हो सके।

डेहरी में सजी तस्वीरों की महफिल फोटोग्राफी प्रतियोगिता में जेन जी का दबदबा

प्रात : किरण संवाददाता

रोहतास जिले के डेहरी में फोटोग्राफरों के हुनर और रचनात्मकता का अनोखा संगम देखने को मिला। डेहरी फोटोग्राफर एसोसिएशन की ओर से एनीकट स्थित महर्षि वेदव्यास आश्रम में फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सुबह आयोजित प्रतियोगिता के बाद शाम में पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। प्रतियोगिता में डेहरी के युवा फोटोग्राफरों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। खास बात यह रही कि प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय और तृतीय तीनों स्थानों पर जेनरेशन-जी यानी युवा फोटोग्राफरों ने अपना कब्जा जमाया। डेहरी फोटोग्राफर एसोसिएशन के अध्यक्ष जय प्रकाश मौर्य ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य फोटोग्राफरों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देना और प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करना था। प्रतियोगिता की थीम रचनात्मकता,प्रकृति और पर्यावरण पर आधारित रखी गई थी। प्रतियोगिता के परीक्षा नियंत्रक ऋतुराज मौर्य रहे जबकि निर्णायक मंडल में राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध प्रशिक्षक बंगाल के अरित्रा दास,बिहार के सोहेल अख्तर, उत्तर प्रदेश के अभिनीत मोहन सेठ और डॉ.आनंद बरनवाल शामिल रहे। निर्णायकों के मूल्यांकन के आधार पर गजेंद्र कुमार ने प्रथम, रंजीत कमार ने द्वितीय और रोशन कुमार ने तृतीय स्थान हासिल किया। शाम को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि जितेंद्र कुमार चौधरी उर्फ लल्लू चौधरी ने विजेता फोटोग्राफरों को मोमेंटो और मेडल देकर सम्मानित किया। वहीं कार्यक्रम की शुरूआत डेहरी फोटोग्राफर एसोसिएशन के सचिव सोनू कुमार, उपाध्यक्ष संदीप जायसवाल, उपकोषाध्यक्ष पंकज कुमार, उपसचिव मुख्लेश सिंह, महामंत्री विजय निषाद सहित संस्था के अन्य सदस्यों ने संयुक्त रूप से केक काटकर की। इस अवसर पर शुभम भगत, जितेंद्र कुमार, हैदर, पप्पू, विकास सहित बड़ी संख्या में फोटोग्राफर मौजूद रहे। कुल मिलाकर आयोजित इस प्रतियोगिता ने न सिर्फ युवा फोटोग्राफरों की प्रतिभा को मंच दिया बल्कि तस्वीरों के माध्यम से प्रकृति और पर्यावरण की खूबसूरती को भी सामने लाने का काम किया।

संक्षिप्त खबरें

अमेहता व अमई में सहयोग शिविर, 102 आवेदन प्राप्त

पीरो (आरा)। पीरो प्रखंड के अमेहता एवं अमई पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं जनसमस्याओं से जुड़े कुल 102 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें कई आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन भी किया गया। अमेहता में आयोजित सहयोग शिविर में 46 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि अमई में 56 लोगों ने अपनी समस्याओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन दिए। अधिकारियों ने आवेदनों की जांच कर कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया तथा शेष आवेदनों के त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। शिविर के दौरान लाभुकों के बीच जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, जॉब कार्ड, श्रम कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों का वितरण किया गया। साथ ही कबीर अंत्येष्टि योजना के लाभ से संबंधित सहायता भी उपलब्ध कराई गई। अमेहता में आयोजित शिविर में अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण कुमार उपाध्याय, प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार, अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी शंभू भारद्वाज एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं, अमई में आयोजित सहयोग शिविर में जिला योजना पदाधिकारी तारिक नुरुल, मनरेगा पीओ अनिल कुमार, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी त्रिनाल कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे। अधिकारियों ने लोगों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन करने की अपील की।

गंगा के कटाव से पिपरपांती में मची तबाही, घर छोड़ने लगे ग्रामीण

बड़हरा। प्रखंड अंतर्गत पिपरपांती गांव में मंगलवार को गंगा नदी के तेज कटाव से अफरातफरी मच गई। करीब 11:30 बजे अचानक कटाव तेज होने के बाद नदी की धारा तेजी से गांव की ओर बढ़ने लगी। कटाव की चपेट में आने से कई घरों को नुकसान पहुंचा है। ग्रामीणों के अनुसार दो घर नदी में समा गए, जबकि पंचायत के मुखिया राहुल पांडेय ने करीब 10 घरों के गंगा नदी में विलीन होने का दावा किया है। कटाव के भय से गांव के सौ से अधिक ग्रामीण अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने लगे। लोग चारपाई, अनाज, कपड़े, बर्तन समेत अन्य जरूरी सामान लेकर सुरक्षित स्थानों की ओर जाते नजर आए। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर पहले सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

गुप्त सूचना पर इश्तिहार वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय भेजा गया

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा/भोजपुर। सिन्हा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक इश्तिहार वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार वारंटी की पहचान रामानुज सिंह, पिता स्वर्गीय रघुवंश सिंह, निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर, थाना सिन्हा, जिला भोजपुर के रूप में की गई है। सिन्हा थानाध्यक्ष राजू कुमार के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने रामानुज सिंह को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायालय में उपस्थापन हेतु भेज दिया गया। थानाध्यक्ष राजू कुमार ने बताया कि फरार वारंटियों एवं आरोपितों के विरुद्ध पुलिस का अभियान लगातार जारी है और आगे भी ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सोन में बढ़ेगा पानी रोहतास के इंद्रपुरी बराज पहुंचकर डीएम ने लिया जायजा तटीय इलाकों में प्रशासन का अलर्ट

सोन नदी में संभावित जल वृद्धि को लेकर रोहतास जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। इसी कड़ी में मंगलवार को जिला पदाधिकारी दीपक कुमार मिश्रा ने इंद्रपुरी बराज सहित सोन उच्च स्तरीय नहर प्रमंडल के मुख्य नहर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने सिंचाई विभाग के अभियंताओं से बाणसागर डैम से आने वाले पानी के इंद्रपुरी बराज तक पहुंचने की व्यवस्था, वर्तमान जल प्रवाह और नहर प्रणाली के संचालन की विस्तृत जानकारी ली। डीएम ने इंद्रपुरी बराज से विभिन्न नहरों के साथ-साथ सोन नदी में छोड़े जा रहे पानी की पूरी प्रक्रिया को भी समझा। उन्होंने जल प्रवाह और नहर प्रणाली की मौजूदा स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अभियंताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।वहीं सोन नदी में संभावित जल वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन ने सोन तटीय क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। संवेदनशील और प्रभावित इलाकों में माइकिंग के माध्यम से लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। जिला पदाधिकारी ने आम लोगों से अपील की है कि सोन नदी और उसके आसपास के क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से नहीं जाएं और नदी से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।

एमबीए की प्रथम मेधा सूची जारी, 2 से 10 सितंबर तक होगा नामांकन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के पीजी वोकेशनल कोर्स सत्र 2026-28 के तहत एमबीए में नामांकन के लिए प्रथम मेधा सूची जारी कर दी गई है। विश्वविद्यालय के एमबीए विभाग की ओर से मंगलवार को नामांकन सूची ऑनलाइन जारी की गई। मेधा सूची में चयनित अभ्यर्थी निर्धारित अवधि में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर अपना नामांकन करा सकेंगे।विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार, प्रथम मेधा सूची में चयनित विद्यार्थियों के लिए 2 सितंबर से 10 सितंबर 2026 तक नामांकन की तिथि निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को तय समय सीमा के भीतर विभाग में नामांकन कराना होगा। निर्धारित तिथि के बाद नामांकन का अवसर मिलेगा या नहीं, इस संबंध में विभाग ने कोई स्पष्टता नहीं दी है। ऐसे में चयनित विद्यार्थियों को समय रहते नामांकन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है।नामांकन के लिए वीकेएसयू से स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन की छायाप्रति, प्रवेश पत्र, मैट्रिक अंक प्रमाणपत्र, इंटरमीडिएट अंक प्रमाणपत्र, स्नातक पार्ट-कककक का प्रवेश पत्र एवं अंक प्रमाणपत्र, जाति/आरक्षण प्रमाणपत्र तथा महाविद्यालय परित्याग प्रमाणपत्र की मूल प्रति प्रस्तुत करनी होगी। इसके अलावा पासपोर्ट साइज फोटो की दो प्रतियां भी जमा करनी होंगी।वीकेएसयू के बाहर के विश्वविद्यालय से स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए भी लगभग समान दस्तावेज अनिवार्य किए गए हैं। इनके साथ प्रवजन प्रमाणपत्र की मूल प्रति भी जमा करनी होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि नामांकन के समय प्रस्तुत किए जाने वाले सभी छायाप्रति प्रमाणपत्रों का मिलान मूल प्रमाणपत्रों से किया जाएगा।

फरार वारंटियों पर पुलिस का शिकंजा अलग-अलग मामलों में छह गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

तरारी (आरा)। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न थाना क्षेत्रों की पुलिस ने फरार वारंटियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए अलग-अलग मामलों में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सभी आरोपितों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इमादपुर थाना पुलिस ने तीन को दबोचा इमादपुर थाना पुलिस ने पूर्व के मामलों में फरार चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में बिहटा गांव निवासी नंदलाल यादव की पत्नी निर्मला देवी, मोआप खुर्द निवासी फागुन राम के पुत्र अनिल राम तथा राजपुर गांव निवासी दीनबंधु तिवारी के पुत्र राजेंद्र तिवारी शामिल हैं। तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। सिकरहटा से फरार वारंटी गिरफ्तारवहीं, सिकरहटा थाना पुलिस ने फरार चल रहे वारंटी सिकरहटा गांव निवासी रशीद मियां के पुत्र फरीद मियां को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सनोज कुमार ने बताया कि आरोपित पूर्व के एक मामले में फरार चल रहा था। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। तरारी थाना पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार इधर, तरारी थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि पूर्व के मामले में फरार वारंटी सेदहां गांव निवासी कुंज बिहारी सिंह के पुत्र धर्मेंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया। वहीं, सेदहां गांव निवासी दूधनाथ चौधरी के पुत्र मनोज चौधरी को शराब के नशे में हंगामा करते गिरफ्तार किया गया। दोनों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया। इस प्रकार इमादपुर, सिकरहटा और तरारी थाना पुलिस की कार्रवाई में गिरफ्तार सभी छह आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अपहरण की प्राथमिकी के बाद प्रेमी युगल बरामद, युवक गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

तरारी (आरा)। तरारी थाना क्षेत्र में पुत्री के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रेमी युगल को बरामद कर लिया है। मामले में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया, जबकि युवती को न्यायालय में बयान दर्ज कराने के लिए आरा भेजा गया है। तरारी थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के बंधवा गांव निवासी एक व्यक्ति ने गत 9 अगस्त को अपनी पुत्री के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस युवक और युवती की तलाश में जुट गई थी। पुलिस जांच के दौरान मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने की बात सामने आई। बताया जाता है कि युवक युवती को लेकर गांव से बाहर चला गया था। इस बीच पुलिस और परिजनों के दबाव के कारण दोनों के वापस इलाके में आने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने चरपोखरी थाना क्षेत्र के नगरी गांव में छापेमारी कर दोनों को बरामद कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान नगरी गांव निवासी 22 वर्षीय पंकज पासवान, पिता दिनेश पासवान के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार युवक को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया है, जबकि युवती को न्यायालय में फर्द बयान दर्ज कराने के लिए आरा कोर्ट भेजा गया है। युवती के बयान और न्यायालय के आदेश के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कोईलवर में सहयोग शिविर, आये 85 आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

कोईलवर। कोईलवर प्रखंड की चंदा और दौलतपुर पंचायत में मंगलवार को सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। दोनो पंचायतों में ग्रामीणों से सभी विभागों को मिलाकर कुल 85 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में पंचायत क्षेत्र के ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं को सुना गया और संबंधित विभागों के अधिकारियों व कर्मियों के माध्यम से उनके समाधान की पहल की गई। शिविर में ग्रामीणों ने सरकारी योजनाओं का लाभ, पेंशन, आवास, राशन, राजस्व समेत अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन और शिकायतें रखीं। अधिकारियों ने लोगों को सरकार की ओर से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी। इस संबंध में बीडीओ बीर बहादुर पाठक ने बताया कि बिहार सरकार के निर्देश पर पंचायत स्तर पर सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य आम जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाने से राहत देना और उन्हें पंचायत स्तर पर ही आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर उनके त्वरित निष्पादन की कार्रवाई की जा रही है। बीडीओ ने कहा कि पंचायतों में इस तरह के शिविरों के आयोजन से ग्रामीणों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है तथा लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेने में सहूलियत मिल रही है।

बिहार के विश्वविद्यालयों में अब एक समान होगा पीजी पाठ्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार के विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई के लिए अब एक समान पाठ्यक्रम लागू करने की दिशा में पहल शुरू हो गई है। इसके तहत बिहार लोक भवन में 1 से 6 सितंबर तक छह दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े 150 से अधिक विषय विशेषज्ञ और शिक्षक शामिल होकर पीजी के 46 कार्यक्रमों के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार करेंगे। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पीजी शिक्षा में एकरूपता लाना और इसकी गुणवत्ता को बेहतर करना है।वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा समेत राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के पीजी पाठ्यक्रम को नए प्रारूप के अनुसार तैयार किया जाएगा। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत प्रत्येक सेमेस्टर में 22 क्रेडिट की समान व्यवस्था होगी। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और शैक्षणिक आवश्यकता के अनुसार विषय चुनने का विकल्प भी दिया जाएगा। इससे छात्रों को पारंपरिक विषयों के साथ वैकल्पिक और कौशल आधारित पाठ्यक्रमों को चुनने का अवसर मिलेगा। नई व्यवस्था में तीसरे सेमेस्टर में विषय से जुड़े वैकल्पिक और कौशल विकास पाठ्यक्रमों को शामिल करने की योजना है। वहीं चौथे सेमेस्टर में विद्यार्थियों को विशेष विषयों की पढ़ाई के साथ शोध परियोजना अथवा संबंधित कोर्स का विकल्प दिया जाएगा। इससे पीजी स्तर पर विद्यार्थियों में शोध के प्रति रुचि बढ़ाने और उच्च शिक्षा को रोजगारपरक बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। बताया गया है कि छह दिनों के दौरान विशेषज्ञ अलग-अलग विषयों के पाठ्यक्रम की समीक्षा कर उसे नए स्वरूप में तैयार करेंगे। विभिन्न विश्वविद्यालयों में वर्तमान में संचालित पाठ्यक्रमों की कमियों और जरूरतों पर भी चर्चा होगी। इसके बाद तैयार पाठ्यक्रम की विशेषज्ञों से समीक्षा कराई जाएगी।नई व्यवस्था लागू होने के बाद बिहार के अलग-अलग विश्वविद्यालयों में एक ही विषय की पीजी पढ़ाई के पाठ्यक्रम में मौजूद अंतर काफी हद तक समाप्त हो सकेगा। इससे विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की समानता का लाभ मिलेगा और दूसरे विश्वविद्यालय में आगे की पढ़ाई या शोध करने में भी सहूलियत होगी। वीकेएसयू में भी नए सत्रों से इन बदलावों का असर दिखाई देने की संभावना है।

एसबी कॉलेज में बीसीए-बीबीए की प्रथम मेरिट सूची जारी, नामांकन की प्रक्रिया शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। एसबी कॉलेज, आरा में सत्र 2026-29 के लिए बीसीए और बीबीए पाठ्यक्रम में नामांकन को लेकर प्रथम मेरिट सूची ऑनलाइन जारी कर दी गई है। कॉलेज की ओर से दोनों पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग मेरिट सूची प्रकाशित की गई है। नामांकन के इच्छुक छात्र-छात्राएं कॉलेज की वेबसाइट पर जाकर मेरिट सूची में अपना नाम देख सकते हैं। मेरिट सूची जारी होने के बाद चयनित विद्यार्थियों के बीच नामांकन को लेकर प्रक्रिया तेज हो गई है। कॉलेज प्रशासन ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वे मेरिट सूची में अपना नाम और अन्य आवश्यक विवरण ध्यानपूर्वक जांच लें। सूची में नाम आने वाले विद्यार्थियों को नामांकन से संबंधित निर्धारित निर्देशों का पालन करते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करनी होगी।कॉलेज प्रशासन के अनुसार बीसीए और बीबीए में नामांकन के लिए जारी प्रथम मेरिट सूची के आधार पर ही आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। विद्यार्थियों को नामांकन से जुड़ी जानकारी के लिए कॉलेज की वेबसाइट और संबंधित सूचनाओं पर नजर बनाए रखने की सलाह दी गई है।वहीं, विद्यार्थियों से यह भी कहा गया है कि नामांकन के दौरान आवश्यक प्रमाणपत्र एवं दस्तावेज अपने साथ रखें, ताकि प्रक्रिया पूरी करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

गंगा के बढ़ते जलस्तर को लेकर नाविकों को सुरक्षा के सख्त निर्देश

बड़हरा/खवासपुर। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए खवासपुर थाना अध्यक्ष ने महुली घाट से खवासपुर की ओर नाव परिचालन करने वाले सभी नाविकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान नाव से यात्रा करने वाले आम लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। थाना अध्यक्ष ने नाविकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे नाव की निर्धारित क्षमता से अधिक यात्रियों को किसी भी परिस्थिति में सवार न करें। उन्होंने कहा कि बढ़ते जलस्तर के बीच नाव परिचालन के दौरान विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या दुर्घटना से बचा जा सके। नाविकों को यात्रियों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखते हुए निर्धारित नियमों का पालन करने और सुरक्षित तरीके से नाव परिचालन करने की सख्त हिदायत दी गई। प्रशासन ने आम लोगों से भी यात्रा के दौरान सावधानी बरतने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की।

बढ़ते जलस्तर पर विधायक की सतर्कता, बाढ़ से निपटने के लिए अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। गंगा नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ की आशंका को देखते हुए बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केशोपुर मुक्तिधाम घाट पहुंचकर गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया तथा पानी से घिरने की स्थिति का सामना कर रहे नेकनाम टोला पंचायत क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने उपस्थित बड़हरा प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों को पूरी तरह सतर्क और तैयार रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ की स्थिति में प्रभावित लोगों तक राहत एवं आवश्यक सहायता यथाशीघ्र पहुंचाई जाए। विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने एसडीआरएफ अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर केशोपुर से सिन्हा तक नावों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि एक नाव को हर समय तैयार रखा जाए, जिस पर आवश्यक दवाइयों के साथ मेडिकल टीम तैनात रहे। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसी व्यक्ति की तबीयत खराब होने अथवा प्रसूति संबंधी आपात स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। मेडिकल टीम को पूरी तरह सजग और आवश्यक संसाधनों से लैस रहने का निर्देश दिया गया है। कटाव वाले क्षेत्रों को लेकर भी जताई चिंता विधायक ने कुछ क्षेत्रों में हो रहे कटाव पर भी चिंता व्यक्त की और बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों को कटाव निरोधी कार्यों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। साथ ही गंगा नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखने को कहा। विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि गंगा नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ना शुरू हो गया है, जिससे बाढ़ की संभावना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि वे क्षेत्र की जनता और अधिकारियों से लगातार स्थिति की जानकारी ले रहे हैं तथा संबंधित विभागों और प्रखंड प्रशासन के अधिकारियों के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, किसी भी व्यक्ति को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। प्रशासन को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया गया है। नाव और मेडिकल टीम की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत और सहायता पहुंचाई जा सके। बढ़ते जलस्तर को लेकर विधायक के निरीक्षण के बाद प्रशासनिक तैयारियों को और तेज कर दिया गया है।

नए डिग्री कॉलेजों से प्रतिनियुक्त शिक्षक लौटेंगे मूल महाविद्यालय, एक सितंबर से देना था योगदान

आरा। बिहार में स्थापित किए गए 211 नए सरकारी डिग्री कॉलेजों में प्रतिनियुक्त शिक्षकों को अब उनके मूल महाविद्यालय में वापस भेजने का निर्णय लिया गया है। राज्य के अलग-अलग विश्वविद्यालयों के अधीन संचालित इन नए डिग्री कॉलेजों में प्रतिनियुक्त शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर दी गई है। संबंधित शिक्षकों को एक सितंबर 2026 से अपने मूल महाविद्यालय में अनिवार्य रूप से योगदान देना होगा। इस निर्णय का असर वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के अधीन आने वाले नए डिग्री कॉलेजों में प्रतिनियुक्त शिक्षकों पर भी पड़ेगा। जानकारी के अनुसार, नए डिग्री कॉलेजों में शिक्षण व्यवस्था शुरू करने के उद्देश्य से विभिन्न मूल महाविद्यालयों से शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। इन कॉलेजों में पर्याप्त नियमित शिक्षक उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रतिनियुक्त शिक्षकों के माध्यम से कक्षाओं का संचालन कराया जा रहा था। अब राज्य स्तर पर प्रतिनियुक्ति व्यवस्था समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। आदेश के बाद प्रतिनियुक्त शिक्षकों को अपने मूल महाविद्यालयों में वापस लौटना होगा। इससे वीकेएसयू के उन अंगीभूत महाविद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता बढ़ सकती है, जहां लंबे समय से विभिन्न विषयों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। हालांकि, दूसरी ओर नए डिग्री कॉलेजों में शिक्षकों की कमी से पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका भी जताई जा रही है। प्राचार्यों की प्रतिनियुक्ति रहेगी जारी शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति समाप्त किए जाने के बावजूद नए डिग्री कॉलेजों के प्राचार्यों के मामले में अलग व्यवस्था की गई है। नए कॉलेजों में प्रतिनियुक्त प्राचार्य फिलहाल अपने पद पर बने रहेंगे। यानी शिक्षक अपने मूल कॉलेज में लौटेंगे, लेकिन प्रतिनियुक्त प्राचार्य नए डिग्री कॉलेजों में ही प्रशासनिक और शैक्षणिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहेंगे।विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से संबंधित प्रतिनियुक्त शिक्षकों के आवश्यक दस्तावेज और अभिलेख भी उनके मूल महाविद्यालयों को भेजे जाने की प्रक्रिया की जाएगी। इसके बाद शिक्षक अपने मूल संस्थान में योगदान करेंगे। इससे संबंधित कॉलेजों में शिक्षकों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। वीकेएसयू के अधीन नए डिग्री कॉलेजों में शिक्षकों की उपलब्धता को लेकर पहले से ही चुनौती बनी हुई है। ऐसे में प्रतिनियुक्ति समाप्त होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने नए कॉलेजों में नियमित शिक्षकों की व्यवस्था करना महत्वपूर्ण होगा। वहीं, मूल महाविद्यालयों में लौटने वाले शिक्षकों से वहां की शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

एचडी जैन कॉलेज की एनएसएस यूनिट-2 ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

प्रात : किरण संवाददाता

आरा भोजपुर। हरप्रसाद दास जैन महाविद्यालय, आरा की एनएसएस यूनिट-2 एवं सदर अस्पताल, आरा के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को राजकीय मध्य विद्यालय, धरहरा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 300 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य आयोजक एनएसएस यूनिट-2 के कार्यक्रम पदाधिकारी सहायक प्रो डॉ. जगनारायण मिश्र रहे। वहीं कार्यक्रम के परामर्शक सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवेंद्र कुमार सिन्हा तथा संरक्षक कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो डॉ नरेंद्र कुमार रहे।शिविर में सिविल सर्जन द्वारा गठित चिकित्सकों की टीम ने लोगों की स्वास्थ्य जांच की। टीम में तीन जनरल फिजिशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, पैथोलॉजिस्ट, फार्मासिस्ट सहित 10 एएनएम तथा एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई थी। चिकित्सकों ने मरीजों को आवश्यक परामर्श और उपचार उपलब्ध कराया।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार के साथ नेताओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।शिविर के सफल आयोजन में एनएसएस स्वयंसेवक रोहित नरेश, कुमार आदित्य, दुर्गा कुमारी, निकिता कुमारी, हंसिका ओझा, अभय कुमार और आयुष कुमार सहित अन्य स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

क्यूआरटी के साथ पुलिस की कार्रवाई, दो हजार लीटर महुआ पास नष्ट

तरारी (आरा)। सिकरहटा थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ अभियान चलाते हुए थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में कार्रवाई की। थानाध्यक्ष सनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम एवं क्यूआरटी ने छापेमारी कर करीब दो हजार लीटर महुआ पास को नष्ट कर दिया। पुलिस ने सिकरहटा थाना क्षेत्र के पनवारी, सिकरहटा, फतेहपुर एवं बसौरी मुसहर टोली में सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर छिपाकर रखा गया महुआ पास बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया। थानाध्यक्ष सनोज कुमार ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण एवं कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस तरह की गतिविधियों में शामिल लोगों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर प्रधान जिला जज ने की बैठक

गया। आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर प्रधान जिला जज के कक्ष में बैठक आयोजित की गई है।इस बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया डॉ. राकेश कुमार सिंह ने की है।इस बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।प्रधान जिला जज ने सभी न्यायिक पदाधिकारियों को अपने-अपने न्यायालयों में चिन्हित मामलों में शीघ्र नोटिस निर्गत करने तथा नोटिसों की तामील सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चिन्हित मामलों में नोटिस की तामील चौकीदार एवं पारा विधिक स्वयंसेवक (ढछछ) के माध्यम से प्रभावी ढंग से कराई जाए, ताकि अधिक से अधिक पक्षकार राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निष्पादन करा सकें। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाकर अपने विरुद्ध लंबित आपराधिक सुलहनीय मामलों का भी निपटारा कराया जा सकता है।यदि किसी पक्षकार को नोटिस प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन वह अपने सुलहनीय आपराधिक मामले का निष्पादन कराना चाहता है, तो वह संबंधित न्यायालय से संपर्क कर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अपने मामले का निपटारा करा सकता है। इस बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अरविंद कुमार दास, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रकाश कुमार राय सहित अन्य न्यायिक पदाधिकारी उपस्थित थे। राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है।

प्रधानमंत्री को उज्बेकिस्तान में सर्वोच्च सम्मान भारत के 140 करोड़ वासियों का सम्मान है: डॉ. मनीष पंकज मिश्रा

गया जी।देश के ओजस्वी एवं यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जीयोयेव द्वारा देश के सर्वोच्च सम्मान ऑलियी दराजली दोस्तलिक से सम्मानित किए जाने पर भाजपा नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने हर्ष एवं प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्मान नहीं है, बल्कि यह भारत के 140 करोड़ देशवासियों के सम्मान और गौरव का प्रतीक हैउन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज भारत विश्व पटल पर एक सशक्त, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है।भारत की विदेश नीति, कूटनीतिक क्षमता, आर्थिक विकास और वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रभाव ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है।विभिन्न देशों द्वारा प्रधानमंत्री जी को दिए जा रहे सम्मान इस बात का प्रमाण हैं कि भारत की प्रतिष्ठा आज विश्व में लगातार बढ़ रही है। डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्न के संकल्प के साथ देश को विकास की नई दिशा प्रदान की है।उनके नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता, डिजिटल क्रांति, आधारभूत संरचना, महिला सशक्तिकरण, गरीब कल्याण, युवा शक्ति और आर्थिक प्रगति के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा हैउन्होंने कहा कि उज्बेकिस्तान द्वारा दिया गया है यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत होते मैत्रीपूर्ण संबंधों का भी प्रतीक है।यह सम्मान प्रधानमंत्री के नेतृत्व और भारत की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता को दशार्ता है। आज प्रत्येक भारतीय के लिए यह गौरव का क्षण है।डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ह्यविकसित भारत 2047ह्न के संकल्प की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है।आज के कार्यक्रम में भाजपा नेता राणा रणजीत सिंह, संतोष ठाकुर,सुनील बम्बईया, गोपाल प्रसाद यादव, यश राज,दीपक पाण्डेय,सुनील मिश्रा,डॉ श्याम किशोर मिश्रा,मिहिर कुमार,राजू मिश्रा,संतोष कुमार, कुंदन कुमार साकेत सिंह,राजो मांझी,सहित उपस्थित हुए हैं।

पितृपक्ष मेला 2026 की तैयारियों को लेकर डीएम ने किया मेला क्षेत्र की सड़कों एवं नालियों का पैदल निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

गया। पितृपक्ष मेला 2026 के अवसर पर देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने एवं मेला क्षेत्र में सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सड़कों, नालियों एवं जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। पितृपक्ष मेला इस वर्ष 25 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगा। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी गया शशांक शुभंकर ने आज नादरगंज, रामसागर होते हुए चांद चौरा तक पैदल भ्रमण कर मेला क्षेत्र की सड़कों, नालियों, जल निकासी एवं साफ-सफाई व्यवस्था का स्थल निरीक्षण किया तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। इस निरीक्षण के दौरान समाहरणालय के समीप जिला स्कूल के पास सड़क पर बिखरे पत्थरों को तत्काल हटवाने का निर्देश नगर आयुक्त को दिया गया है। डीएम ने नगर आयुक्त एवं बुडको के अभियंताओं को निर्देश दिया कि पितृपक्ष मेला को देखते हुए सड़कों पर अनावश्यक रूप से गड्ढा नहीं किया जाए। मेला क्षेत्र में पूर्व से जहां भी सड़क पर गड्ढा

खोदा गया है, उसका अगले 5 दिनों के भीतर समतलीकरण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। जिला पदाधिकारी ने मेला क्षेत्र में स्थित नालियों की सफाई पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जिन नालियों में कहीं भी पानी जमा हुआ दिखाई दे, वहां पुनः सफाई कराकर जल निकासी सुचारू कराई जाए, ताकि तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। डीएम ने कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, गया को समाहरणालय से नादरगंज होते हुए रामसागर तक पूर्वी एवं पश्चिमी तरफ की सड़कों का समतलीकरण कराने तथा आवश्यकतानुसार कालीकरण कार्य कराने का निर्देश दिया गया है। रामसागर सूर्य मंदिर के समीप बारिश का पानी जमा होने पर जिला पदाधिकारी ने नगर आयुक्त को समुचित जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। वहीं, नादरगंज नाला की सफाई जेसीबी एवं सुपर सक्शन मशीन के माध्यम से अगले चार दिनों में कराने का निर्देश भी दिया गया है। चांद चौरा स्थित सुधा पार्लर के पास निमार्णाधीन नाली का कार्य 10 सितंबर 2026 तक पूर्ण कराने का निर्देश नगर आयुक्त को दिया गया है। आवारा पशुओं के विरुद्ध लगातार अभियान चलाने का निर्देश जिला पदाधिकारी ने मेला क्षेत्र में आवारा पशुओं के विचरण पर रोक लगाने तथा उन्हें सड़कों से हटाने का निर्देश नगर आयुक्त को दिया। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम द्वारा लगातार अभियान चलाकर आवारा पशुओं को सड़कों से हटाया जा रहा है और पशु मालिकों से जुर्माना भी वसूल किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने बताया कि विगत 15 दिनों में 45 आवारा पशुओं को पकड़ा गया है तथा 3.50 लाख की राशि जुर्माने के रूप में वसूल की गई है। आगे भी लगातार अभियान चलाकर आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई जारी रहेगी। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पितृपक्ष मेला शुरू होने से पूर्व मेला क्षेत्र की सड़क, नाली, जल निकासी, साफ-सफाई एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को पूरी तरह दुरुस्त कर लिया जाए, ताकि देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त डा गगन कुमार, वरीय उप समाहर्ता अंकुर कुमार, कार्यपालक अभियंता बुडको, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग, उप नगर आयुक्त, नगर निगम के सभी अभियंता, सफाई प्रभारी, विष्णुपद मंदिर के पुरोहितगण, सड़क-नाली मरम्मति कोषांग के सदस्य, स्थानीय वार्ड पार्षदगण एवं स्थानीय आमजन उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने 26 वर्षों पुराने विवाद का समाधान दिलाई

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी विश्व प्रसिद्ध भगवान विष्णु नगरी मे फल्गु मे आज नई दिल्ली केंद्रीय गृहमंत्री के पहल और मध्यस्थता से 25 वर्षों लंबित विवाद का समाधान हो गया जिससे गया जी सोन - फल्गु नदी जोडो परियोजना और जलाशय निर्माण की दिशा में बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल किया है जिसका श्रेय भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, एवं बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के प्रति सांसद सह केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने आभार व्यक्त किया है। सांसद ने कहा कि सोन नदी को फल्गु नदी से जोड़ने की प्रस्तावित परियोजना को लेकर कई प्रशासनिक कार्य किया जा सकेगा, इससे गयाजी सहित दक्षिण बिहार के कई क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ेगी। फल्गु नदी में पर्याप्त जल रहने से पितृपक्ष मेले के दौरान देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों को भी सुविधा मिलेगी वहीं जिलाध्यक्ष टुन्नु खां, मंत्री सलाहकार दानिश रिजवान, सांसद प्रतिनिधि ई नंद लाल मांझी, प्रवक्ता दिवाकर सिंह, राजेश पाण्डेय, नंद लाल मांझी ने कहा कि जीतन राम मांझी की पहल का बड़ा परिणाम फल्गु नदी में पानी आना हुआ आसान। इस ऐतिहासिक पहल में आदरणीय जीतन राम मांझी, केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री, भारत सरकार एवं सांसद, गया लोकसभा क्षेत्र, की पहल एवं बिहार के हितों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह का हार्दिक आभार व्यक्त करती है गया की जनता। बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी के जल बंटवारे से जुड़े 26 वर्षों से लंबित विवाद के समाधान की दिशा में आज एक ऐतिहासिक सहमति बनी है। सोन नदी के जल बंटवारे का समाधान केवल सिंचाई और कृषि के लिए महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इससे गया और आसपास के क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ाने तथा पवित्र फल्गु नदी में पानी लाने की दिशा में भी रास्ता साफ होने की उम्मीद मजबूत हुई है। फल्गु नदी में पानी – गया की वर्षों पुरानी आवश्यकता फल्गु नदी गया की जीवनरेखा और आस्था का केंद्र है। सोन नदी के जल के बेहतर उपयोग और जल प्रबंधन से फल्गु नदी में पर्याप्त पानी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण रास्ता खुलने की संभावना है। इससे गया सहित आसपास के क्षेत्रों में किसानों, आम नागरिकों और धार्मिक पर्यटन को भी बड़ा लाभ मिल सकता है। दुर्भाग्यवश जीतन राम मांझी जी की तबीयत खराब होने के कारण वे आज की बैठक में स्वयं उपस्थित नहीं हो सके। यदि उनकी तबीयत ठीक होती तो निश्चित रूप से वे इस ऐतिहासिक बैठक में उपस्थित होकर बिहार, गया और फल्गु नदी के हितों की मजबूती से आवाज रखते। यह निर्णय बिहार के किसानों के लिए सिंचाई, कृषि और विकास को नई गति देगा और गया और फल्गु नदी के लिए भी एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटील, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं जीतन राम मांझी का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन हम सभी और गया संसदीय क्षेत्र की जनता और बिहार वासियों ने की है। केन्द्रीय मंत्री सह सांसद जीतन राम मांझी की पहल आज रंग लाई है। अब कभी फल्गु नदी विरान नही होगी। आज का दिन गया जी के लिए एक नया अध्याय लिखने जा रही है जीतन राम मांझी के पहल पर बिहार के हित में यह ऐतिहासिक परिणाम! सोन का पानी – बिहार की खुशहाली की कहानी। फल्गु में पानी – गया की नई पहचान।

मनोवैज्ञानिक शोध में सांस्कृतिक प्रासंगिकता जरूरी : प्रो. आरएनसिंह

प्रात : किरण संवाददाता

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग की ओर से मंगलवार को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के मनोविज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. आर.एन. सिंह रहे हैं। उन्होंने शोध उपकरण,मनोवैज्ञानिक मापनी का सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक उपकरण के रूप में अनुकूलन विषय पर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को संबोधित किया है। प्रो. सिंह ने कहा कि मनोवैज्ञानिक शोध में किसी मानकीकृत शोध उपकरण अथवा मापनी का दूसरी भाषा या संस्कृति में सीधे प्रयोग करना हमेशा वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होता। विभिन्न संस्कृतियों में व्यक्ति के व्यवहार, भावनात्मक अभिव्यक्ति, सामाजिक मान्यताओं तथा जीवन-अनुभवों में महत्वपूर्ण अंतर पाए जाते हैं। ऐसे में किसी भी मनोवैज्ञानिक मापनी को नई सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में प्रयोग करने से पहले उसका सांस्कृतिक अनुकूलन आवश्यक है।उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक अनुकूलन केवल भाषा के अनुवाद तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसके लिए भाषायी समानता, सांस्कृतिक उपयुक्तता, अवधारणात्मक समानता, विश्वसनीयता और वैधता जैसे वैज्ञानिक मानकों का भी ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने शोधार्थियों को समझाया कि किसी अन्य देश या संस्कृति में विकसित मापनी का भारतीय संदर्भ में उपयोग करने से पहले उसकी वैज्ञानिक उपयुक्तता का परीक्षण किया जाना चाहिए। प्रो. सिंह ने अनुवाद, पुनःअनुवाद, विशेषज्ञ मूल्यांकन, प्रारंभिक परीक्षण, विश्वसनीयता परीक्षण एवं वैधता परीक्षण जैसी विभिन्न प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी है। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि जिस मनोवैज्ञानिक अवधारणा को मापने के लिए कोई शोध उपकरण तैयार किया गया है, वह नई सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में भी उसी अर्थ और प्रभावशीलता के साथ उस अवधारणा को माप रहा है या नहीं, इसका वैज्ञानिक परीक्षण आवश्यक है। विशेष व्याख्यान में विभाग के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है।इस कार्यक्रम के अंत में विभाग की ओर से प्रो. आर.एन. सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया गया है। इस अवसर पर प्रो. सुप्रिति सुमन, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. प्रगति, डॉ. रविन्द्र सिंह एवं डॉ. प्रभात रंजन सहित विभाग के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शांति निकेतन पर्व में गया जी के वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट रूपक सिन्हा का अभिनन्दन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।पूरे भारतवर्ष में इन दिनों रविन्द्र महोत्सव मनाया जा रहा है, उसी कड़ी में सांस्कृतिक संस्था ता थई डांस एकेडमी,द्वारा ह्लअहोभन आशिलो महोत्सवे ह्ल शांतिनिकेतन पङ्कबंङ्क के श्रीजनी शिल्पग्राम, ई जे सी सी ऑडिटोरियम में मनाया गया. मानसून उत्सव वषार्मंगलथीम पर आधारित कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित और कवि रविन्द्र नाथ टैगोर के चित्र पर माल्यार्पण कर मुख्य अतिथि डॉङ्क सुमित बसु, प्राध्यापक मणिपुरी नृत्य पुरोधा,विश्व भारती विश्वविद्यालय,शांतिनिकेतन, बिहार के जाने -माने फोटो जर्नलिस्ट रूपक सिन्हा गया जी डॉङ्क कौसतव कर्मकार, सहायक प्राध्यापक, रविन्द्र

संगीत, विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, स्वरुप पॉल, निदेशक संगीत कम्पोजर एवं ता थई डांस एकेडमी के निदेशक अबिनाश विश्वास ने किया. कार्यक्रम की संयोजिका थी देश -विदेस में विख्यात सुप्रसिद्ध ओड़िसी नृत्याँगना और ता थई डान्स एकेडमी की प्राचार्या अर्पिता विश्वास जिनके मार्गदर्शन में सारे कार्यक्रम की रूप - रेखा तैयार की गयी थी।इस उद्घाटन सत्र के दौरान आगत अतिथियों का स्वागत पारम्परिक तौर पर चन्दन तिलक लगाकर शॉल ओढ़ाकर और मोमेंटो, आदि प्रदान कर किया है गया.कार्यक्रम के दूसरे सत्र में रविन्द्र संगीत पर आधारित गीत -संगीत -नृत्य,ता थई डांस एकेडमी की हिमीका बजर,मधु गन्धे वोरा,सुनीता सिन्हा, श्रितमा स्निंगधा घोष के ओन्दरीला दत्ता के अलावे कल्याणी नृत्य मंदिर की छात्राएँ अंनन्या लोहार, सना दास, आराध्या मुखर्जी, अर्पिता धारा, प्रियंका मांझी, पोलमी दास, आशमी खान, मोहना संत्रा, सम्पति केश जबकि बोलपुर सुनंदा नृत्यांगन की छात्राएँ अन्वेशा मंडल, संचिता सरकार, नंदिनी दास बैराग्यो, अपराजिता हाजरा, प्रमिता साधु, सारांया बागड़ी, महिमा किशकू, संगीता सोरेन प्संस्थान के छात्र -छात्राओं ने शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया है. इस सांस्कृतिक प्रस्तुति के क्रम में ही शांतु मंडल का एकल नृत्य की भी प्रस्तुति सहित फिल्म निमार्ता एंकर -ब्लॉगर। स्वरुप बसु का भी प्रदर्शन शानदार रहा. कार्यक्रम का संचालन बखूबी आकाशवाणी शांतिनिकेतन से जुड़ी जिनिया बैनर्जी अधिकारी ने किया है।अंत में सभी कलाकारों को मुख्य अतिथियों के द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए हैं। धन्यवाद ज्ञापन के दरम्यान कार्यक्रम की संयोजिका अर्पिता विश्वास ने सहयोग के लिए सभी का अभिवादन कियाजिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.विशेष कर गया जी से पधारें रूपक सिन्हा, मोली कर्मकार, सुनीता सिंघा,प्रकाश एवं ध्वनि संचालक किए हैं।

प्रमंडलीय संयोजक के नेतृत्व में विद्यालय के सभी शिक्षक ,कर्मचारी काला बिल्ला लगाकर सरकार से मांग

गया जी।पुरानी पेंशन को लागू करने के लिए आज पूरे देश के कर्मचारी व शिक्षक अपने बाजू पर काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं ।इसका आवाहन बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोपगुट, अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ गोपगुट, राष्ट्रीय महिला कर्मचारी व शिक्षक मोर्चा ने किया है। जिसके आलोक में आज प्रमंडलीय संयोजक डॉ विनोद कुमार के नेतृत्व में विद्यालय के सभी शिक्षक व कर्मचारी काला बिल्ला लगाकर सरकार से मांग करते हुए कहा की नई पेंशन योजना को बंद कर जल्द से जल्द पुरानी पेंशन योजना को लागू की जाए ।कर्मचारी व शिक्षक खून पसीना बहाकर देश की अर्थव्यवस्था एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाता है। लेकिन जब उन्हें सेवानिवृत्ति होती है तो उनके सहारा देने वाला पुरानी पेंशन योजना को छीन ली गई । पेंशन योजना एक लाठी का काम करता था यानी बुढ़ापे में सहारा बनता था जिसे समाप्त कर कर्मचारी व शिक्षकों को दर-दर भटकने पर मजबूर कर दिया गया है ।मैं राज्य व देश के सरकार से मांग करते हुए कहना चाहता हूं कि शिक्षकों वकर्मचारियों की जो दर्द है उसे समझें और जल्द से जल्द पुरानी पेंशन योजना लागू करें। मौके पर शिक्षक मोहम्मद हबीबुल्लाह, चांदनी कुमारी, श्वेता कुमारी, दरोंखशा निगार अफसर, प्रवीण तबस्सुम, नाजनी तबस्सुम सभी ने काला बिल्ला लगाकर सरकार से पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने के लिए आग्रह किये है ।

मानपुर क्षेत्र में भीषण जाम से जनजीवन अस्त-व्यस्त

युवा समाजसेवी आकाश प्रियदर्शी ने जताई गहरी नाराजगी

प्रात : किरण संवाददाता

मानपुर। गया के मानपुर सिक्स लेन ब्रिज, जनकपुर, देविस्थान, नॉर्थ लखीबाग, साउथ लखीबाग और राणानगर तथा राजमार्केट जैसे प्रमुख इलाकों में विगत दो दिनों से लगातार घंटों-घंटों तक भीषण जाम लगने के कारण आम जनता और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है । इस गंभीर समस्या पर गया शहर के युवा समाजसेवी, पूर्व भाजपा युवा नेता सह विशाल प्राइवेट आईटीआई बोधगया के ट्रस्टी आकाश प्रियदर्शी उर्फ एपी ने कड़ा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि गया जैसे धार्मिक और विश्वप्रसिद्ध शहर में आए दिन आम जनता को इस तरह की विकट जाम की समस्या झेलनी

पड़ रही है, जिससे तीर्थयात्रियों और पर्यटकों के साथ-साथ स्थानीय लोगों का आवागमन भी पूरी तरह प्रभावित हो रहा है और प्रशासन को इस ओर तत्काल ठोस कदम उठाने की सख्त आवश्यकता है ! वहीं, इस विकट स्थिति को लेकर अपनी पीड़ा साझा करते हुए स्थानीय निवासी सह दूध कारोबारी विकास यादव ने कहा कि यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि हम सभी इस गंभीर ट्रैफिक जाम की मार को पिछले कई सालों से निरंतर झेल रहे हैं, जिससे न केवल हमारा दैनिक कारोबार बुरी तरह प्रभावित होता है बल्कि आपातकालीन स्थितियों में मरीजों और स्कूली बच्चों को भी अस्पताल या गंतव्य तक पहुँचने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, और जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता के कारण आज तक इस स्थायी समस्या का कोई भी संतोषजनक समाधान नहीं निकल पाया है, जिससे स्थानीय लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त होता जा रहा है।

अधिवक्ताओं ने बार काउंसिल अध्यक्ष पर लगे आरोपों को बताया तथ्यहीन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। आज गया जी बार एसोसिएशन के सदस्यों के द्वारा बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य मनन कुमार मिश्रा के विरुद्ध कुछ लोगों द्वारा लगाए जा रहे विभिन्न आरोपों को अधिवक्ताओं ने सत्यहीन, तथ्यहीन एवं वास्तविकता से परे बताया है। इस अवसर पर बिहार बर काउंसिल के सदस्य मुरार कुमारी हिमांशु ने कहा कि मनन कुमार मिश्रा ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के रूप में सदैव अधिवक्ताओं के हितों की मजबूती से आवाज उठाई है और उनके अधिकारों एवं सम्मान के लिए लगातार प्रयासरत रहे हैं मनन मिश्रा ने न केवल देशभर के अधिवक्ताओं से जुड़े विषयों को गंभीरता से उठाया है, बल्कि विधि शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने की दिशा में भी लगातार कार्य किया है। कानून की पढ़ाई करने वाले छात्रों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके, इसके लिए विधि महाविद्यालयों का समय-समय पर निरीक्षण एवं शैक्षणिक मानकों की समीक्षा भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनका मानना रहा है कि मजबूत न्याय व्यवस्था के लिए गुणवत्तापूर्ण विधि शिक्षा और सक्षम अधिवक्ता दोनों आवश्यक हैं। इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने कहा कि जब से मनन मिश्रा राज्यसभा के सदस्य बने हैं, तब से राजनीतिक विरोध के कारण उनके विरुद्ध विभिन्न प्रकार के आरोप और भ्रम फैलाने का प्रयास किया जाता रहा है।ऐसे समय में आवश्यकता है कि अधिवक्ता किसी भी आरोप या प्रचार पर बिना तथ्यों की जांच किए विश्वास न करें और वास्तविकता को समझने के बाद ही अपनी राय बनाएं। इसी क्रम में आज गया गया जी बार एसोसिएशन परिसर में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं एवं समर्थकों ने मनन मिश्रा के समर्थन में अपनी एकजुटता प्रदर्शित की है। उपस्थित अधिवक्ताओं ने जोरदार नारे लगाते हुए कहा–मनन मिश्रा तुम संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं। इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता एस राजेश आनंद नागेंद्र प्रसाद शर्मा शशि भूषण मालवीय आशुतोष पांडे मनीष कुमार महेंद्र प्रसाद सिंह अवधेश रविदास जयप्रकाश सिंह दीपक कुमार राहुल कुमार डॉ सुनील कुमार राकेश कुमार अखिलानंद मिश्रा कमलेश कुमार राज किशोर प्रसाद विनय किशोर विमलेश कुमार अजय कुमार, अजीत सिंह, शिवकुमार ,सत्येंद्र कुमार सिंह , ललित कुमार, एजाज केवरिया नोटरी सुमन सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने एक स्वर में कहा कि मनन मिश्रा के प्रति अधिवक्ताओं का विश्वास मजबूत है और किसी भी प्रकार के बहकावे अथवा भ्रामक प्रचार से प्रभावित होने की आवश्यकता नहीं है।वक्ताओं ने सभी अधिवक्ता साथियों से अपील की कि वे किसी भी आरोप को आंख मूंदकर स्वीकार न करें, बल्कि तथ्यों की पड़ताल करें और सत्य को समझें। अधिवक्ताओं के हितों, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए जो व्यक्ति लगातार आवाज उठाता रहा है, उसके साथ खड़ा होना पूरे अधिवक्ता समाज की एकजुटता का प्रतीक है।मनन मिश्रा के प्रति अधिवक्ताओं का विश्वास अटूट है।अधिवक्ता समाज एकजुट है और अपने हितों की आवाज के साथ मजबूती से खड़ा है।

जगजीवन महाविद्यालय के मानवीकी संकाय अंतर्गत अंग्रेजी विभाग के द्वारा स्नातक 2026-30 बैच के छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।आज जगजीवन महाविद्यालय, गया जी के मानवीकी संकाय अंतर्गत अंग्रेजी विभाग के द्वारा स्नातक 2026-30 बैच के छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजित किया गया। इसमें भारी संख्या में छात्र-छात्राएं और संबंधित विभागों के प्रोफेसर मौजूद थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मो. ऐयूब ने की है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि आप सभी को यह जानकर आश्चर्य होगा कि वर्तमान समय में जगजीवन महाविद्यालय मगध विश्वविद्यालय का एकमात्र ऐसा कॉलेज है जिसे नैक से सबसे अधिक प्वाइंट हासिल है। आप नए विद्यार्थियों को यह भी मालूम होना चाहिए कि जगजीवन महाविद्यालय गया जी के सबसे पुराने कॉलेजों

में से एक है। इस महाविद्यालय के अधिकांश संकाय बहुत मेहनती एवं अनुभवी हैं। आप सभी विद्यार्थी नियमित तौर पर कक्षाओं में अपनी उपस्थिति बनाए रखिए। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. पूर्णेंदु कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 विविधताओं से लैस है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। आप जब नए पाठ्यक्रम से होकर गुजरेंगे तो आप यह समझ पाएंगे कि यह कई मामलों में नवाचार को प्राथमिकता देता है। इसलिए कुल छह यूनिट के इस पाठ्यक्रम को ध्यान से देखना और उसे आत्मसात करना होगा। इस पाठ्यक्रम का निर्माण बदलते समाज की प्रकृति को केंद्र में रखकर किया गया है। मंच संचालन करते हुए अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. शोभा ने विस्तारपूर्वक नए विद्यार्थियों को कक्षा में आने की अनिवार्य को रेखांकित किया है। विद्यार्थी अपने भीतर भाषा कौशल का विकास तब तक नहीं कर सकेंगे, जब तक कि वे नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित नहीं होंगे। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता शिक्षक की जगह नहीं ले सकती है । इस कार्यक्रम को मनोविज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अनुरानी, हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता कुमारी, हिन्दी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रदीप कुमार, दर्शनशास्त्र विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. संगीता कुमारी ने भी सम्बोधित किया है। इस अवसर पर प्रो. डॉ. रतिकांत दास, डॉ. शिवकुमार रविदास, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. धर्मेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन परीक्षा नियंत्रक डॉ. मनीष कुमार सिंह ने किया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर न्यायिक पदाधिकारियों की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

शेरघाटी। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर मंगलवार को अनुमंडलीय न्यायालय, गया में सभी न्यायिक पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (बालसा) के निर्देश तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया राकेश कुमार सिंह के आदेशानुसार किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला जज प्रथम-सह-अध्यक्ष, अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, गया लवकुश कुमार ने की। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने को लेकर न्यायिक पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला जज प्रथम ने चिन्हित मामलों में संबंधित पक्षकारों को समय पर नोटिस जारी करने तथा प्री-सिटिंग के

माध्यम से दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति एवं समझौता कायम कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से विवादों का त्वरित और सरल तरीके से समाधान संभव है। इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों को सरल, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, जिससे पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सके। उन्होंने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि आगामी 12 सितंबर को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने निस्तारण योग्य मामलों को आपसी समझौते के आधार पर समाप्त कराने का अवसर प्राप्त करें। इसके लिए पक्षकार संबंधित न्यायालय अथवा विधिक सेवा समिति से संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने लोक अदालत की सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। बैठक में अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम राजेश कुमार सिंह, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी द्वितीय प्रीति कुमारी, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी तृतीय संजय कुमार, अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी आलोक कुमार सहित प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के सभी न्यायिक दंडाधिकारी उपस्थित रहे।

मृतक के परिजन से मिले विधायक मनोज शर्मा, हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

अरवल। अरवल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बेलखारा में बीते दिनों बिजली करंट लगने से जयकिशोर चंद्रवंशी की मृत्यु हो गई थी। उक्त घटना की जानकारी मिलते ही अरवल विधायक मनोज शर्मा उनके घर पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मिलकर गहरी संवेदना व्यक्त की। विधायक मनोज शर्मा ने कहा कि इस दुख की विकट परिस्थिति में हमारी संवेदनाएं परिजनों के साथ हैं। ईश्वर मृतक की आत्मा को अपने श्रीचरणों में शांति दें और इस दुख की घड़ी में परिवार को सहनशक्ति प्रदान करें। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस दौरान भाजपा के शहर तेलपा मंडल अध्यक्ष मुकेश भगत सहित कई स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिले की 45 पंचायतों में आयोजित हुआ सहयोग शिविर

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में जिले के सभी प्रखंडों की कुल 45 पंचायतों में सहयोग शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में कार्रवाई की गई। जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण तरनजोत सिंह ने चनपटिया प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत राज भैंसही पोखरिया में आयोजित सहयोग शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचे ग्रामीणों से सीधे संवाद किया, उनकी समस्याओं एवं आवेदनों की जानकारी ली तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने शिविर परिसर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का बारी-बारी से निरीक्षण किया और आमजनों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों, उनके निष्पादन की स्थिति एवं लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजनों की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ समाधान सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, कार्यपालक सहायक एवं विकास मित्र को निर्देशित किया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के शत-प्रतिशत लाभुकों का जीवन प्रमाणीकरण प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए, ताकि कोई भी पात्र लाभुक पेंशन की सुविधा से वंचित न रहे। उन्होंने फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्य में भी तेजी लाने तथा सभी पात्र किसानों का समयबद्ध तरीके से पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आवास योजना से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों से भी सहयोग की अपील की। उन्होंने ग्राम पंचायत के माननीय मुखिया श्री परशुराम राम से कहा कि पंचायत स्तर पर छूटे हुए पेंशनधारियों के जीवन प्रमाणीकरण तथा सभी योग्य किसानों के फॉर्मर रजिस्ट्रेशन कार्य में सक्रिय सहयोग करें, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों तक पहुंच सके। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने कहा कि सहयोग शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजनों को सरकारी कार्यालयों का चक्कर लगाए बिना पंचायत स्तर पर ही विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि लोगों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित हो। सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। इस अवसर पर विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार, अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी-सह-अपर जिला पंचायत राज पदाधिकारी, मुकेश कुमार चैधरी, प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रणव कुमार गिरि श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी लोकेश झा, बीपीआरओ विवेक कुमार सहित अन्य स्थानीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। वहीं दूसरी ओर उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने मझौलिया प्रखंड अंतर्गत महनागनी एवं रतनमाला पंचायतों में संचालित सहयोग शिविरों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इसी प्रकार जिले के विभिन्न प्रखंडों में आयोजित सहयोग शिविरों का अन्य जिलास्तरीय एवं नामित नोडल पदाधिकारियों द्वारा भी निरीक्षण किया गया तथा शिविरों की व्यवस्थाओं, विभागीय स्टॉलों एवं प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की स्थिति की समीक्षा की गई।

मोतिहारी को 285 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात
सीएम सम्राट चौधरी ने किया उद्घाटन व शिलान्यास

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी पूर्वी चंपारण के ऐतिहासिक गांधी मैदान में मंगलवार को आयोजित बापूधाम महोत्सव-2026 के तीन दिवसीय आयोजन का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भव्य उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जिले को करीब 285 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं की सौगात देते हुए कई योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मोतिहारी में मेडिकल कॉलेज और चीनी मिल स्थापित करने की घोषणा की। इसके साथ ही मोतिहारी में हेलीपैड निर्माण की भी घोषणा की गई। इन परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं, औद्योगिक गतिविधियों, रोजगार और आधारभूत संरचना को नई गति मिलने की उम्मीद है।वहीं, सांसद एवं पूर्व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री राधामोहन सिंह की मांग पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मोतिहारी में तारामंडल बनाने की घोषणा की। तारामंडल के निर्माण से विद्यार्थियों और युवाओं को खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष के क्षेत्र में जानकारी हासिल करने का अवसर मिलेगा।बापूधाम महोत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री के पहुंचने पर मंचासीन नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया।मेडिकल कॉलेज, चीनी मिल, हेलीपैड और तारामंडल जैसी महत्वपूर्ण घोषणाओं को पूर्वी चंपारण के विकास की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। तीन दिवसीय बापूधाम महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

चितवन में 65 रेडक्रॉस स्वयंसेवक शवों की खोज और प्रबंधन में जुटे

बगहा। भोटेकोशी बाढ़ के बाद नारायणी नदी के तटीय क्षेत्रों में शवों की खोज, पहचान और व्यवस्थापन के लिए नेपाल रेडक्रॉस सोसाइटी चितवन शाखा ने 65 स्वयंसेवकों को अभियान में लगाया है। स्वयंसेवक प्रशासन के समन्वय में शवों की खोज एवं उद्धार, शवगृह और शव व्यवस्थापन के कार्य में सहयोग कर रहे हैं। रेडक्रॉस के अनुसार, बाढ़ के दौरान नारायणी नदी किनारे रहने वाले लोगों को पूर्व सूचना देने के लिए माइकिंग और अलर्ट अभियान भी चलाया गया था। नदी किनारे शव मिलने के बाद प्रशासन के साथ समन्वय कर खोज और व्यवस्थापन का काम शुरु किया गया। भरतपुर अस्पताल के शवगृह में जगह कम पड़ने के बाद रेडक्रॉस ने अस्थायी शवगृह के लिए त्रिपाल, स्ट्रेचर, ग्लव्स, मास्क और सैनिटाइजर समेत आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई है। संस्था ने रक्तसंचार सेवा को भी प्रभावी बनाए रखने में सहयोग किया है और करीब 600 यूनिट रक्त उपलब्ध होने की जानकारी दी है। रेडक्रॉस ने चितवन जिला विपद् व्यवस्थापन समिति को 322 शव व्यवस्थापन बैग उपलब्ध कराए हैं।वहीं पूर्वी नवलपरासी रेडक्रॉस को भी 100 शव व्यवस्थापन बैग दिए गए हैं।

ठगी मामले का पुलिस ने किया उद्भेदन

बगहा। नौरंगिया थाना क्षेत्र में किराये के बहाने ई-रिक्शा लेकर फरार होने के मामले का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से चोरी के दो ई-रिक्शा, एक मोबाइल फोन और एक नंबर प्लेट बरामद की गई है। बगहा एसपी राजेश कुमार ने बताया कि मामले में पीड़ित ई-रिक्शा चालक के आवेदन पर नौरंगिया थाना में कांड संख्या 71/26 दर्ज किया गया था। मामले की जांच के लिए एसडीपीओ बगहा निहार भूषण के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई।

60 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली। थाना क्षेत्र में शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सुगौली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर भटहा गांव में छापेमारी कर एक शराब कारोबारी को 60 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान बूट्टाई सहनी, पिता मुकुर्धन सहनी, निवासी रायपट्टी भटहा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि भटहा क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से देसी चुलाई शराब का कारोबार किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। इस दौरान बूट्टाई सहनी को 60 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ पकड़ लिया गया। पुलिस ने बरामद शराब को जब्त कर लिया तथा गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, पुलिस ने एक अन्य मामले में कुर्की वारंटी दिसान, पिता नुरुल्लाह, निवासी श्रीपुर बाजार को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों गिरफ्तार आरोपितों को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा है। पुलिस ने कहा कि थाना क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

चिरैया में चोरी की मोटरसाइकिल के साथ चोर गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मोतिहारी। जिले के चिरैया थाना क्षेत्र के बसवरिया गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि बसवरिया गांव में चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक व्यक्ति मौजूद है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर छापेमारी की।इस दौरान पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल बरामद करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान जोगिंदर राय के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है और आरोपित से पूछताछ की जा रही है। चिरैया थानाध्यक्ष अम्बेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि बरामद मोटरसाइकिल कहां से चोरी की गई थी तथा इस घटना में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता है या नहीं।

पैसे के लेनदेन में युवक की हत्या का आरोप, श्मशान घाट में मिला 20 वर्षीय आदित्य का शव

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। जिले के कुमारबाग थाना क्षेत्र के तुरहापट्टी तिवारी टोला वार्ड नंबर-5 में मंगलवार को श्मशान घाट से 20 वर्षीय युवक का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान तुरहापट्टी निवासी हरेंद्र साह के पुत्र आदित्य कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने गांव के ही तीन युवकों पर पैसे के लेनदेन को लेकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतक के पिता हरेंद्र साह के अनुसार, मंगलवार सुबह कुछ युवक बिजली का काम कराने के बहाने आदित्य को घर से बुलाकर अपने साथ ले गए थे। इसके बाद कुछ ग्रामीणों ने कथित तौर पर युवकों को मोटरसाइकिल से श्मशान घाट की ओर जाते देखा। कुछ देर बाद परिजनों को आदित्य के श्मशान घाट में होने की जानकारी मिली। परिजन जब वहां पहुंचे तो आदित्य का शव जमीन पर पड़ा मिला। शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही तीन थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। काफी प्रयास के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच, बेतिया भेज दिया। वहीं, घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। मनुवापुल थानाध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता चलेगा। फिलहाल पुलिस आरोपों की भी जांच कर रही है।

मां का इलाज कराने निकला अजय, हादसे में गई जान

मैनाटांड़। मैनाटांड़ थाना क्षेत्र के रमपुरवा गांव निवासी 36 वर्षीय अजय कुमार की सोमवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपनी मां रामावती देवी का इलाज कराने टेंपो से सिधाव जा रहा था। इसी दौरान रामनगर थाना क्षेत्र के सोमवारसा गांव के समीप त्रिवेणी कैनाल नहर के पास अचानक सड़क पर बकरी आ गई। उसे बचाने के प्रयास में टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में अजय कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी मां रामावती देवी घायल हो गईं। जिस मां का इलाज कराने निकला था, उसी की आंखों के सामने उजड़ गया संसार अजय अपनी मां का इलाज कराने घर से निकला था, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने पूरे परिवार को जिंदगी भर का दर्द दे दिया। हादसे में इकलौते बेटे की मौत से मां रामावती देवी पूरी तरह टूट गई हैं। घायल अवस्था में भी उन्हें अपने बेटे को खोने का गहरा सदमा है।अजय परिवार का इकलौता संतान था और घर की तमाम जिम्मेदारियां उसके कंधों पर थीं। उसकी मौत से पत्नी अमृता देवी और तीन छोटे बच्चों के सामने जीवन की बड़ी मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। मृतक के तीन बच्चे अभय कुमार (8), विशाल कुमार (7) और प्रीति कुमारी (6) हैं। पिता की अचानक मौत से तीनों मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। पिता के लौटने का इंतजार करती रह गईं मासूम आंखें अजय के तीनों बच्चे अभी इतने छोटे हैं कि शायद उन्हें पूरी तरह एहसास भी नहीं है कि उनके पिता अब कभी लौटकर घर नहीं आएंगे। हादसे के बाद घर में पसरा सन्नाटा और परिजनों की चीख-पुकार से गांव का माहौल गमगीन है। पत्नी अमृता देवी के सामने अब तीनों बच्चों की परवरिश, पढ़ाई और भविष्य की जिम्मेदारी आ गई है। वहीं, जिस बेटे के सहारे मां रामावती देवी का जीवन चल रहा था, उसी बेटे की मौत ने उन्हें गहरे सदमे में डाल दिया है। गांव में पसरा मातम घटना की खबर मिलते ही रमपुरवा गांव में मातम छा गया। अजय की असमय मौत की खबर सुनकर ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।मृतक की पहचान रमपुरवा गांव निवासी अजय कुमार, पिता स्व. श्रवण साह उर्फ मीठा साह के रूप में हुई है। अजय की मौत से परिवार के सामने अब तीन छोटे बच्चों के भरण-पोषण और भविष्य की चिंता सबसे बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हो गई है।

अवैध नर्सिंग होम में इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह एक महिला की मौत हो गई

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली। नगर के हॉस्पिटल रोड में एक अवैध नर्सिंग होम में इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह एक महिला की मौत हो गई। मृतका उतरी मनसिंघा पंचायत के हाता गांव निवासी ओमप्रकाश सहनी की पत्नी चंदा देवी बताई जाती है। घटना के बाद से नर्सिंग होम के सभी कर्मी फरार बताए जाते हैं। मिली जानकारी के अनुसार तीन दिन पहले बच्चा प्रसव को लेकर भर्ती किया गया था। डाक्टर ने आपरेशन कर बच्चा को निकाला। और आपरेशन के बाद अस्पताल में ही भर्ती थी। इलाज के क्रम में ही उसकी मौत हो गई। परिजन भी अस्पताल में मौजूद थे। इसको लेकर मृतका के पति ओमप्रकाश सहनी ने एसीएमओ को आवेदन दे जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। दिए आवेदन में उसने बताया है कि जालसाजों के चक्कर में पड़कर मै बस स्टैंड चौक के समीप स्थित श्वेता इमरजेंसी नर्सिंग होम में अपने पत्नी के बच्चेदानी का ऑपरेशन कराने के लिए भर्ती कराया था। वहां लगे बोर्ड पर डॉ मीरा गुप्ता एमबीबीएस, डॉ अर्जुन कुमार एमबीबीएस का बोर्ड लगा है। पर बाद में पता चला कि ये लोग यहां पहले आए थे, अब नहीं आते हैं। जिन्होंने इलाज किया वे सभी फर्जी डॉक्टर हैं। जिनके गलत इलाज से मेरी पत्नी की मौत हो गई। वही इस बाबत एसीएमओ डॉ ए असद ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले में जांच टीम का गठन कर दिया गया है। वही इस बाबत थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि सूचना पर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम कराने के लिए भेज दिया गया है। प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाल्मीकि आश्रम के समीप पहुंचा हाथियों का झुंड, लोगों और दुकानदारों में दहशत

बगहा। पर्यटन नगरी वाल्मीकिनगर स्थित वाल्मीकि आश्रम के समीप सोमवार की देर शाम जंगली हाथियों का झुंड पहुंचने की सूचना से आसपास के लोगों और दुकानदारों में दहशत का माहौल बन गया। मंदिर परिसर में मौजूद एक दुकानदार ने दूर से टॉर्च की रोशनी में हाथियों के झुंड का वीडियो भी बनाया। राहत की बात है कि हाथियों द्वारा अब तक किसी व्यक्ति या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की सूचना नहीं है। वाल्मीकिनगर रेंजर सत्यम कुमार ने बताया कि हाथियों का झुंड वाल्मीकि आश्रम से आगे जंगल क्षेत्र में चहलकदमी करते देखा गया है। वीटीआर में जंगली हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए अलर्ट जारी किया गया है। वनकर्मियों को हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। बताया जा रहा है कि नेपाल के चितवन क्षेत्र से जंगली हाथियों का झुंड प्राकृतिक रास्तों से वीटीआर में प्रवेश करता है। इस बार करीब 12 हाथियों के झुंड, जिसमें शावक भी शामिल हैं, के पहुंचने की सूचना है। वन विभाग हाथियों की गतिविधियों की लगातार निगरानी कर रहा है।

नेपाल प्रधानमंत्री राहत कोष में सहयोग का सिलसिला जारी, कन्दरा बैंड ने दिए 21 लाख रुपये

बगहा।नेपाल में भोटेकोशी बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री दैवी प्रकोप उद्धार कोष में देश-विदेश से लगातार आर्थिक सहयोग पहुंच रहा है।इसी क्रम में नेपाली संगीत समूह कन्दरा बैंड ने अमेरिका के एटलांटा में आयोजित अपने कार्यक्रम के माध्यम से जुटाए गए 21 लाख नेपाली रुपये राहत कोष में प्रदान किए हैं। बैंड ने बताया कि ह्यरिदम ऑफ चेंजझ्नॉर्थ अमेरिका टूरह्व के तहत आयोजित एटलांटा कॉन्सर्ट को बाढ़ पीड़ितों की सहायता अभियान का रूप दिया गया था। इस कार्यक्रम में नेपाली समुदाय, सामाजिक संस्थाओं, व्यवसायियों, कलाकारों और दर्शकों ने सहयोग कर राहत राशि जुटाई। उधर, प्रधानमंत्री राहत कोष में अब तक 5 अरब 4 करोड़ 46 लाख 81 हजार 369 नेपाली रुपये से अधिक जमा होने की जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से दी गई है। सरकार ने लोगों से केवल आधिकारिक क्यूआर कोड और अधिकृत बैंक खातों के माध्यम से ही सहयोग भेजने की अपील की है, ताकि राहत राशि का पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। राहत कोष में विभिन्न कंपनियों, सामाजिक संस्थाओं और व्यक्तिगत दानदाताओं द्वारा लगातार योगदान दिया जा रहा है।यह राशि बाढ़ प्रभावित परिवारों के राहत, उद्धार, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों में उपयोग किए जाने की बात कही गई है।

चितवन में 65 रेडक्रॉस स्वयंसेवक शवों की खोज और प्रबंधन में जुटे

बगहा। भोटेकोशी बाढ़ के बाद नारायणी नदी के तटीय क्षेत्रों में शवों की खोज, पहचान और व्यवस्थापन के लिए नेपाल रेडक्रॉस सोसाइटी चितवन शाखा ने 65 स्वयंसेवकों को अभियान में लगाया है। स्वयंसेवक प्रशासन के समन्वय में शवों की खोज एवं उद्धार, शवगृह और शव व्यवस्थापन के कार्य में सहयोग कर रहे हैं। रेडक्रॉस के अनुसार, बाढ़ के दौरान नारायणी नदी किनारे रहने वाले लोगों को पूर्व सूचना देने के लिए माइकिंग और अलर्ट अभियान भी चलाया गया था। नदी किनारे शव मिलने के बाद प्रशासन के साथ समन्वय कर खोज और व्यवस्थापन का काम शुरू किया गया। भरतपुर अस्पताल के शवगृह में जगह कम पड़ने के बाद रेडक्रॉस ने अस्थायी शवगृह के लिए त्रिपाल, स्ट्रेचर, ग्लव्स, मास्क और सैनिटाइजर समेत आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई है। संस्था ने रक्तसंचार सेवा को भी प्रभावी बनाए रखने में सहयोग किया है और करीब 600 यूनिट रक्त उपलब्ध होने की जानकारी दी है। रेडक्रॉस ने चितवन जिला विपद् व्यवस्थापन समिति को 322 शव व्यवस्थापन बैग उपलब्ध कराए हैं। वहीं पूर्वी नवलपरासी रेडक्रॉस को भी 100 शव व्यवस्थापन बैग दिए गए हैं।

दारौंदा के करसौत पैक्स अध्यक्ष बनीं अलका देवी

सीवान/दरौंदा करसौत पैक्स अध्यक्ष पद के चुनाव का परिणाम मंगलवार को घोषित किया गया। इसमें अलका देवी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी राजीव रंजन सिंह को 75 मतों के अंतर से हराकर जीत दर्ज की। अलका देवी को 353, जबकि राजीव रंजन सिंह को 278 मत मिले। 67 मत अवैध रहे। कुल 1414 मतदाताओं में 698 ने मतदान किया, जिससे मतदान प्रतिशत 49.36 रहा। परिणाम घोषित होते ही अलका देवी के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समर्थकों ने फूल-माला पहनाकर उन्हें बधाई दी और जीत का जश्न मनाया। चुनाव के दौरान निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ सिंपी कुमारी, सीओ वेदप्रकाश नारायण, उप निवार्ची पदाधिकारी सह बीईओ सौरभ सुमन और थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान शांतिपूर्ण रहा।

20 सालों के संघर्षशील महानायकों का होगा ऐतिहासिक सम्मान! बैठक में तय हुई तारीख और रूपरेखा

अखिल भारतीय सुढ़ी (वैश्य) संगठन की पटना बैठक में बड़ा फैसला: प्रमंडलों के नए क्षत्रपों का ऐलान, प्रहलाद पूर्वे संभालेंगे संयोजक की कमान

- 4 अक्टूबर दिन रविवार को राजधानी में सजेगा सम्मान समारोह का मंच

अभय आर्या

पटना। राजधानी में सुढ़ी समाज का ऐतिहासिक शंखनादः 30 जिलों के दिग्गजों का आशियाना-दीघा में महाजुटान हुआ, आगामी महा-सम्मान समारोह का खाका तैयार! अखिल भारतीय सुढ़ी (वैश्य) संगठन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दिशा-निर्धारक बैठक आशियाना-दीघा में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। संगठन की इस उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता आलोक अंजन ने की, जबकि मंच का कुशल संचालन अभय आर्या ने किया। बिहार के 35 जिलों से आए सामाजिक योद्धाओं और गणमान्य प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस बैठक को ऐतिहासिक बना दिया।

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए प्रहलाद पूर्वे ने आगामी बहुप्रतीक्षित सम्मान समारोह की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत कीः

संभावित तिथिः 4 अक्टूबर 2026 (स्थान का चयन अगले 10 दिनों में)।

पारदर्शिता का संकल्पः पूरा कार्यक्रम पूरी तरह पारदर्शी रहेगा। कोई भी निर्णय एकल नहीं होगा, हर महत्वपूर्ण फैसला सर्वसम्मति से लिया जाएगा।

मंच की गरिमाः मुख्य मंच पर केवल माननीय अतिथि ही शोभा बढ़ाएंगे।

वीवीआईपी अतिथियों का आगमनः समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री के आने की संभावन (अतिविशिष्ट अतिथि) के साथ-साथ समाज के वर्तमान व पूर्व मंत्री, विधायक, एमएलसी एवं अन्य राज्यों के जन प्रतिनिधि शामिल होंगे।

समाज के रत्नों का सम्मानः विगत 20 वर्षों में समाज को एकजुट करने वाले संघर्षशील समाजसेवियों और राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

नई कार्यकारिणी की घोषणाः प्रह्लाद पूर्वे बने संयोजक, प्रमंडलों में सौंपी गई बड़ी जिम्मेदारी समारोह को ऐतिहासिक बनाने के लिए प्रह्लाद पूर्वे के नाम पर बतौर संयोजक मोहर लगी।

सह-संयोजकः दिगंबर मंडल, सुनील नायक, आलोक अंजन

कोषाध्यक्षः अजय महतो सह कोषाध्यक्ष राजेश कुमार बने।

मीडिया व सह-मीडिया प्रभारीः अभय आर्या एवं सुजीत कुमार।

वही बताया गया कि कुछ पदों का सृजन कुछ दिनों में कर लिया जाएगा। 30 जिलों के प्रतिनिधियों ने दिया सफलता का मंत्र बैठक में उपस्थित प्रदेश भर के दिग्गजों ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए अपनी ठोस रणनीतियां रखीं। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित गणमान्य पिंटू महतो (खगड़िया), ब्रजेश मंडल व संजय कुमार (मधेपुरा), रमेश कुमार महतो (पूर्णिया), रोशन कुमार व पप्पू कुमार (मनेर), रूपेश कुमार (लखीसराय), रवि मंडल व मनीष मंडल (बेगूसराय), अरुण कुमार (डिहरी ऑन सोन), राजीव कुमार गुप्ता (दानापुर), अवधेश कुमार व दुर्गेश कुमार पांजियार (पटना), संजय कुमार महतो (मधुबनी), गुरु चरण (दरभंगा), अवधेश कुमार (शिवहर), चिंतारंजन (सीतामढ़ी), राजीव कुमार पूर्वे (कटिहार), बी.के. (बांका) सहित विधान कुमार, सुनील कुमार और अनुज कुमार प्रधान उपस्थित रहे।

प्रमंडल प्रभारियों की सूची

पटना प्रमंडलः दिगंबर मंडल
दरभंगा प्रमंडलः सुनील नायक
सारण प्रमंडलः अजय महतो
कोशी प्रमंडलः प्रदीप प्रधान
पूर्णिया प्रमंडलः प्रहलाद पूर्वे
भागलपुर व बांका प्रमंडलः अनिल वैद्य
मुंगेर व शाहाबाद प्रमंडलः आलोक अंजन

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

सं. डी.एन.आर./एस.एण्ड टी./सिग/2026/14 दानापुर दि. 27.08.2026

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूर संचार) पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर मंडल, निम्नलिखित कार्य हेतु रेलवे के वेबसाइट पर निविदाएं आमंत्रित करते हैं:–।

1. कार्य का नाम एवं स्थान : दानापुर डिवीजन के अंतर्गत शेष स्टेशनों पर RDSO द्वारा अनुमोदित एस्पिरेशन टाइप फायर अलार्म सिस्टम (AFDAS) लगाने हेतु कार्य। **2. अनुमानित लागत :–** रूपये 81961690.00, **3. बयाना राशि :** रूपये 1639200.00, **4. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 18.09.2026 को 15:00 बजे तक। **5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** दिनांक 18.09.2026 को 15:00 बजे। **6. वेबसाइट विवरण :** www.ireps.gov.in, **7. कार्यालय का पता जहाँ से निविदा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है :** वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता कार्यालय, दानापुर

नोट : विवाद की स्थिति में अंग्रेजी नोटिस मान्य होगा। यदि जरुरत हुई तो शुद्धि पत्र उपरोक्त वेब साइट पर 14 दिन पहले अपलोड कर दिया जाएगा।

स० सं० एवं दूर सं० अभि०
पूर्व मध्य रेल, दानापुर
पीआर/0832/डीएनआर/एस&टी/टी/26–27/36

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री सहयोग शिविर में ग्रामीणों की सुनी गई समस्याएं

दारौंदा प्रखंड क्षेत्र के पाण्डेयपुर पंचायत में मुख्यमंत्री सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को सुना गया तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों ने उनके समाधान के लिए आवश्यक जानकारी दी।शिविर में मुखिया निरंजन सिंह, बीडीओ शिम्पी कुमारी, सीओ वेद प्रकाश नारायण, बीईओ सौरभ सुमन एवं राजस्व कर्मचारी संजय कुमार सहित अन्य कर्मी मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी दी।

करसौत पैक्स चुनाव में 49.36 प्रतिशत मतदान

सीवान/दारौंदा करसौत पैक्स अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य पद के चुनाव को लेकर मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। कुल 49.36 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ। दिन चढ़ने के साथ मतदान केंद्र पर मतदाताओं की भीड़ और उत्साह बढ़ता गया।

मतदान के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ सिम्पी कुमारी, बीईओ सौरभ सुमन, सीओ वेद प्रकाश नारायण एवं थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मतदान केंद्र की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए थे।मतदान समाप्त होने के बाद अब सभी की निगाहें मतगणना पर टिकी हैं। प्रखंड कार्यालय परिसर में कड़ी सुरक्षा के बीच देर शाम मतगणना शुरू होने की बात कही गई है। देर रात तक परिणाम घोषित होने की उम्मीद है। अध्यक्ष पद के परिणाम को लेकर प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में उत्सुकता बनी हुई है।

धानाडीह मोड़ पर दो बाइकों की टक्कर, दो गंभीर

सीवान/दरौंदा। छपरा-सीवान मुख्य मार्ग एनएच-531 पर धानाडीह मोड़ के समीप मंगलवार की शाम दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दरौंदा में भर्ती कराया गया।चिकित्सक डॉ. अमर कुमार गुप्ता ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए सीवान सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों की पहचान सारण जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र के दरिहरा कौनवा गांव निवासी मंगल सिंह के पुत्र भोला कुमार और ललन ठाकुर के पुत्र विवेक कुमार के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि दोनों युवक आंदर बाजार स्थित इंडसइंड बैंक से केवाईसी कराने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान धनाडीह मोड़ के समीप सामने से आ रही बाइक से उनकी टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई।

एमडीएम रसोइया-वेंडर की डाटा एंट्री को लेकर सख्ती

सीवान/दरौंदा मध्याह्न भोजन योजना (एमडीएम) के तहत विद्यालयों में कार्यरत रसोइया एवं वेंडर के विवरण की डाटा एंट्री को लेकर विभाग ने प्रधानाध्यापकों को सख्त निर्देश दिया है। सभी संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को बुधवार को आवश्यक विवरण के साथ पूर्वाह्न 10:30 बजे बीआरसी पहुंचकर डाटा एंट्री कराने को कहा गया है।एमडीएम प्रभारी बिषकेतु यादव ने बताया कि प्रधानाध्यापक हर हाल में रसोइया एवं वेंडर का पूरा विवरण लेकर निर्धारित समय पर बीआरसी पहुंचें और डाटा एंट्री सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि समय पर विवरण दर्ज नहीं कराने पर बाद में डाटा एंट्री कराने में परेशानी हो सकती है। साथ ही, डाटा एंट्री में देरी का असर रसोइया एवं वेंडर के भुगतान पर भी पड़ सकता है। उन्होंने सभी संबंधित प्रधानाध्यापकों से निर्देश का पालन करने की अपील की।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार जख्मी

हवेली खड़गपुर (मुंगेर):खड़गपुर तारापुर मुख्य मार्ग के धर्मकांटा के समीप कार व बाइक के आमने-सामने टक्कर में बाइक सवार युवक जख्मी हो गए। घटना में नगर के सितुहार मोहल्ला के धर्मवीर कुमार जख्मी हो गए। ये बाइक से तारापुर की ओर से हवेली खड़गपुर आ रहे थे। जहां विपरीत दिशा से जा रही एक कार में ठोकर मार दी। जख्मी युवक का इलाज खड़गपुर अस्पताल में कराया गया।

धरहरा के माताडीह में लगा सहयोग शिविर जीविका दीदियों को ही नहीं मिला सहयोग

■ **बिना बीएमपी के ही निपट गया जीविका का काउंटर, महिलाओं ने पूछा - जब कार्यालय ही जाना है तो शिविर किसलिए?**

प्रातः किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। सरकार का दावा है कि सहयोग शिविर से गांव की हर समस्या का समाधान एक ही छत के नीचे होगा, लेकिन माताडीह पंचायत में लगे शिविर में यह दावा खोखला साबित हुआ। यहां जीविका से जुड़ी दर्जनों महिलाएं अपनी उम्मीदें लेकर शिविर में पहुंची थीं, लेकिन उन्हें मायूसी ही हाथ लगी। बेबी देवी, आरती देवी, कुमकुम देवी, सरोजनी देवी, कोमल देवी समेत कई जीविका दीदियां 10 हजार रुपये की सहायता राशि नहीं मिलने और अन्य योजनाओं की जानकारी लेने आई थीं। महिलाओं का आरोप है कि शिविर में जीविका की बीपीएम मौजूद ही नहीं थीं। उनकी जगह पंचायत कोर्डिनेटर प्रभात कुमार मौजूद थे, जो उनकी समस्याओं का स्पष्ट जवाब नहीं दे सके। महिलाओं को सिर्फ इतना कहकर टाल दिया गया कि ह्लजीविका कार्यालय धरहरा जाकर जानकारी ले लीजिए.ह्व

इस पर महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। महिलाओं ने कहा जब हर योजना की जानकारी और समाधान के लिए हमें सहयोग शिविर में बुलाया गया है, तो फिर हमें 10 किलोमीटर दूर कार्यालय का चक्कर लगाने को क्यों कहा जा रहा है? अगर शिविर में ही जानकारी नहीं मिलेगी तो इस शिविर का फायदा क्या ? ग्रामीणों का कहना है कि शिविर का असली मकसद लोगों को ब्लॉक और कार्यालयों के चक्कर से बचाना है। लेकिन संबंधित अधिकारी के न रहने से पूरा उद्देश्य ही विफल हो गया।वहीं दूसरी ओर शिविर का उद्घाटन एसडीओ कुमार अभिषेक और डीएसपी अर्जुन कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में विभिन्न विभागों के कुल 100 आवेदन आए, जिनमें पीएम आवास ग्रामीण के 13, आयुष्मान भारत कार्ड के 11, सामाजिक सुरक्षा के 8, भूमि सुधार के 9 और खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के 4 आवेदन शामिल हैं। कई आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन भी किया गया। इस मौके पर अंचल अधिकारी वीरेंद्र कुमार, पीङ्क ओङ्क कुमार सुंदरम,सीडीपीओ अमृता रंजन, कृषि प्रखण्ड पदाधिकारी अशोक प्रियदर्शी,मुखिया संध्या कुमारी मुखिया प्रतिनिधि रंजीत यादव,संतोष शाह सहित सभी पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

एचएस कॉलेज में एनसीसी के सीपीएल रोहित कुमार का ड्रोन प्रशिक्षण के लिए किया गया चयन

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर । हरि सिंह महाविद्यालय, हवेली खड़गपुर की एनसीसी 2/4 कंपनी के लिए यह गौरव का विषय है कि महाविद्यालय के होनहार सीपीएल रोहित कुमार का चयन ड्रोन क्लास एवं ड्रोन प्रशिक्षण के लिए हुआ है। सी पी एल रोहित कुमार के इस चयन से महाविद्यालय परिवार सहित एनसीसी इकाई में खुशी का माहौल है।सीपीएल रोहित कुमार की इस उपलब्धि को महाविद्यालय की एनसीसी इकाई की निरंतर प्रगति और कैडेटों को नए एवं उपयोगी कौशल सीखने के लिए उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ड्रोन तकनीक आज के आधुनिक दौर में शिक्षा, सर्वेक्षण, आपदा प्रबंधन, सुरक्षा एवं विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ऐसे में एनसीसी

कैडेटों का इस प्रकार के आधुनिक प्रशिक्षण से जुड़ना उनके व्यक्तित्व एवं भविष्य के लिए निश्चित रूप से लाभकारी है। इस अवसर पर एनसीसी एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. प्रियवंदा शर्मा ने कैडेट सावंत कुमार को बधाई देते हुए कहा कि एनसीसी केवल अनुशासन और परेड तक सीमित नहीं है, बल्कि कैडेटों को समय के साथ नई तकनीक, नेतृत्व क्षमता, साहस और जिम्मेदारी के लिए भी तैयार करता है। उन्होंने कहा कि हरि सिंह महाविद्यालय के कैडेट लगातार विभिन्न स्थानों पर आयोजित प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रमों में भाग लेकर नए-नए कौशल अर्जित कर रहे हैं और अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. देवेंद्र प्रसाद राम ने भी कैडेट रोहित कुमार को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कैडेटों की ऐसी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी एनसीसी से जुड़कर अनुशासन, नेतृत्व एवं कौशल विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं महाविद्यालय के अन्य शिक्षकों ने भी कैडेट रोहित कुमार को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिक्षकों ने कहा कि विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर मिलना उनके सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हरि सिंह महाविद्यालय की एनसीसी इकाई लगातार अपने कैडेटों को विभिन्न प्रशिक्षण, शिविरों, प्रतियोगिताओं एवं विशेष पाठ्यक्रमों से जोड़ रही है। कैडेटों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर जाकर नए-नए कौशल सीखना और वहां उत्कृष्ट प्रदर्शन करना महाविद्यालय की एनसीसी गतिविधियों को नई पहचान दे रहा है। सीपीएल रोहित कुमार का ड्रोन प्रशिक्षण के लिए चयन इसी निरंतर सफलता की एक और कड़ी है। महाविद्यालय परिवार को उम्मीद है कि आने वाले समय में एनसीसी के और भी कैडेट विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर महाविद्यालय एवं राष्ट्र का नाम गौरवान्वित करेंगे।

मुंगेर के पोलो मैदान में आगामी 5 सितम्बर को रोजगार मेला का किया जाएगा आयोजन : ईओ

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। जिला नियोजनालय, मुंगेर के सौजन्य से पोलो मैदान,किला परिसर,मुंगेर में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह रोजगार मेला 05 सितंबर 2026 को पोलो मैदान,किला परिसर, मुंगेर में लगेगा। इस जिला स्तरीय रोजगार मेला में मुंगेर जिले के स्थानीय नियोजक के साथ-साथ बिहार तथा बिहार के बाहर के नियोक्ताओं के द्वारा विभिन्न क्षेत्र में रोजगार के अवसर युवाओं को प्रदान किए जाएंगे। इसकी जानकारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने प्रेस को दी। नियोजन पदाधिकारी ने आगे बताया कि विभागीय स्टॉल्स के माध्यम से विभिन्न योजनाओ की जानकारी लोगो को प्रदान की जाएगी। इस रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों जैसे मैन्यूफैक्चरिंग, रिटेल, ऑटोमोबाइल (वाहन संबंधी), बैंकिंग-फाइनेंस, लॉजिस्टिक, इंश्योरेंस इत्यादि की कंपनियां जैसे ५३ ´रि रूँङ्क्ङ्क',श२,रँल्ल३ अ४३ङ्क, ३ ´ी‚ल्ल२४१ल्ली,द४ी२२ ङ्क१स्र, ीस्र३ङ्क जैसी कंपनियां के साथ अन्य बड़ी कंपनियां भाग ले रही है। इस रोजगार मेले में निम्नतम आठवीं , दसवीं दसवीं,12 वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, ग्रेजुएट, तकनीकी अथवा गैर तकनीकी योग्यता रखने वाले युवक एवं युवतियों के पास रोजगार पाने का मौका होगा। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कंपनियां भाग लेंगी तथा विभिन्न विभागीय स्टॉल्स के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। मुंगेर जिले के युवाओं के लिए यह एक सुनहरा मौका है जहां से वो अपने करियर को एक नई दिशा दे

सोन नदी जल समझौते से बिहार के कृषि क्षेत्र को मिलेगा बड़ा लाभ : शीला

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में मंत्री शीला मंडल ने प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं तथा प्राप्त आवेदनों के विधि-सम्मत एवं त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर कार्यक्रम के समन्वय के लिए प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी अंजुम आरा भी मौजूद रहीं। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री शीला मंडल ने बिहार और झारखंड के बीच हुए सोन नदी जल समझौते को बिहार के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता बिहार के हितों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इससे लंबे समय से लंबित इन्द्रपुरी जलाशय परियोजना के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा तथा भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, पटना, गया एवं अरवल सहित कई जिलों में सिंचाई व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह समझौता बिहार के किसानों के हित में है और राज्य के जल संसाधनों के बेहतर उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साथ ही, मंत्री शीला मंडल ने कहा कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ना देश के लिए बड़ी उपलब्धि है।

मय पंचायत के सहयोग शिविर में 173 आवेदन प्राप्त, 152 का निष्पादन

मुंगेर। मंगलवार को सदर प्रखंड अंतर्गत मय पंचायत में प्रखंड विकास पदाधिकारी, सदर मुंगेर विश्वजीत कुमार तिवारी के नेतृत्व में विभागीय निदेर्शानुसार सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता पंचायत की मुखिया सोनी देवी ने की।सहयोग शिविर में कुल 173 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 152 आवेदनों का मौके पर निष्पादन कर दिया गया, जबकि 21 आवेदन लंबित रहे। शिविर में मुंगेर आयुक्त प्रेम सिंह मीणा ने लाभुकों के बीच स्वीकृति प्रमाण पत्र का वितरण किया। वहीं मुंगेर विधायक कुमार प्रणय ने शिविर में लगे स्टॉलों का जायजा लिया तथा उपस्थित पदाधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए। मौके पर डीआरडीए के निदेशक अमरेश कुमार एवं, जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र अलबेला सहित प्रखंड स्तरीय 22 विभागों के पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सदर प्रखंड प्रमुख नरेश कुमार, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शिवम पुरी गोस्वामी, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी जितेंद्र कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी प्रमोद मिस्त्री, प्रखंड कृषि पदाधिकारी मोनिका कुमारी, जदयू प्रखंड अध्यक्ष सुजीत मंडल, लोजपा नेता रंजीत पासवान, मुखिया प्रतिनिधि विकास यादव, पंचायत समिति सदस्य रामबरन मंडल, उप मुखिया गणेश कुमार गौतम, पंचायत के जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

धंधा बंद करो, नहीं तो भट्ठी तोड़ देंगे – गंगटा में नशे के खिलाफ महिलाओं का प्रदर्शन

हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। प्रखंड क्षेत्र के गंगटा पंचायत में नशे के खिलाफ महिलाओं ने जागरूकता अभियान चलाया। गंगटा पंचायत महिला मोर्चा के बैनर तले आयोजित अभियान में महिलाओं ने हाथों में नशामुक्ति से जुड़े संदेशों वाली तख्तियां लेकर गांव का भ्रमण किया। इस दौरान महिलाओं ने शराब और गांजा के खिलाफ नारे लगाते हुए लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। महिलाओं ने नशे के अवैध कारोबार को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा कि धंधा बंद करो, नहीं तो भट्ठी तोड़ देंगे। महिलाओं का कहना था कि नशे की वजह से परिवार और समाज पर बुरा असर पड़ रहा है। खासकर युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना जरूरी है। अभियान के दौरान नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो और स्वस्थ समाज, सुरक्षित भविष्य जैसे संदेशों के साथ महिलाओं ने लोगों को जागरूक किया। मौके पर एसएसबी के जवान भी मौजूद रहे। महिलाओं ने प्रशासन से शराब भट्ठियों और गांजा की अवैध बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पांच लोगों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

हवेली खड़गपुर (मुंगेर): अलग-अलग मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। खड़गपुर थाना क्षेत्र के खैरा गांव के राहुल कुमार, टुन्नी देवी और नंदकिशोर मंडल को गिरफ्तार किया गया। उत्पाद अधिनियम मामले में जागीर गांव के मनोज कुमार और कोर्ट मामले के वारंटी भैया राम टोला मोहल्ला के जीतू विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है जानकारी थानाध्यक्ष ने दी।

डॉक्टर, इंजिनियर और प्रोफेसर ने राजद की सदस्यता ली

पटना। महादलित समाज से आने वाले वैशाली जिला के कई प्रबुद्ध लोगों ने आज राजद के राज्य कार्यालय में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव ने डॉ. के सी कुमार, ई आलोक चन्द्र गौतम एवं प्रो. जयशंकर प्रसाद सहित अन्य लोगों को राजद की सदस्यता दिलाई और पार्टी के प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहु द्वारा सबों को पार्टी का पट्टा देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बिनु यादव, निवर्तमान प्रदेश प्रवक्ता चित्तरंजन गगन, प्रदेश महासचिव हरेन्द्र कुशवाहा,पूर्व प्रदेश महासचिव नागेन्द्र यादव, फैयाज आलम कमाल , मदन शर्मा ,संजय यादव, प्रमोद राम एवं निर्भय अम्बेदकर सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

रसायनिक यूरिया खाद के लिए व्यापार मंडल तारापुर में किसानों की हो रही भारी भीड़

प्रातः किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर)। मंगलवार को सुबह 6:00 बजे से ही व्यापार मंडल तारापुर पर असरगंज संग्रामपुर तारापुर सहित बांका जिले के महिला एवं पुरुष किसानों की भारी भीड़ रसायनिक यूरिया खाद लेने के लिए जमा हो जा रही है । गौरतलब है कि क्षेत्र के पुरुष के साथ-साथ महिला किसान भी पौह फटते ही रसायनिक यूरिया खाद के लिए व्यापार मंडल तारापुर पर पहुंचने लगते हैं । राज्य सरकार किसानों के प्रति इनके बेहतरी को लेकर समय-समय पर भरपूर मात्रा में निर्धारित मूल्य पर खाद बीज उपलब्ध कराने का चाहे लाख दावा कर ले ,पर जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है। तारापुर के किसानों को धान एवं रब्बी फसल बुआई के समय भी रसायनिक यूरिया खाद एवं डीएपी के लिए काफी मारामारी करना पड़ता है । आज जब धान का पौधा बडा.हुआ तो विभिन्न प्रकार की फसलों में देने के लिए रसायनिक यूरिया खाद लेने के लिए घर एवं खेती बारी का सारा काम छोड़ कर दिनों भर तारापुर में रहकर काफी जद्दोजहद का सामना करना पड़ रहा है, इसके बावजूद भी यूरिया खाद नहीं मिल रहा है । बताया जा रहा है कि जो लाइन में खड़े लगभग आधा से अधिक किसान काफी निराश होकर शाम होने पर घर वापस लौट जाते हैं। रसायनिक यूरिया खाद लेने को लेकर व्यापार मंडल तारापुर आए किसानों में कर्मवीर भारती हरपुर, प्रकाश यादव खानपुर, नीतीश कुमार निराला खुदिया, ने खुलासा करते हुए बताया की तारापुर से अधिक रसायनिक यूरिया एवं डीएपी खाद बांका जिला के किसानों ने अपने तारापुर के विभिन्न गांवों के रिश्तेदारों के आधार कार्ड के माध्यम से रसायनिक यूरिया खाद ले रहे हैं । वहीं तारापुर क्षेत्र के किसानों को बड़ी मुश्किल से 1 से 2 बोरी रसायनिक यूरिया खाद मिल पाता है। किसानों ने आगे कहा कि यहां जिला पदाधिकारी के द्वारा दिये गए सख्त हिदायत के बाद भी उनके आदेश का अनदेखी की जा रही है।

मुंगेर जिले के जमालपुर प्रखंड की पाटम पूर्वी पंचायत बाल श्रम मुक्त घोषित

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, जमालपुर विक्रम कुमार द्वारा बताया गया कि राज्य के सभी जिलों के प्रत्येक प्रखंड में कम से कम तीन पंचायतों को बाल श्रम मुक्त बनाने के संकल्प को साकार करते हुए दिनांक 01 सितंबर 2026 को मुंगेर जिले के जमालपुर प्रखंड अंतर्गत पाटम पूर्वी पंचायत को बाल श्रम मुक्त पंचायत घोषित किया गया। उन्होंने बताया कि इस क्रम में मुंगेर जिले के 27 पंचायतों को बाल श्रम मुक्त घोषित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसकी शुरूआत आज जमालपुर प्रखंड से की गई है। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी श्वेता कुमारी, अंचलाधिकारी प्रीति कुमारी, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी विक्रम कुमार एवं पंचायत के मुखिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी, पंचायत सचिव एवं परिवार विकास एनजीओ की सदस्य एवं अन्य सामाजिक कार्यकर्ता व ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी के द्वारा बाल श्रम के विरुद्ध शपथ ग्रहण किया गया। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी श्री विक्रम कुमार ने कहा कि यह पहल बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कर उन्हें शिक्षा, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानपूर्ण बचपन का अधिकार है। किसी भी दुकान, प्रतिष्ठान, होटल, ढाबे या कारखाने में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से काम कराना कानूनन अपराध है।

भारत आज दुनिया के लिए सबसे भरोसेमंद संकटमोचक बनकर उभरा है : रणबीर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता प्रो. रणबीर नंदन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया के लिए सबसे भरोसेमंद संकटमोचक बनकर उभरा है। अगस्त 2026 में नेपाल की भोट कोशी और त्रिशूली नदी में आई विनाशकारी बाढ़ के दौरान भारत ने ह्यफर्स्ट रिस्पॉन्डरह्ल यानी सबसे पहले मदद पहुंचाने वाले देश की भूमिका निभाई है। भारतीय वायुसेना के विमानों ने काठमांडू में अब तक 68.5 टन राहत और मानवीय सहायता सामग्री पहुंचाई है। भाजपा की ह्यसेवा ही संगठन नीति के तहत भारत बिना किसी स्वार्थ के यह ऐतिहासिक मदद कर रहा है।

प्रो. नंदन ने बताया कि नेपाल को दी गई इस त्वरित मदद में भारी मात्रा में खाद्य सामग्री, खाने के पैकेट, जरूरी दवाइयां और पानी साफ करने वाली क्लोरीन टैबलेट शामिल हैं। इसके अलावा बेघर हुए प्रभावित परिवारों के सुरक्षित आवास और स्वच्छता के लिए तिरपाल, प्लास्टिक शीट, टेंट, कंबल, स्लीपिंग बैग, मच्छरदानी तथा हाइजीन व डिग्निटी किट भी भेजी गई हैं। बाढ़ के कारण उत्पन्न हुई बिजली की भारी कमी को दूर करने के लिए भारत सरकार ने विशेष तौर पर पोर्टेबल जनरेटर सेट भी नेपाल पहुंचाए हैं।

संकट की इस घड़ी में भारत ने न केवल राहत सामग्री बल्कि अपने विशेषज्ञ भी नेपाल भेजे हैं। हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स, विशेषकर अपर त्रिशूली-1 की जलमग्न सुरंगों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए भारतीय सेना का 13 सदस्यीय विशेष तकनीकी सुरंग बचाव दल भेजा गया है।

घायलों के त्वरित इलाज के लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की 11 सदस्यीय मेडिकल टीम वहां दिन-रात काम कर रही है।

सहयोग शिविर में समस्याओं का हुआ समाधान

प्रातः किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर) । जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र की तीन पंचायतों–तेलियाडीह , रतैठा एवं गोबड्डा में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं पंचायत स्तरीय कर्मियों ने उपस्थित होकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी प्रेम कुमार, अंचल अधिकारी जयप्रकाश स्वर्णकार, डीसीएलआर हरेंद्र कुमार, राजस्व पदाधिकारी आशीष यादव, पंचायत सचिव विजेंद्र कुमार सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं पंचायत स्तरीय कर्मी मौजूद रहे। शिविर में जनप्रतिनिधियों की भी सक्रिय भागीदारी रही। इनमें पंचायत मुखिया राहुल कुमार, जदयू प्रखंड अध्यक्ष राजेदार मंडल, वार्ड सदस्य नीतेश कुमार सिंह, गोपाल रजक, मुरारी मुन्ना तांती सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। वहीं सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र से भाजपा नगर अध्यक्ष शिव शंकर चौधरी, पूर्व मुखिया बबलू झा एवं संजय कुमार सिन्हा भी शिविर में उपस्थित रहे।

आम जनता ने दिया आवेदन, त्वरित निष्पादन करने के लिए डीएम ने दिया निर्देश

■ **आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान के लिए सहयोग शिविर का आयोजन**

प्रातः किरण संवाददाता

मुंगेर । बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सात निश्चय-3 के अंतर्गत सबका सम्मान, जीवन आसान अभियान के तहत आम नागरिकों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को आयोजित किए जाने वाले सहयोग शिविर के क्रम में इस माह के पहले मंगलवार को मुंगेर जिले के सभी नौ प्रखंडों में सहयोग शिविर का सफल आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न पंचायतों में आयोजित इन शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं आम नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। प्राप्त आवेदनों में भूमि विवाद, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, आवास योजना, विद्युत, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, मनरेगा, लोक शिकायत, परिवहन सहित विभिन्न विभागों से संबंधित मामले शामिल रहे। जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर द्वारा आज नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत नगर भवन में में सहयोग शिविर का उद्घाटन किया गया। इस दौरान उन्होंने सैकड़ों लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल उन शिकायतों के समाधान के निदेश दिए। बरियारपुर में आयोजित आज की शिविर में कुल 193 आवेदन प्राप्त हुए, जिसका जिलाधिकारी ने निर्धारित समय सीमा के अंदर उसके निष्पादन के निदेश दिए। जिलाधिकारी द्वारा कई पात्र लाभूकों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, श्रम संसाधन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं सहित अन्य योजनाओं के लाभ भी दिए गए। लाभूकों ने योजना का लाभ पाकर राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। जिलाधिकारी ने शिविर में उपस्थित नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को मामलों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन का निर्देश दिया।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की मंशा है कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही त्वरित राहत उपलब्ध हो। निर्धारित 30 दिनों के अंदर सभी आवेदन को सहयोग पोर्टल पर अपलोड करते हुए स-समय निष्पादित करने के निदेश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ पूरी पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए।

जिले के सभी नौ प्रखंडों में आयोजित सहयोग शिविरों में विभिन्न विभागों से संबंधित सैकड़ों आवेदन प्राप्त हुए। सदर प्रखंड अंतर्गत मय पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में कुल 173 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें सर्वाधिक 28 आवेदन एलएसबीए अंतर्गत शौचालय निर्माण की राशि के भुगतान से संबंधित थे। इसके अलावे कृषि विभाग के बीस एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन से संबंधित कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए।

सभी संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि प्रत्येक आवेदन को अनिवार्य रूप से सहयोग पोर्टल पर अपलोड करते हुए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अधिकतम 30 दिनों के भीतर उसका निष्पादन सुनिश्चित करें।

साथ ही आवेदकों को उनके आवेदन की प्रगति की नियमित जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। विदित हो के सहयोग शिविर आम जनता और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इस पहल के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान उनके घर के निकट ही किया जा रहा है, जिससे प्रशासनिक सेवाएं अधिक सुगम, पारदर्शी एवं जवाबदेह बन रही हैं तथा आमजन को इसके लाभ भी मिल रहे हैं।

बिहार में अब क्यूआर कोड से खाद खरीदेंगे किसान, अधिक दाम वसूलने पर होगी कार्रवाई

पटना, एजेंसी। खेत बचाओ, गुणवत्तायुक्त बीज और खाद सुलभ कराओ अभियान किसान हित में विभाग की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य उर्वरक बिक्री व्यवस्था को पारदर्शी, सुव्यवस्थित, जवाबदेह और किसान-केंद्रित बनाना है। ये बातें सोमवार को कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहीं। वे मीठापुर स्थित कृषि भवन सभागार में विभागीय अधिकारियों के कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि किसान को अब क्यूआर कोड उपलब्ध कराया जाएगा। यह क्यूआर कोड तीन दिनों तक मान्य रहेगा। इसके माध्यम से किसान उसमें अंकित अधिकृत उर्वरक विक्रेता से निर्धारित प्रक्रिया के तहत भुगतान कर उर्वरक खरीद सकेंगे।

प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना आवश्यक: उन्होंने कहा कि किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक समय पर और सुगमता से उपलब्ध कराना कृषि विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उर्वरक की उपलब्धता, वितरण और बिक्री व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करना आवश्यक है।

उर्वरक बिक्री व्यवस्था को डिजिटल और

किसान-केंद्रित बनाने के लिए विभाग ने एफएसएएस (उर्वरक बिक्री आवेदन प्रणाली का ढांचा) के माध्यम से ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की है। आइएफएमएस और एग्रीस्टैक के एकीकरण से उर्वरक की खरीद-बिक्री प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने का प्रयास किया गया है।

शिकायत पर तत्काल कठोर कार्रवाई के निर्देश

कृषि मंत्री ने निर्धारित मूल्य से अधिक पर बिक्री, कालाबाजारी, जमाखोरी या अन्य अनियमितता की शिकायत पर तत्काल कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तकनीक का उद्देश्य किसान की सुविधा बढ़ाना है, उसकी परेशानी नहीं। किसी भी तकनीकी या प्रशासनिक समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए।

बंगाल में युवाओं को मिलेगा रोजगार, सभी विभागों में एक साल के भीतर खाली पदों को भरने का मेगा प्लान

कोलकाता, एजेंसी। लंबे समय से सरकारी नौकरियों का इंतजार कर रहे बंगाल के बेरोजगार युवाओं के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य सरकार ने प्रशासनिक विभागों में वर्षों से खाली पड़े पदों को भरने के लिए एक बड़े अभियान की शुरुआत कर दी है। सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि अगले एक साल के भीतर जिन विभागों में कर्मचारियों की सबसे ज्यादा किल्लत है, उन सभी जरूरी रिक्तियों की पहचान कर विस्तृत प्रस्ताव जल्द से जल्द भेजा जाए। नवान्न (राज्य सचिवालय) सूत्रों के अनुसार, राज्यस्तरीय 'मैनपावर रैशनेलाइजेशन कमेटी' की आगामी बैठक से पहले तमाम प्रशासनिक विभागों से उनके यहां खाली पदों का पूरा हिसाब-किताब मांगा गया है। हालांकि एक साथ सभी रिक्तियों को भरने के बजाय सरकार ने चरणबद्ध तरीके से सबसे ज्यादा जरूरी और महत्वपूर्ण पदों पर प्राथमिकता के आधार पर नियुक्तियां करने का निर्णय लिया है। पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने और नए पदों पर भर्ती न होने के कारण प्रशासनिक कामकाज पर भारी दबाव पड़ रहा था। कई विभागों में तो स्थिति यह है कि कर्मचारियों की भारी कमी के कारण आम जनता को मिलने वाली दैनिक नागरिक सेवाएं भी प्रभावित हो रही थीं। सरकार इस असंतुलन को दूर करने के लिए पूरी पारदर्शिता के साथ काम करना चाहती है। आगामी मंगलवार तक सभी संबंधित विभागों को अपनी रिपोर्ट और रिक्तियों का ब्योरा कमेटी के पास जमा कराने का कड़ा निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाबी इन्फ्लुएंसर मंजीत की मौत केस में नया खुलासा

मोहाली, एजेंसी। पंजाबी इन्फ्लुएंसर मंजीत कौर की मौत के मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, घटना को लेकर कई अहम सवाल सामने आ रहे हैं। मंजीत तीन जुलाई को चंडीगढ़ के सेक्टर-34 में आई थी। उस समय उसके साथ उसकी एक युवती दोस्त भी थी, जिसे मंजीत की बेस्ट फ्रेंड बताया जा रहा है। मंजीत के पास थार गाड़ी थी। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना वाली रात वह थार में सेक्टर-34 पहुंची थी या फिर कैब में। मंजीत की बेस्ट फ्रेंड नेहा को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, तीन जुलाई को घटना हुई थी और चार जुलाई को नेहा मोहाली के शोको और मास्क क्लब गई थी। उसके मोबाइल फोन में उस समय मंजीत की फोटो थी। मंजीत की मां कांता देवी ने पुलिस को दिए बयानों में आरोप लगाया है कि शुभी और पिंदा ने मंजीत को सेक्टर-34 स्थित शराब के ठेके के पास बुलाया था। इसके बाद उसके साथ मारपीट कर उसे गाड़ी में अगवा किया गया और मोरिंडा के जंगल क्षेत्र में ले जाकर पेड़ से बांधकर आग लगा दी गई। पुलिस अब इस बयान और जांच में सामने आ रही सेक्टर-34 में पहुंचने की बात को लेकर जांच कर रही है।

संक्रामक रोगों का हॉटस्पॉट बना मेरठ मंडल, स्वाइन फ्लू-डेंगू के 435 मामले आए सामने; सर्वे पर भी उठे सवाल

गाजियाबाद, एजेंसी। शासन स्तर से आये दिन जारी होने वाले दिशा निर्देशों के बाद भी एक जुलाई से शुरू होकर 31 जुलाई तक संचालित होने वाला डोर टू डोर संचारी रोग नियंत्रण अभियान बेअसर हो रहा है। कम से कम मेरठ मंडल के छह जिलों की ताजा रिपोर्ट से तो यह साफ लगता है। 31 अगस्त देर शाम को जारी की गई रिपोर्ट बयां कर रही है कि मेरठ मंडल संक्रामक रोगों का हाट स्पाट बनता जा रहा है। मेरठ मंडल में स्वाइन फ्लू के संग डेंगू ने भी पैर पसारने शुरू कर दिये हैं।अगस्त तक मंडल के छह जिलों में स्वाइन फ्लू के 302 और डेंगू के 133 केस मिल चुके हैं। मलेरिया के 83,स्क्रब टायफस के 25,लेप्टोस्पायरोसिस के 27 और चिकनगुनिया का भी एक केस मिल चुका है। खास बात यह है कि शासन स्तर से रोज समीक्षा होने के बाद भी संचारी रोगों पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। सर्वे भी कमजोर पड़ रहा है। अधिकांश केस प्राइवेट लैबों में जांच के बाद पुष्ट किये जा रहे हैं। जिले वार गठित सर्विलांस विंग और मलेरिया अनुभाग की गतिविधियां भी संचारी रोग बढने पर सवालों के दायरे में आ रहीं हैं। हर साल सर्वे एवं एंटी लार्वा स्प्रे और लार्वा नष्ट करने के लिये ब्रीड चेकर रखे जाते हैं। कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी कराया जाता है।

बोरवेल में गिरा 9 साल का बच्चा, 48 फीट की गहराई पर मिट्टी और पाइप के बीच फंसा

जयपुर, एजेंसी। अलवर जिले के बुटोली गांव में नौ वर्षीय बच्चा खेलते हुए तीन सौ फीट गहरे खुले बोरवेल में गिर गया। बच्चा करीब 48 फीट गहराई पर मिट्टी व पाइप के बीच फंसा हुआ है। देर रात तक बचाव कार्य जारी रहा, पर बच्चे को नहीं निकला जा सका। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब छह बजे भानू अन्य बच्चों के साथ खेल रहा रहा था। इसी दौरान वह खुले बोरवेल में गिर गया। सूचना मिलने पर प्रशासन और पुलिस के अफसरों की टीम आपदा प्रबंधन दल के साथ मौके पर पहुंची। बच्चे को बाहर निकालने के लिए बोरवेल के आसपास जेसीबी व अन्य मशीनों से खुदाई की गई। स्वजन बार-बार बच्चे को आवाज दे रहे हैं, जिसका वह जवाब दे रहा है। रस्सी के सहारे पानी की बोतल, बिस्किट बच्चे तक पहुंचाए गए। बोरवेल काफी समय से बंद था, काम नहीं आ रहा था।

नागपुर में मॉर्निंग वॉक पर निकले बुजुर्ग को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

नागपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के नागपुर से दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आ रही है, जहां जापानी गार्डन इलाके में रविवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले एक बुजुर्ग की तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नागपुर के जापानी गार्डन इलाके में सुबह-सुबह बुजुर्ग मॉर्निंग वॉक पर निकला था।

राधा उपाध्याय बनीं ओवरआल तीज क्वीन, देहरादून तीज महोत्सव में महिलाओं ने बिखेरे लोक संस्कृति के रंग

देहरादून, एजेंसी। लाडपुर-तपोवन रोड स्थित ब्लाक सभागार में आयोजित तीज महोत्सव में महिलाओं ने लोक संस्कृति

का संदेश देते हुए गीत और नृत्य की प्रस्तुति से रंग जमाया। लोकगायिका पूनम सती के गीतों पर महिलाएं झूम उठीं। राधा उपाध्याय ने ओवरआल तीज क्वीन का खिताब जीता। महोत्सव में लोक नृत्य, कथक, योग और फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। तीज के रंग में सजी महिलाओं ने रैंप वाक के साथ सावन के गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। इस दौरान तीज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

40 से कम आयुवर्ग में राधिका बड़थ्वाल प्रथम, मीनाक्षी सेमवाल द्वितीय, जबकि सोनिया तृतीय रहीं। 40 से अधिक आयुवर्ग में अलकनंदा सेमवाल बहुगुणा प्रथम, मोनिका द्वितीय, जबकि भावना ने तृतीय स्थान हासिल किया। मुख्य अतिथि रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ, विशिष्ट अतिथि महापौर सौरभ थपलियाल व महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने विजेताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व पार्षद कविंद्र सेमवाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन आगे भी किए जाएंगे। इस मौके पर पार्षद अभिषेक पंत, कपिल धर, विजय लक्ष्मी, पूजा नेगी, प्रशांत डोभाल, रायपुर मंडल अध्यक्ष उज्ज्वल नेगी, पूर्व अध्यक्ष रुद्रेश शर्मा, राकेश थपलियाल आदि मौजूद रहे।

लखनऊ समेत 25 जिलों में तीन दिनों तक होगी भारी बारिश, सितंबर में बदलेगा मौसम का मिजाज

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में पिछले तीन-चार दिन से मानसून कमजोर पड़ गया है, लेकिन सितंबर के पहले सप्ताह में मौसम का मिजाज बदलेगा।

एक से तीन सितंबर तक लखनऊ और सुल्तानपुर समेत पूर्वी एवं दक्षिणी यूपी में मध्यम से भारी वर्षा को लेकर अलर्ट किया गया है। इस दौरान 25 जिलों में गरज-चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है।

वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को बांदा, प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, संत रवि दास नगर, रायबरेली, सुल्तानपुर, अमेठी, वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या, अंबेडकरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, संभल और आसपास के कई जिलों में भारी वर्षा के पूर्वानुमान हैं। गुरुवार तक इन जिलों में अच्छी बारिश के संकेत मिल रहे हैं। शुक्रवार रात या शनिवार से मौसम फिर करवट लेगा और मानसूनी सक्रियता में कमी होगी। सोमवार को मुरादाबाद में सर्वाधिक 149 मिमी बारिश हुई, जबकि प्रयागराज में 132 मिमी, चित्रकूट में 67 मिमी वर्षा हुई। राजधानी में सोमवार को सुबह से ही बादलों की आवाजाही के बीच कहीं-कहीं बूंदाबांदी हुई। दोपहर बाद हल्की उमस बढ़ी, लेकिन देर शाम मौसम अचानक बदला और काले बादल छाए रहने के साथ

करीब 30 मिनट तक जोरदार बारिश हुई। हल्की हवा के साथ हुई बरसात से मौसम काफी अच्छा हो गया और लोगों को उमसभरी गर्मी से राहत मिली। गोमतीनगर, हजरतगंज, निशातगंज समेत शहर के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। सोमवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस कम है। अधिकतर जिलों में तापमान की यही स्थिति रही। मंगलवार को दिन का पारा 30 डिग्री सेल्सियस रहने के पूर्वानुमान हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अगस्त माह में उम्मीद से अधिक बारिश हुई। एक अगस्त से 31 अगस्त तक प्रदेश में सामान्य वर्षा 235.5 मिमी की तुलना में 291.3 मिमी यानी करीब 24 प्रतिशत अधिक बरसात हुई है। इसमें पूर्वी यूपी में सामान्य से 20 प्रतिशत और पश्चिमी यूपी में 29 प्रतिशत बादल अधिक बरसे हैं। एक जून से 31 अगस्त तक सामान्य से 0.7 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

एल्गोरिदम से बच्चों को असली खतरा: मेटा की पाबंदियों पर सवाल; विशेषज्ञ बोले- बच्चों को क्या दिखाया जा रहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। बच्चों को सोशल मीडिया के संभावित नुकसान से बचाने के लिए इस्तेमाल की उम्र व समय सीमा तय करना पर्याप्त नहीं है। असली चुनौती यह है कि प्लेटफॉर्म के एल्गोरिदम बच्चों को किस तरह का कंटेंट बार-बार दिखा रहे हैं और उन्हें उसी ओर क्यों खींच रहे हैं। मेटा की नई पाबंदियों के बाद विशेषज्ञों ने इसी पहलू पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि केवल स्क्रीन टाइम घटाने से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के प्रभाव को खत्म नहीं किया जा सकता।

बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया के असर को लेकर चल रहे कानूनी विवाद के बीच मेटा ने अमेरिकी राज्यों के साथ समझौता किया है। कंपनी 18 अरब डॉलर तक का भुगतान करेगी। साथ ही अमेरिका में 18 साल से कम उम्र के फेसबुक और इंस्टाग्राम उपयोगकर्ताओं के लिए रोजाना अधिकतम दो घंटे इस्तेमाल की सीमा और रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक रोक लागू की जाएगी। नेचर की रिपोर्ट के अनुसार यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की मनोवैज्ञानिक कैथरीन मोडकी के अनुसार बच्चों की सुरक्षा का केंद्र उन एल्गोरिदम पर होना चाहिए जो तय करते हैं कि उन्हें कौन-सा कंटेंट बार-बार दिखेगा। समझौते के तहत मेटा 18 साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं को लक्षित कंटेंट एल्गोरिदम बंद करने का विकल्प देगा, लेकिन डिफॉल्ट सेटिंग में एल्गोरिदम चालू रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले दिसंबर में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लगाई थी। इसके तीन महीने बाद करीब 900 अभिभावकों के सर्वे में लगभग 70 प्रतिशत ने बताया कि उनके बच्चे का अब भी किसी प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट था।

एपल मैप्स पर दिखेगा 'लेक अमेरिका' नाम: ट्रंप ने कंपनी को दिए निर्देश

शिकागो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपल से अपने नक्शे वाले एप में ओंटारियो झील का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' करने को कहा है। ट्रंप प्रशासन के गृह मंत्री डग बर्गम ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह बात ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के कुछ दिन बाद सामने आई है, जो अब कनाडा के साथ बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच चर्चा में है। गृह मंत्री डग बर्गम ने फॉक्स न्यजू से कहा कि ट्रंप ने 'सीधे एपल से संपर्क किया है'। उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि जल्द ही एपल के प्लेटफॉर्म पर 'लेक अमेरिका' नाम दिखाई दे सकता है। एपल ने सोमवार को इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। लंबे समय से ओंटारियो लेक के नाम से जानी जाने वाली यह झील अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के ओंटारियो प्रांत के बीच है।

अमेरिका में एपल के प्रतिद्वंद्वी गूगल मैप्स ने पिछले सप्ताहांत ही अपने अमेरिकी यूजर्स के लिए नया नाम दिखाना शुरू कर दिया। कंपनी ने इसके लिए ट्रंप के हालिया आदेश का हवाला दिया। साथ ही उसने अपनी पहले से चली आ रही नीति का भी जिक्र किया। इस नीति के तहत गूगल उन नामों का इस्तेमाल करता है, जिन्हें अमेरिकी भौगोलिक नाम सूचना प्रणाली यानी जीएनआईएस में दर्ज किया गया है। गूगल ने शनिवार को एक बयान में कहा, अमेरिका में मैप्स इस्तेमाल करने वाले लोगों को 'लेक अमेरिका' दिखाई देगा। कनाडा में लोगों को ओंटारियो लेक ही दिखाई देगी। अमेरिका और कनाडा से बाहर रहने वाले लोगों को दोनों नाम दिखाई देंगे। गूगल ने कहा कि ऐसे बदलाव उसकी लंबे समय से चली आ रही नीति के तहत किए जाते हैं। यह नीति उन जल क्षेत्रों पर लागू होती है, जिनके नाम अलग-अलग देशों में अलग-अलग हैं।

यीड़ा में घरों की बढ़ती मांग पर बड़ा दांव, ग्रुप हाउसिंग के पांच भूखंडों की योजना जल्द होगी लॉन्च

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना प्राधिकरण आवासीय मांग को पूरा करने के लिए ग्रुप हाउसिंग भूखंड की योजना निकालने जा रहा है। योजना में पांच भूखंड शामिल हो सकते हैं। प्राधिकरण ई नीलामी के जरिये भूखंडों का आवंटन करेगा। इसके साथ ही बड़े ग्रुप हाउसिंग भूखंडों को छोटे आकार में बांटकर उनकी योजना निकालने पर विचार किया जा रहा है। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में आवास की मांग लगातार बढ़ रही है। प्राधिकरण की आवासीय भूखंड योजना में लाखों की संख्या में आवेदन होते हैं, जबकि भूखंडों की संख्या इसके सापेक्ष बेहद कम रहती है। आवास की मांग को देखते हुए प्राधिकरण भूखंड योजनाओं के साथ ग्रुप हाउसिंग श्रेणी में भी भूखंड योजना निकालने की तैयारी कर रहा है। जल्द ही इस योजना को लांच कर दिया जाएगा। राजस्व प्राप्ति के लक्ष्य को पूरा करने के लिए ग्रुप हाउसिंग भूखंड योजना प्राधिकरण के लिए अहम साबित हो चुकी है। सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि जल्द ही ग्रुप हाउसिंग योजना को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में चाकूबाजी: महिला ने दो लोगों को मारा चाकू

अल्बानी, एजेंसी। अमेरिका में न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में एक महिला ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने हमलावर महिला को गोली मार दी, जिससे उसकी भी मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बताया कि हमले में घायल एक महिला की भी मौत हो गई।

सोमवार को हुई यह घटना न्यूयॉर्क पुलिस विभाग की एक चौकी के पास वन टाइम्स स्क्वायर के ठीक बाहर हुई। इसी इमारत में शहर में हर साल होने वाले नववर्ष की पूर्व संध्या के बॉल ड्रॉप कार्यक्रम का आयोजन होता है। यह न्यूयॉर्क के सबसे ज्यादा पर्यटकों और पुलिसकर्मियों की मौजूदगी वाले इलाकों में से एक है।

घायल महिला की अस्पताल में हुई मौत: पुलिस के अनुसार, क्वींस की रहने वाली 49 वर्षीय महिला ने खरीदारी के बैग से दो चाकू निकाले। उसने पहले 68 वर्षीय व्यक्ति के पेट में चाकू मारा। इसके तुरंत बाद उसने 32 वर्षीय महिला के पेट में भी चाकू मार दिया। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस के अनुसार, महिला की मौत हो गई, जबकि

पुरुष की हालत स्थिर है। पुलिस ने यह नहीं बताया कि दोनों पीड़ित शहर घूमने आए पर्यटक थे या स्थानीय निवासी।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में कम से कम 10 पुलिसकर्मी महिला को घेरे दिखाई दे रहे हैं। उसके हाथ में रसोई में इस्तेमाल होने वाले दो बड़े चाकू थे। पुलिस आयुक्त जेसिका टिश ने सोमवार शाम संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पुलिसकर्मियों ने कई मिनट तक महिला को चाकू छोड़ने के लिए समझाने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने उस पर टेजर का इस्तेमाल किया। टिश के अनुसार, महिला ने पुलिसकर्मियों से कहा, 'मैं कुछ नहीं छोड़ रही हूं, मैं तुम दोनों को मारना पसंद करूंगी।' इसके बाद दो पुलिसकर्मियों ने महिला को गोली मार दी। राहगीरों द्वारा बनाए गए वीडियो में महिला जमीन पर गिरती दिखाई दे रही है। इसके बाद एक पुलिसकर्मी ने उसके हाथ में हथकड़ी लगाई। पुलिसकर्मियों ने उसे पीठ के बल लिटाया और प्राथमिक उपचार दिया। टिश ने कहा, 'यह टाइम्स स्क्वायर के बीचोंबीच सामने आई बेहद खतरनाक स्थिति थी, जो दुनिया का चौराहा है।' टिश ने बताया कि महिला का न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के पास मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा रिकॉर्ड था, लेकिन उसका कोई गिरफ्तारी रिकॉर्ड नहीं था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टिश ने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे यह संकेत मिले कि यह आतंकवादी हमला था। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों के नाम उनके परिजनों को सूचना दिए जाने तक जारी नहीं किए गए हैं। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा, 'हम जानते हैं कि आज जो हुआ, उससे उन परिवारों की जिंदगी बिखर गई है और हम आने वाले घंटों, दिनों और हफ्तों में उनके साथ खड़े रहेंगे।' न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने 7वीं एवेन्यू के एक हिस्से को बंद कर दिया और लोगों को इलाके से दूर रहने की चेतावनी दी।

नेपाल में एक ही घर से 24 शव बरामद

काठमांडू, एजेंसी। नुवाकोट जिले के भोटे कोशी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बिदुर नगर पालिका-10 (वेत्रवंती) में एक ही घर के मलबे से 24 शव निकाले गए हैं। नुवाकोट के एसपी बिपिन रेग्मी ने बताया कि बरामद किए गए शवों में 13 महिलाएं, 11 पुरुष और एक बच्चा शामिल है। फिलहाल शवों की पहचान नहीं हो सकी है और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग अस्पताल भेज दिया गया है।

त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल राजेंद्र दवाड़ी के सही समय पर लिए गए फैसले ने करीब 900 छात्रों की जान बचा ली। बाढ़ की चेतावनी मिलते ही प्रिंसिपल दवाड़ी ने तुरंत स्कूल खाली कराया और सभी मौजूद छात्रों को पास की एक सुरक्षित पहाड़ी पर पहुंचा दिया। कुछ ही देर बाद पानी, कीचड़ और चट्टानों का तेज बहाव स्कूल की पूरी इमारत को बहा ले गया। हादसे के वक्त स्कूल के 1,643 छात्रों में से करीब 900 कैंपस में मौजूद थे। दुर्भाग्य से, स्कूल के दो कर्मचारी समय पर बाहर नहीं निकल सके और वे अभी भी लापता हैं।आपदा को आए कई दिन हो गए हैं, लेकिन लापता लोगों की तादाद अब भी हजारों में बनी हुई है। कुल मिलाकर करीब 4,000 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। रसुवा जिले के उत्तरगया गांव में ही करीब 350 छात्रों का कोई सुराग नहीं है। त्रिशूली 3ए हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में काम करने वाले 40 से 42 इंजीनियर फंसे हुए हैं। आपदा के समय ये सभी काम पर तैनात थे। त्रासदी के छठे दिन भी यहां रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू नहीं किया जा सका है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496